हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 11.03.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 223 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

बदला मौसम का मिजाज झमाझम बारिश

बड़कागांव : मंगलवार को बड़कागांव प्रखंड और आसपास के क्षेत्रों में मौसम ने अचानक करवट ली। दोपहर के समय उमस भरी गर्मी के बाद शाम होते हीं आसमान में काले बादलों ने डेरा डाल लिया, जिसके बाद तेज गर्जना और कड़कड़ाती बिजली के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस बेमौसम बारिश से जहां एक ओर लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर जनजीवन पर भी इसका असर देखने को मिला। जिसके बाद देखते ही देखते तेज हवाओं के साथ बारिश का सिलसिला शुरू हो गया और वज्रपात (ठनका) की तेज आवाज से लोग सहम गए और सुरक्षित स्थानों की ओर शरण लेते दिखे। मुख्य बाजार से लेकर ग्रामीण इलाकों तक सड़कों पर आवाजाही कुछ देर के लिए थम सी गई।

बरही तिलैया रोड में खुला आरोग्य होम्योपैथिक क्लिनिक

बरही : बरही तिलैया रोड में स्टेट बैंक बरही के बगल में मंगलवार को आरोग्य होम्योपैथिक क्लिनिक खुला। क्लिनिक का उद्घाटन काशी के विश्व प्रसिद्ध होम्योपैथी चिकित्सक डॉ अमर सिंह, होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ दीक्षा सिंह, सीए दिवाकर सिंह, समाजसेवी मुन्ना सिंह ने संयुक्त रूप से पूजा अर्चना कर किया। मौके पर दर्जनों लोगों का नि:शुल्क परामर्श डॉ दीक्षा सिंह एवं डॉ अमर सिंह के द्वारा दिया गया। जिससे काफी लोग संतुष्ट नजर आए।

14 मार्च को विशेष शिविर का आयोजन

बरही : प्रखंड के रानीचुआं पंचायत के धोबघट गांव में 14 मार्च को सरकार के द्वारा विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए बीडीओ जयपाल महतो ने बताया कि रानीचुआं पंचायत के आदिवासी समुदाय एवं अन्य समुदाय के विकास एवं सशक्त बनाने तथा पंचायत के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पंचायत क्षेत्र के धोबघट गांव में सुबह 11 बजे से 4 बजे तक विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा।

विधानसभा में उठाया गया हजारीबाग में महिला महाविद्यालयों की स्थापना का मुद्दा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को उच्च शिक्षा सुलभ बनाने के लिए कटकमदाग, दारू, कटकमसांडी एवं सदर प्रखंड में महिला कॉलेज खोलने की मांग

बरही : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने जिले में उच्च शिक्षा की व्यवस्था से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय सदन में प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि हजारीबाग जैसे बड़े जिले में वर्तमान में केवल एक महिला महाविद्यालय संचालित है, जिसके कारण विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की कई छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उन्हें समय, संसाधन और सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अनेक परिवारों की आर्थिक स्थिति भी ऐसी नहीं होती कि वे अपनी बेटियों को दूर शहरों में पढ़ने के लिए भेज सकें। ऐसे में कई प्रतिभाशाली छात्राएँ उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती हैं।

उन्होंने कहा कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों के निकट महिला महाविद्यालयों की स्थापना की जाए तो इससे बड़ी संख्या में छात्राओं को शिक्षा का अवसर मिलेगा और बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। शिक्षा के माध्यम से ही समाज में समान अवसर और समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

सदन के माध्यम से विधायक प्रदीप प्रसाद ने सरकार से आग्रह किया कि हजारीबाग जिले के कटकमदाग, दारू, कटकमसांडी तथा सदर प्रखंड में एक-एक महिला महाविद्यालय की स्थापना की दिशा में ठोस और समयबद्ध पहल की जाए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को अपने ही क्षेत्र में सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा केवल एक सामाजिक आवश्यकता ही नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य को सशक्त बनाने की आधारशिला है। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का मजबूत ढांचा विकसित किया जाए तो इससे न केवल शिक्षा का स्तर बढ़ेगा, बल्कि समाज में जागरूकता और आत्मनिर्भरता भी मजबूत होगी।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार इस महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक पहल करेगी। उन्होंने कहा कि हजारीबाग की बेटियों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

विधायक ने तिलैया डैम को इको टूरिज्म के रूप में विकसित करने का मामला विधानसभा में उठा

बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने विधानसभा सभा सत्र के दौरान बरही विधानसभा क्षेत्र के बरही व चंदवारा प्रखंड के प्रखंड के सीमावर्ती क्षेत्र के मनोरम दृश्य तिलैया जलाशय को इको टूरिज्म के रूप में विकसित करने का मामला विधानसभा में उठाया । उन्होंने कहा कि तिलैया डैम इको टूरिज्म विजन के अनुरूप प्रमुख पर्यटन स्थल है तथा भौगोलिक दृष्टि कोण से मसांजोर डैम के तरह अंतरराज्यीय कॉरिडोर के लिए उपयुक्त है। उन्होंने पर्यटन मंत्री से सवालिया अंदाज में पुछा कि क्या राज्य सरकार का पर्यटन विभाग चिन्हित स्थलों पर ईको टूरिज्म नीति के तहत ईको-कॉटेज का निर्माण और विकास कर रहा है। विभागीय मंत्री ने इस सवाल के जवाब में अपनी सहमति दी। उन्होंने सवाल किया कि यदि उपरोक्त बातें सही हैं तो सरकार मसांजोर डैम की तर्ज पर बरही स्थित तिलैया डैम के किनारे वन क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में ईको-कॉटेज विकसित कराने का विचार रखती है। इस पर विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार ने बताया कि कोडरमा जिले का तिलैया डैम विभागीय अधिसूचना संख्या-01, दिनांक 22 फरवरी 2019 के तहत श्रेणी बी के पर्यटक स्थल के रूप में अधिसूचित है।उन्होंने कहा कि उपायुक्त कोडरमा के पत्रांक-55, दिनांक 25 फरवरी 2026 के अनुसार चंदवारा प्रखंड अंतर्गत अधिसूचित पर्यटक स्थल तिलैया डैम के प्रक्षेत्र उरवां मौजा में पर्यटकीय विकास और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ईको-कॉटेज निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। मंत्री ने कहा कि 5.1 एकड़ परती (खाली) भूमि को ईको-कॉटेज निर्माण के लिए चिन्हित किया गया है। योजना के क्रियान्वयन से पहले स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता और सहमति प्राप्त करने के लिए उपायुक्त कोडरमा के माध्यम से ग्राम सभा आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी चंदवारा को पत्र भेजकर ग्राम सभा की तिथि निर्धारित करने तथा उसमें उठाए गए बिंदुओं और पारित प्रस्तावों की प्रति जल्द उपलब्ध कराने को कहा गया है।

संक्षिप्त खबरें

महंगाई एवं युद्ध को देखते हुए केंद्र सरकार को आवश्यक कदम उठाने चाहिएः अंबा प्रसाद

बड़कागांव : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच चल रही युद्ध पर चिंता जताई है। फेसबुक लाइव के माध्यम से आम जनमानस को संबोधित करते हुए अंबा प्रसाद ने कहा कि भारत आने वाले कच्चा तेल का 40% ईरान से आता है और युद्ध की स्थिति को देखते हुए कच्चा तेल का आयात काफी हद तक कम हुआ है जिससे काफी वस्तुओं के दाम बढ़ने की संभावना है चाहे वह रसोई गैस हो चाहे वह सीएनजी हो चाहे रोज के जरूरत के वस्तुएं हो सभी सामानों के महंगा होने का आसार है. अंबा प्रसाद ने तेल नहीं दिए जाने के मामले पर ईरान द्वारा दी गई धमकी पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री जो खुद को विश्व गुरु समझते हैं वह इस मामले पर चुप्पी साध लिए हैं।अंबा प्रसाद ने प्रधानमंत्री के विदेश नीति पर प्रश्न करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी का दौरा अन्य देशों में होते रहा है ताकि वैश्विक रिश्ता मजबूत हो लेकिन उनकी वैश्विक नीति क्या है यह समस्या पड़े हैं आज कोई देश हमें खुलेआम धमकी दे रहा है कि भारत को तेल नहीं देंगे, जबकि देश में अगले 40 दिनों से कम दिन का तेल भंडार मौजूद है।

मंगला जुलूस को लेकर पुलिस अलर्ट, एसपी के नेतृत्व में जवानों ने निकाला फ्लैग मार्च

हजारीबाग : होली के बाद हजारीबाग में रामनवमी पर्व की तैयारी शुरू हो जाती है। होली के बाद पड़ने वाले पहले मंगलवार को हजारीबाग में मंगला जुलूस निकालने की पुरानी परंपरा रही है। मंगला जुलूस के दौरान विभिन्न अखाड़े सड़कों पर उतरकर शक्ति प्रदर्शन करते हुए जय श्री राम का जयघोष करते हैं। प्राचीन महावीर स्थान मंदिर में में प्रसाद चढ़ाया जाता है। वहीं मंगला जुलूस और रामनवमी को लेकर प्रशासन की ओर से इस बार व्यापक तैयारी की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर फूल प्रूफ योजना बनाई गई है। पिछले साल की गलती से सीख लेते हुए प्रशासन इस बार अतिरिक्त सुरक्षा बल मंगला जुलूस के दौरान तैनात करने जा रहा है। मंगलवार शाम के 5:00 बजे से जवानों की प्रतिनियुक्ति विभिन्न चौक-चौराहों पर कर दी जाएगी। हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन स्वयं कंट्रोल रूम से सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग करेंगे। इसके अलावे सड़क पर भी उतरने की भी योजना है।

एफएलएन मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

कटकमदाग : प्रखंड अंतर्गत पीएम श्री उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय सलगावां में वार्षिकोत्सव के अवसर पर एफएलएन मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथि प्रखंड प्रमुख कुमारी बिनीता, शिक्षा एम्बेसडर सह भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष इंद्रनारायण कुशवाहा व विद्यालय के प्रधानाध्यापक रोहित प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रधानाध्यापक ने कार्यक्रम का विषय प्रवेश कराते हुए विद्यालय की उपलब्धि पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। नृत्य, गीत, नाटक एवं अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पूर्व में आयोजित खेल-कूद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं एफएलएन एवं टीएलएम मेला में शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित शैक्षणिक मॉडल एवं शिक्षण सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे उपस्थित अतिथियों व अभिभावकों ने काफी सराहा। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों की रचनात्मक क्षमता और शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरीय शिक्षक राजेश कुमार गौतम व सरजू रविदास ने किया। इस अवसर पर पंसस भगीया देवी, सीआरपी अनुपमा रानी, शिक्षक संजय कुमार कुशवाहा, आशा कुमारी, राजेंद्र कुमार दांगी, अनीता कुमारी मेहता, दीप शिखा, अनिल कुमार, वंदना कुमारी, प्रभात कुमार गुप्ता, निर्मल कुमार, बिजेंद्र कुमार, विनीता तिर्की, परवरी देवी, सुषमा कुमारी, मोनिका कुमारी, गीतांजली सिंह, कमलेश कुमार, प्रीति खलखो, अभिनव मिश्रा, कुमारी शालिनी भारती, दीपक कुमार वर्मा, राहुल कुमार, रीता कुमारी शारदा, बबीता अग्रवाल, सरोज भेंगरा, उमाकांत साहू, स्मृति कुमारी, अनिता कुशवाहा सहित अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

महिला दिवस पखवाड़ा में याद की गई विभावि की प्रथम कुलपति डॉ विनोदिनी तर्वे

हजारीबाग : अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़ा में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति स्वर्गीय विनोदीनि तर्वे को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर इस अवसर पर स्नातकोत्तर जन्तुविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उनकी तस्वीर पर? माल्यार्पण व पुष्पार्चण किया गया। मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ किशोर कुमार गुप्ता ने बताया कि पूरे झारखण्ड और बिहार में उन्हें प्रथम महिला कुलपति होने का गौरव प्राप्त है। एक बंजर पड़ा भूमि पर उन्होंने विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के वृक्ष का बीजारोपण किया। विश्वविद्यालय को स्थापित करने में उनके कर्मठ, निष्ठा और? समर्पण की कहानी आज भी लोगों को प्रेरित करती है। विभाग प्रत्येक वर्ष महिला दिवस पखवाड़े में पूरे विश्वविद्यालय परिवार की ओर से इस विदुषी महिला के प्रति अपनी कृतज्ञता अर्पित करता रहा है।

6 प्रत्याशी मैदान में, 4 ने वापस लिया नाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामनवमी महासमिति चुनाव

हजारीबाग : चुनाव समिति के सदस्य महंत विजयानंद दास,बप्पी करण, लब्बू गुप्ता, संदीप सिन्हा , निशांत प्रधान, आदि ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि श्री श्री चैत्र रामनवमी महावीरी झंडा महासमिति 2026 के अध्यक्ष पद को लेकर चल रही चुनावी प्रक्रिया में दिलचस्प मोड़ आ गया है। प्रारंभिक चरण में कुल 10 प्रत्याशी मैदान में उतरे थे, हालांकि नाम वापसी की प्रक्रिया के दौरान 4 प्रत्याशियों ने अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद चुनावी मुकाबला अब सीमित प्रत्याशियों के बीच रह गया है, जिससे चुनाव और भी रोचक हो गया है।

निर्वाचन प्रक्रिया के तहत सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिए गए हैं। दीप प्रकाश *चक्र छाप, अजय दास **स्वास्तिक छाप, पुरुषोत्तम **ॐ छाप, लड्डू उर्फ करण यादव **त्रिशूल छाप, मनीष गोप **गदा छाप* तथा दीपक देवराज को *शंख छाप* चुनाव चिन्ह प्रदान किया गया है। प्रत्याशी इन्हीं चिन्हों के सहारे अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमाएंगे।

रामनवमी महासमिति के इस चुनाव में मतदान का अधिकार केवल पंजीकृत अखाड़ों के पदाधिकारियों को दिया गया है। कुल रजिस्टर्ड अखाड़े 104 है जिसके अध्यक्ष और सचिव के साथ-साथ महासमिति के पूर्व 22 अध्यक्ष भी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

माँ बासंती दुर्गा पूजा समिति का पुनर्गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- अरविंद वर्मा अध्यक्ष और सरोज सोनी बने सचिव

बड़कागांव : बड़कागांव में सोमवार को चैती दुर्गा मंडप के प्रांगण में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैती नवरात्रि एवं रामनवमी मनाने हेतु सार्वजनिक बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता पूर्व विधायक लोकनाथ महतो एवं संचालन रामसेवक सोनी ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया जिसमें अध्यक्ष अरविंद वर्मा ,सचिव सरोज सोनी , कोषाध्यक्ष महेश सोनी को चुना गया।सभा के धन्यवाद ज्ञापन मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने किया।बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार,रामसेवक प्रसाद सोनी , शंभू साव, महेश सोनी, सरोज सोनी, हीरा साव, अवधेश सोनी, दीपू सोनी, अमित कुमार सोनी, रूपेश कुमार वर्मा, राजू कुमार सोनी, वीरू कुमार सोनी, अवधेश मिश्रा, रामधनी विश्वकर्मा, बैजनाथ महतो रोशन सोनी, अनिल सोनी,रंजीत कुमार ,आकाश कुमार वर्मा, कोलेश्वर साव, मुन्ना पांडेय, अरविंद वर्मा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

सुदेश महतो का बड़कागांव मुख्य चौक में हुआ भव्य स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव मुख्य चौक में झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो का पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।बताते चलें कि आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो एवं पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता संजय कुमार मेहता केरेडारी में कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित कार्यशाला कार्यक्रम में सम्मिलित होने जा रहे थे।स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, मुखिया अनिकेत नायक, सुनिल कुमार, कामेश्वर महतो, नागेश्वर तुरी, प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, प्रखंड प्रवक्ता तपेश्वर कुमार तापस, जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र कुमार, कुशवाहा समाज अध्यक्ष सोहनलाल मेहता, प्रखंड उपाध्यक्ष शंकर मिश्रा, शशी मेहता, यदु प्रसाद दांगी,संजय राणा, रवि जयसवाल, वीरेंद्र महतो, तुलेश्वर राम, प्रभु महतो, धनश्याम मेहता, तुलेश्वर महतो, सुनिल कुमार, सुरेश महतो, अजित कुमार, कमलेश कसेरा आदी लोग शामिल हुए।

हजारीबाग यूथ विंग एवं वर्ल्ड केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रयास से जरूरतमंद को मिला रक्त

- नवनिर्वाचित महापौर अरविंद राणा ब्लड बैंक पहुंचकर किया रक्तदान
- 13 अप्रैल को लक्ष्मी सिनेमा हॉल में हजारीबाग यूथ विंग करेगा भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शहर में इन दिनों रक्त की किल्लत के बीच सामाजिक संस्थाएं जरूरतमंदों की मदद के लिए लगातार सक्रिय हैं। शहर की अग्रणी सामाजिक संस्थाओं में शामिल हजारीबाग यूथ विंग एवं वर्ल्ड केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया पिछले कई वर्षों से जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और मानव सेवा के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।मंगलवार को एक मासूम बच्चे को अत्यंत आवश्यक रक्त की जरूरत पड़ गई। इस सूचना के बाद वर्ल्ड केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया और हजारीबाग यूथ विंग के सदस्यों ने अपने स्तर से रक्त की व्यवस्था के लिए प्रयास शुरू किया। इसी क्रम में वर्ल्ड केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कमलेश सिंह ने हजारीबाग के नवनिर्वाचित महापौर अरविंद कुमार राणा से रक्तदान करने की अपील की। जिसके बाद महापौर अरविंद कुमार राणा कुछ ही घंटों के भीतर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज ऑफ अस्पताल के ब्लड बैंक पहुंच गए और जरूरतमंद बच्चे की जान बचाने के लिए रक्तदान किया। उनके इस सराहनीय कदम की सभी ने प्रशंसा की। इस दौरान हजारीबाग यूथ विंग के सचिव रितेश खंडेलवाल, वर्ल्ड केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सदस्य ऋषभ ऋषि, निर्मल जैन, आर खेरी सहित कई लोग मौजूद थे। रक्तदान के बाद बातचीत के दौरान महापौर अरविंद कुमार राणा ने कहा कि रक्तदान करना उन्हें हमेशा अच्छा लगता है और यह मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने बताया कि अपने जीवन में वे 41वीं बार रक्तदान कर रहे हैं। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए ताकि जरूरत पड़ने पर किसी की जान बचाई जा सके।

अधिवक्ता रामचंद्र साव बने जिला विधि सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश इकाई की ओर से संगठन का विस्तार करते हुए हजारीबाग जिला अंतर्गत बरही निवासी समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रामचंद्र साव को हजारीबाग जिला विधि सचिव बनाया गया है। इनका मनोनयन प्रदेश विधि सचिव सुनील कुमार दत्त की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति के द्वारा किया गया है। अधिवक्ता रामचंद्र साव सामाजिक कार्यकर्ता के साथ साथ अनुमंडल कोर्ट में बतौर अधिवक्ता काम करते है । इनके द्वारा सामाजिक कार्यों में काफी सहभागिता रहती है।

बीएम मेमोरियल स्कूल में 'सावित्री बाई फुले' की मनाई गई पुण्यतिथि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड के ठाकुर मोहल्ला रोड स्थित अंग्रेजी माध्यम से संचालित बी .एम. मेमोरियल स्कूल के प्रांगण में देश की पहली महिला शिक्षिका एंव महान समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की पुण्यतिथि मनाई गई।जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य कैलाश कुमार व संचालन शिक्षक आनंद कुमार पासवान ने किया।इस कार्यक्रम में शिक्षकों व विद्यार्थियों के द्वारा सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान निदेशक संदीप कुशवाहा ने कहा कि सावित्रीबाई फुले शिक्षक होने के साथ भारत के नारी शक्ति आंदोलन की पहली नेता, समाज सुधारक और मराठी कवयित्री भी थी। इन्हें बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए समाज का कड़ा विरोध झेलना पड़ा था। उन्होंने छुआछूत, सती प्रथा, बाल विवाह तथा विधवा विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध काम किया।वह भारत की पहली महिला अध्यापिका बनीं थी।वही उपनिदेशक पिंटू कुशवाहा ने कहा कि सावित्रीबाई फुले भारत की ऐसी पहली महिला शिक्षिका थीं, जिन्हें दलित लड़कियों को पढ़ाने पर लोगों द्वारा फेकें गए पत्थर और कीचड़ का सामना करना पड़ा। ऐसी महान हस्ती सावित्रीबाई फुले का पुणे में लोगों का प्लेग बीमारी से पीड़ित लोगों के इलाज के दौरान वे स्वयं भी प्लेग बीमारी से ग्रसित होकर 10 मार्च 1897 को निधन हो गया था।प्राचार्य कैलाश कुमार व उपप्राचार्य पूनम कुमारी ने कहा कि भारत की पहली महिला शिक्षिका एवं महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि करते हैं।वे नारी शिक्षा, सामाजिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए उनका संघर्ष और योगदान सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा।उन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज में जागरूकता और बदलाव की जो अलख जगाई, वह आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मौके पर बी.एम.मेमोरियल स्कूल के निदेशक संदीप कुशवाहा ,उपनिर्देशक पिंटू कुशवाहा,प्रीति कुशवाहा, विद्यालय शिक्षा अध्यक्ष रंजीत कुमार , ब्रह्मदेव सिंह चौहान,आनन्द राज ,महेंद्र विश्वकर्मा ,मुकेश कुमार दास ,सोनू कुमार, कृष्ण यादव, राजेश कुमार ,ऋषभ अग्रवाल, शंकर महतो,कुलदीप रंजन, भानु राज, अभिषेक कश्यप, एरिका टोप्पो , देवंती देवी, अंजली मिश्रा ,गंगा भारती,अफसाना परवीन , सावित्री टुडू , रेखा कुमारी, अन्नीदिता दास,नीलम बेदिया, ज्योति कुमारी, सरिता बा, विकास ठाकुर, सुभाष प्रसाद,रंजन कुमार,आदित्य कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 11.03.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 223 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

असम के बिस्वनाथ चारियाली में जागरूकता जनसभा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

इस बार भाजपा को पता चलेगा कि राजनीति आदिवासियों को भी आती है : हेमन्त सोरेन

तेजपुर, असम के निकट नापोम जरोनी में इफ्तार पार्टी में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मंगलवार को असम पहुंचे। वहां उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस क्रम में वह भाजपा का नाम लिए बगैर उस पर खूब बिफरे। उन्होंने कहा कि इस बार के चुनाव में ऐसा प्रयास होगा कि उन्हें समझ में आ जाएगा कि राजनीति सिर्फ उन्हीं को नहीं आती। दलितों आदिवासियों को भी आती है। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरूआत चाय से की। उन्होंने कहा कि असम ही नहीं पूरे देश के चाय का व्यापार केवल आदिवासियों की बदौलत चलता है। अगर आदिवासियों ने अपना हाथ खींच लिया तो यह व्यापार ही ठप हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस व्यापार को संचालित करने के बदले आदिवासियों को क्या मिलता है, किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने झारखंड से असम के आदिवासियों को जोड़ा। कहा कि झारखंड में भी हक और अधिकार की लंबी लड़ाई लड़ी गयी। लेकिन जब हक और अधिकार नहीं मिला तो अलग राज्य का बिगुल फूंका गया। इसके लिए संकल्प लिया गया। यह जानते हुए कि इस लड़ाई में अग्रिम पंक्ति के सभी नेता मारे जाएंगे। दूसरी पंक्ति के जेल जाएंगे। तब तीसरी पंक्ति के नेता कार्यकर्ता झारखंड सजाएंगे और संवारेंगे। वही हुआ। उन्होंने आह्वान किया कि इसी तरह का संकल्प असम के आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों को भी लेना होगा। एक छत के नीचे आना होगा।

मुख्यमंत्री ने वहां के लोगों को समझाया। हम आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक रूप से अपने राजनीतिक दुश्मन से कमजोर हैं। अब लड़ कर लेंगे झारखंड वाला नारा काम नहीं आएगा। अब बौद्धिक और कानूनी रूप से भी हमें लड़ाई लड़नी पड़ेगी। इसके लिए एकजुट होना होगा। क्योंकि असम में सत्ता में काबिज लोग कुछ देनेवाले नहीं है। क्योंकि ये व्यापारी हैं। व्यापारी हमेशा अपने लाभ का न्यूनतम हिस्सा भी मजबूरी में देता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इन्हें केवल गुजरात, मुंबई और दिल्ली का विकास करना है। इस विकास के लिए केवल मजदूर चाहिए। और ये मजदूर आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यक ही बने रहें। उन्होंने कहा कि झारखंड में सबसे अधिक खनिज संपदा है। लेकिन इसकी हालत क्यों बदतर हो गयी। जहां खनिज नहीं है, वे विकसित राज्य बन गए। क्योंकि झारखंड के विकास को केंद्र में रख कर कभी नीतियां नहीं बनने दी गयी।

मुख्यमंत्री ने बार बार दुहराया कि इसका बदला लेने का एक ही तरीका है, चुनाव के समय सजग होना। अपने अधिकार और सम्मान के लिए वोट का सार्थक प्रयोग करना। वोट से ही सत्ता मिलती है और सत्ता से किसी समुदाय और समाज की तस्वीर और तकदीर बदलती है। वे ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के माध्यम से डराते-धमकाते हैं। ईरान पर जारी हमले की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अभी तो गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ी है। आनेवाले दिनों में चावल, दाल, कपड़ा, सबकी कीमतें बढ़ेंगी और इसका असर उन पर नहीं होगा। उन्होंने अंत में असम के आदिवासियों को आश्वस्त किया कि उन्हें एसटी का दर्जा दिलाने का वह रास्ता निकालेंगे। सोनार का सौ चोट और लोहार के एक चोट की याद दिला देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विडंबना है कि हजारों वर्षों से असम में निवास करने वाले आदिवासी समाज के साथ आखिर भेदभाव क्यों किया जा रहा है, उन्हें आदिवासी का दर्जा भी नहीं मिल रहा है। असम का एक बहुत बड़ा धड़ा कई यातनाओं से गुजर रहा है, इतना बड़ा समूह वर्तमान समय में अपने अधिकार और सम्मान की लड़ाई लड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्थिति को बदलने के लिए हम सभी को चट्टान की तरह एकजुट रहना पड़ेगा।

एलपीजी उत्पादन में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : घरेलू उपभोक्ताओं को कुकिंग गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत की तेल रिफाइनरियों ने लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का उत्पादन करीब 10 प्रतिशत बढ़ा दिया है। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि यह कदम केंद्र सरकार के निर्देशों के बाद उठाया गया है। इस फैसले के बाद कुछ संगठनों द्वारा जताई जा रही एलपीजी आपूर्ति में कमी की आशंकाओं को काफी हद तक दूर करने में मदद मिली है।

केंद्र सरकार के निर्देश के बाद उत्पादन बढ़ाने के इस कदम से संभावित आपूर्ति बाधित होने को लेकर उठ रही चिंताओं को कम करने में मदद मिली है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग और अनियमितताओं को रोकने के लिए नए गैस सिलिंडर की बुकिंग के बीच प्रतीक्षा अवधि भी 21 दिनों से बढ़ाकर 25 दिन कर दी है।

एलपीजी की आपूर्ति को लेकर पीएम ने की उच्च स्तरीय बैठक

एलपीजी की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में रसोई गैस की संभावित कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई।

गुजरात में गैस आपूर्ति पर प्रतिबंध

गुजरात सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर औद्योगिक गैस के उपयोग में 50 फीसदी की कटौती की है। राज्य के ऊर्जा मंत्री ऋषिकेश पटेल ने घरेलू एलपीजी वितरण में कोई बाधा न आने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर काम कर रही हैं ताकि घरों में खाना पकाने वाली गैस की कमी न हो। सरकार ने घरेलू खपत को प्राथमिकता देने के लिए कुछ औद्योगिक उपयोगों पर प्रतिबंध लगाए हैं। उद्योगों को गैस आपूर्ति में 50 फीसदी की कटौती की गई है। उर्वरक और दूध प्रसंस्करण के लिए गैस आपूर्ति में करीब 40 फीसदी की कटौती है। मंत्री ने राजकोट से वाणिज्यिक गैस सिलिंडरों पर प्रतिबंध की खबरों का खंडन किया।

उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक गैस सिलिंडरों पर कोई कटौती या प्रतिबंध नहीं है।

आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू

एक सरकारी सूत्र ने बताया कि स्थिति की निगरानी और एलपीजी के सही वितरण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि आवश्यक सेवाएं अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू नहीं किया गया है।

एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि ऊर्जा उपलब्धता के मामले में भारत की स्थिति कई अन्य देशों की तुलना में बेहतर है। अधिकारियों के अनुसार, सरकार देश की ऊर्जा जरूरतों को बिना किसी व्यवधान के पूरा करने के लिए कई देशों के साथ लगातार संपर्क में है। सूत्रों ने बताया कि पहले कुछ चिंताएं जरूर थीं, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो गई है और आपूर्ति श्रृंखला सुचारू रूप से काम कर रही है।

देशभर की सभी रिफाइनरियां उत्पादन बनाए रखने के लिए पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि सरकार हालात पर लगातार नजर रखे हुए है और यदि कोई चुनौती सामने आती है तो उससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।एक सूत्र ने कहा, घरेलू उपभोक्ताओं की जरूरतें हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। सरकार ने लोगों से सोशल मीडिया पर एलपीजी की कमी को लेकर फैल रही अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करने की अपील भी की है।

एक नजर

बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को किया ढेर

चंडीगढ़ : बीएसफ ने सीमा पार से हो रही तस्करी की कार्रवाई को असफल बनाते हुए तरनतारन के खेमकरण सेक्टर में हेरोइन तस्करी का प्रयास कर रहे एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर कर दिया। इस संबंध में पाकिस्तान को सूचित किया गया है, लेकिन वहां से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। बीएसएफ के अनुसार सोमवार रात तरनतारन के खेमकरन के सरहदी क्षेत्र में सीमा चौकियों कालीआ और नूर वाला के बीच बीएसएफ की 142वीं बटालियन के जवानों ने पाकिस्तान की सीमा पार कर हेरोइन तस्करी की कोशिश कर रहे एक अज्ञात पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर कर दिया। घटना स्थल से कुछ संदिग्ध सामान भी बरामद किया गया है।

इंडिगो के सीईओ का इस्तीफा, कंपनी के एमडी देखेंगे उनका काम

नयी दिल्ली : देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने अपने पद सें इस्तीफा दे दिया है। नए सीईओ की नियुक्ति तक कंपनी के एमडी राहुल भाटिया अंतरिम तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी ने बताया कि पीटर का इस्तीफा 10 मार्च 2026 से प्रभावी हो गया है। कंपनी के बोर्ड ने पीटर एल्बर्स के योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इंडिगो ने कहा है कि नए सीईओ की नियुक्ति जल्द किए जाने की उम्मीद है। बोर्ड के चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने कहा कि राहुल भाटिया कंपनी की कार्य संस्कृति को और मजबूत करेंगे और ग्राहकों को बेहतर सेवा देने की दिशा में काम जारी रखेंगे।

अरूप चटर्जी ने केंद्र के चार लेबर कोड का किया विरोध, औद्योगिक नीति पर सरकार को घेरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान विधायक अरूप चटर्जी ने मजदूरों के हितों, श्रम कानूनों और राज्य की औद्योगिक स्थिति से जुड़े कई मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि मजदूरों के अधिकारों की अनदेखी हो रही है और श्रम कानूनों का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है।

अरूप चटर्जी ने केंद्र सरकार के चार लेबर कोड का विरोध करते हुए कहा कि इसे राज्य में लागू करने से पहले सभी केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के साथ विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। कहा कि मजदूरों से जुड़े इतने महत्वपूर्ण फैसलों में श्रमिक संगठनों की राय लेना जरूरी है।

निरसा विधायक ने श्रम विभाग के अधीन विभिन्न समितियों के पुनर्गठन की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि स्टेट लेबर एडवाइजरी बोर्ड और झारखंड बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड जैसी समितियां लंबे समय से पुनर्गठित नहीं की गई हैं। उन्होंने इन समितियों में अधिक से अधिक ट्रेड यूनियनों को प्रतिनिधित्व देने की बात कही। साथ ही उन्होंने ट्रेड यूनियनों के पंजीकरण में होने वाली देरी और जटिल प्रक्रिया पर भी नाराजगी जताई।अरूप चटर्जी ने मजदूरों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कई उद्योगों में न्यूनतम मजदूरी, पहचान पत्र और ईएसआई जैसी बुनियादी सुविधाओं का पालन नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा कि जहां मजदूरों को लगभग 470 रुपये मिलना चाहिए, वहां उन्हें केवल 290 रुपये दिए जा रहे हैं और इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। यह भी कहा कि श्रम विभाग के अधिकारियों और मंत्री को नियमित रूप से उद्योगों का औचक निरीक्षण करना चाहिए। उनके अनुसार कम से कम महीने में एक बार निरीक्षण होने से श्रम कानूनों का पालन सुनिश्चित किया जा सकता है।

कैबिनेट : चीन समेत पड़ोसी देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील

8.8 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को भी दी गई हरी झंडी

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, चीन सहित भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को आसान बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस बहुप्रतीक्षित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत का चीन के साथ व्यापारिक घाटा लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस अहम फैसले के तहत सरकार ने 2020 में जारी 'प्रेस नोट 3' के प्रावधानों में ढील दी है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए यह सख्त नियम लागू किया गया था। पुराने नियमों के अनुसार, भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों- चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान- से आने वाले किसी भी निवेश के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी। गौरतलब है कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में भारी तनाव आ गया था।

रेलवे ने पश्चिम बंगाल व झारखंड में 192 किमी नेटवर्क विस्तार को दी मंजूरी

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने मंगलवार को रेल मंत्रालय की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनकी कुल अनुमानित लागत 4,474 करोड़ रुपये है और इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में संवाददाता सम्मेलन में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्वीकृत परियोजनाओं में सैंथिया-पाकुड़ चौथी लाइन (81 किमी) तथा संतरागाछी-खड़गपुर चौथी लाइन (111 किमी) शामिल हैं। इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे की मौजूदा नेटवर्क क्षमता में लगभग 192 किलोमीटर की वृद्धि होगी। दोनों परियोजनाएं पश्चिम बंगाल और झारखंड के कुल पांच जिलों को कवर करेंगी। इससे लगभग 5,652 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जहां करीब 1.47 करोड़ की आबादी निवास करती है। इन परियोजनाओं से बोलपुर-शांतिनिकेतन, नंदिकेश्वरी मंदिर (शक्तिपीठ), तारापीठ (शक्तिपीठ), पटचित्र ग्राम, धादिका वन, भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य और रामेश्वर कुंड जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों की रेल कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में असम को मिल रही नई रेल शक्ति हर कोने को जोड़कर पूर्वोत्तर को सशक्त बनाने का संकल्प

एजेंसी

मालीगांव : दशकों तक असम सहित पूर्वोत्तर भारत में रेलवे की कहानी, सीमित कनेक्टिविटी और धीमी प्रगति बयां करती थी। कठिन भौगोलिक परिस्थितियां, सीमित निवेश और अधूरी परियोजनाएं इस क्षेत्र के विकास में बाधा बनती रहीं। हालांकि अब यह स्थिति बदल चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में असम और पूरा पूर्वोत्तर आज भारत की रेल क्रांति के केंद्र में है, जहां आधुनिक कनेक्टिविटी, सुरक्षा और आर्थिक अवसरों के नए द्वार खुल रहे हैं।

इस परिवर्तन की सबसे स्पष्ट झलक बजट में दिखती है। 2009-14 के दौरान असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए रेलवे में औसत वार्षिक बजट आवंटन लगभग 2,122 करोड़ रुपए था, जो 2026-27 में बढ़कर 11,486 करोड़ रुपए हो गया है यानी लगभग पांच गुना वृद्धि। यह सिर्फ बजट में वृद्धि नहीं है, बल्कि इस क्षेत्र के विकास के प्रति केंद्र सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है। यह उल्लेखनीय निवेश असम और पूर्वोत्तर में व्यापक रेल परिवर्तन को गति दे रहा है। वर्तमान में 72,468 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाएं विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं, जिनमें नई रेल लाइनों का निर्माण, स्टेशन आधुनिकीकरण और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के 60 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। लगभग 2,101 करोड़ रुपए की लागत से इन स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, जिनमें बेहतर यात्री सुविधाएँ, सुगम पहुंच, आधुनिक डिजाइन और डिजिटल सेवाएं शामिल हैं। इनमें से हयबरगांव स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पहले ही पूरा हो चुका है।

रेल नेटवर्क का विस्तार भी तेज गति से हो रहा है। 2014 के बाद से असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग 1,900 किलोमीटर नई रेल लाइनें बनाई गई हैं। यह विस्तार श्रीलंका के पूरे रेल नेटवर्क से भी अधिक है। इसके साथ ही रेलवे विद्युतीकरण में भी अभूतपूर्व प्रगति हुई है। अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा और मिजोरम जैसे राज्य 100 प्रतिशत विद्युतीकृत हो चुके हैं। असम भी शीघ्र पूर्ण विद्युतीकृत हो जाएगा। सुरक्षित और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, 502 रेल फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए गए हैं, जिससे लेवल क्रॉसिंग से जुड़ी परेशानियां कम हुई हैं और यात्रियों एवं गाड़ियों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हुई है। रेलवे संरक्षा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत का स्वदेशी 'कवच' ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम असम और पूर्वोत्तर में लागू किया जा रहा है।

दिल्ली-जयपुर हाईवे हादसे में 7 मजदूरों की मौत, झारखंड के 2 शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : हरियाणा के भिवाड़ी स्थित दिल्ली-जयपुर हाईवे पर हुए भीषण हादसे में सात मजदूरों की मौत हो गई, जिनमें झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड के दो युवक भी शामिल हैं। मृतकों में पोटका थाना क्षेत्र के पोहीत गांव निवासी भागीरथ गोप और संजीव गोप शामिल हैं। हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दोनों युवक परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कुछ समय पहले ही हरियाणा मजदूरी करने गए थे।

जानकारी के अनुसार, सोमवार रात भिवाड़ी के कापड़ियावास इलाके में सिग्नेचर ग्लोबल सोसाइटी की निमार्णाधीन साइट पर खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी धंस गई और वहां काम कर रहे कई मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में कुल सात मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पोटका के पोहीत गांव में जैसे ही भागीरथ गोप और संजीव गोप की मौत की सूचना पहुंची, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। दोनों युवकों के घरों में मातम पसरा हुआ है। स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण शोकाकुल परिवारों को ढांढस बंधाने उनके घर पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मृतकों के पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक गांव लाने की व्यवस्था की जाए और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए।

एक नजर

स्केटिंग से वैष्णो देवी धाम की यात्रा पर निकले दो युवा

कोडरमा :डोमचांच प्रखंड के तेतरियाडीह गांव निवासी सागर कुमार (पिताझ दशरथ मेहता) और रंजन कुमार (पिताझ देवनारायण मेहता) मंगलवार को दुर्गा मंदिर से माँ दुर्गा का आशीर्वाद लेकर स्केटिंग के माध्यम से माँ वैष्णो देवी धाम की यात्रा पर रवाना हुए। दोनों युवा लगभग 2500 किलोमीटर की यात्रा स्केटिंग करते हुए तय करेंगे, जो करीब 40 से 45 दिनों में पूरी करने का लक्ष्य है। यात्रा के दौरान दोनों पहले काशी विश्वनाथ, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा-वृंदावन और खाटू श्याम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में दर्शन करते हुए आगे बढ़ेंगे और अंत में माँ वैष्णो देवी के दरबार पहुंचेंगे। इस पहल का उद्देश्य सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करना और युवाओं को प्रेरित करना बताया गया।

300 सहायक उपकरणों का वितरण

जयनगर : भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत जयनगर प्रखंड के पूर्वी पंचायत सभागार में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के बीच नि:शुल्क सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम एलिमको (अछक्टउड) संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 300 उपकरण लाभुकों को दिए गए।कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया कौसर खान ने की और संचालन अरमान खान ने किया।

श्री श्री 1008 एकादशी उद्यापन यज्ञ का आयोजन

जयनगर : प्रखंड के दलदलिया गांव में मसो जागेश्वरी देवी के द्वारा श्री श्री 1008 एकादशी उद्यापन यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। यज्ञ के मुख्य पुजारी श्याम सुंदर यादव हैं। कलश यात्रा का शुभारंभ श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सुखदेव दास जी महाराज, ध्वजाधारी धाम कोडरमा के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि एकादशी यज्ञ को सबसे बड़ा यज्ञ माना जाता है, जिसे प्राचीन काल में ऋषि-मुनि और देवताओं द्वारा भी किया गया है। यज्ञ में यज्ञाचार्य श्री चक्रनारायणाचार्य जी महाराज भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष निर्मला देवी, जिला परिषद सदस्य केदारनाथ यादव, प्रतिनिधि देवनारायण यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष गणपत यादव, मुखिया रामेश्वर यादव, पूर्व मुखिया रामचंद्र यादव, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि भोला यादव, पंचायत समिति सदस्य धानेश्वर राणा, बाजो दास, प्रभु चंद्र यादव, सुखदेव यादव, सहदेव यादव, बालेश्वर यादव, सकलदेव राम, कुंदन कुमार यादव, रामेश्वर यादव, विजय यादव, सुजीत कुमार और नीतीश कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पिपचो निवासी सुनील कुमार यादव ने किया।

चंदवारा में मौत की जय जय क्लीनिक का बदला चोला
नोटिस के बाद भी जारी है जानलेवा खेल

प्रशासनिक तंत्र को खुला चैलेंज

जय-जय क्लीनिक चंदवारा का नया पैंतरा: डेंटल लाइफ के बोर्ड के पीछे लकवा और बुखार का अवैध इलाज स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई बनी मजाक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : चंदवारा में कानून और स्वास्थ्य विभाग के आदेशों की धज्जियां कैसे उड़ाई जाती हैं, इसका जीता-जागता उदाहरण लोधनी पेट्रोल पंप (फोरलेन) के पास स्थित जय-जय क्लीनिक है। विभाग द्वारा कुछ माह पूर्व शटडाउन का नोटिस मिलने के बाद संचालक ने बंद करने के बजाय जालसाजी का नया रास्ता चुन लिया है।

नाम बदला पर मौत का व्यापार वही

कार्रवाई के खौफ से बचने के लिए संचालक ने रातों-रात 'जय-जय क्लीनिक' का बोर्ड हटाकर वहां 'डेंटल क्लीनिक' का मुखौटा पहन लिया है। लेकिन सूत्रों का दावा है कि इस बोर्ड के पीछे का सच बेहद खौफनाक है। दांतों के इलाज के नाम पर यहाँ लकवा, गंभीर सर्दी-खांसी और तेज बुखार जैसे रोगों का इलाज बिना किसी वैध डॉक्टरी डिग्री के किया जा रहा है।

अवैध मिनी अस्पताल बेड और दवाइयों का काला कारोबार

हैरानी की बात यह है कि इस कथित डेंटल क्लीनिक के भीतर बाकायदा मरीजों के लिए बेड बिछाए गए हैं और एक अवैध दवा काउंटर भी संचालित है। बिना किसी विशेषज्ञता या मेडिकल ज्ञान के, भोली-भाली जनता को मौत के मुँह में धकेला जा रहा है। संचालक द्वारा इलाज के नाम पर गरीब ग्रामीणों से मोटी रकम की अवैध वसूली की जा रही है।

प्रशासन मौन क्यों

यह मामला न केवल एक संचालक की दुस्साहस को दशार्ता है, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर भी कालिख पोतता है: जब विभाग ने जय जय क्लीनिक बंद करने का नोटिस दिया था, तो इसका पुन: संचालन किसकी शह पर हो रहा है

तीखे सवाल

क्या विभाग का नोटिस सिर्फ कागजी खानापूर्ति और वसूली का जरिया भर है

बिना डिग्री के (बेड) सुविधा देने और मरीजों को इंजेक्शन लगाने की हिम्मत इस झोलाछाप संचालक को कहाँ से मिली

जनता की जान से खिलवाड़ कब तक

चंदवारा की जनता पूछ रही है कि क्या किसी बड़ी अनहोनी या किसी की मौत के बाद ही कुंभकर्णी नींद में सोया प्रशासन जागेगा अगर समय रहते इस 'जालसाजी के केंद्र' पर ताला नहीं जड़ा गया, तो स्थिति विस्-फोटक हो सकती है।

अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस सख्त, अपराध गोष्ठी में दिए निर्देश

जनता से सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पुलिस अधीक्षक अजय कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के सभी थाना और ओपी प्रभारियों को कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा आम जनता के साथ बेहतर व्यवहार करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से कहा कि थाना में आने वाले लोगों के साथ पुलिसकर्मियों को सौहार्दपूर्ण व्यवहार करना चाहिए और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए। यदि किसी पुलिस पदाधिकारी या कर्मी द्वारा आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान फायरिंग, आगजनी, तोड़फोड़, विस्फोट, संपत्ति से जुड़े अपराधों तथा महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना और ओपी प्रभारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों में जल्द कार्रवाई करते हुए उनका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। साथ ही एंटी क्राइम चेकिंग को समय-समय पर बदलते हुए नियमित रूप से चलाने और उसकी प्रविष्टि रक्षक एप में दर्ज करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में यह भी बताया गया कि इंटरनेट के माध्यम से व्यवसायियों और अन्य लोगों को धमकी देने के मामले में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस निरीक्षकों को विशेष मामलों की समीक्षा कर अनुसंधानकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश देने और समय-समय पर कार्रवाई की प्रगति की जांच करने को कहा गया। न्यायालय द्वारा जारी वारंट और कुर्की का समय पर निष्पादन करने तथा एफएसएल से जुड़े लंबित मामलों में आवश्यक पत्राचार कर प्रक्रिया को तेज करने के भी निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक ने सीसीटीएनएस के तहत सभी आवश्यक फॉर्म को अद्यतन रखने, जेल में बंद अपराधियों से पूछताछ करने तथा बड़े व्यवसायियों और गणमान्य लोगों से बातचीत कर थाना क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रेरित करने को कहा। गंभीर मामलों में राज्य से बाहर रहने वाले आरोपियों का पता सत्यापित करने और जेल से बाहर आए अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के भी निर्देश दिए गए। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया कि रात के समय यदि कोई महिला, बच्चा या बुजुर्ग अकेला दिखाई दे तो उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करते हुए सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाए। इसके अलावा महिला उत्पीड़न के मामलों का दो माह के भीतर निष्पादन, सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाने, हिट एंड रन मामलों के पीड़ितों को समय पर मुआवजा दिलाने और डायल 112 पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निपटारा करने को कहा गया।

रजरप्पा सिद्ध पीठ में श्रद्धालुओं से मारपीट की घटना पर नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकाकाना (रामगढ़): रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका के प्रसिद्ध सिद्ध पीठ मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ पुलिस द्वारा कथित रूप से मारपीट किए जाने की घटना को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। इस मामले में बरकाकाना ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सुरेंद्र पांडे ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए घटना को बेहद शर्मनाक और निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि आस्था के इस पवित्र स्थल पर दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ इस प्रकार का व्यवहार किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

सुरेंद्र पांडे ने कहा कि रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका का सिद्ध पीठ झारखंड ही नहीं बल्कि देश के कई राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचकर माता के दरबार में पूजा-अर्चना करते हैं और अपनी मनोकामनाएं व्यक्त करते हैं। ऐसे पवित्र स्थल पर यदि श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार या मारपीट की घटनाएं सामने आती हैं तो इससे लोगों की धार्मिक भावनाएं गहराई से आहत होती हैं।

बरकाकाना ब्राह्मण समाज अध्यक्ष ने कहा-बाहर से आने वाले भक्तों के साथ दुर्व्यवहार किसी हाल में स्वीकार्य नहीं।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बाहर से आने वाले श्रद्धालु पूरे विश्वास और श्रद्धा के साथ रजरप्पा मंदिर पहुंचते हैं। ऐसे में उनके साथ किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार या मारपीट की शिकायत सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में किसी भी श्रद्धालु के साथ इस प्रकार की घटना दोबारा न हो।

रामनवमी महोत्सव को लेकर झुमरी तिलैया ब्लॉक मैदान का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आगामी रामनवमी महोत्सव को ऐतिहासिक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए रामनवमी पूजा महासमिति ने कमर कस ली है। मंगलवार प्रातः महासमिति के अध्यक्ष संतोष यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों और सदस्यों ने ब्लॉक मैदान पहुँचकर आयोजन स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

निरीक्षण के दौरान समिति के सदस्यों ने मैदान की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए स्थान चिन्हित किए। मुख्य मंच का निर्माण और प्रशासनिक अधिकारियों के बैठने के लिए सुरक्षित स्थान का चयन, महोत्सव के दौरान खिलाड़ियों के लिए मैदान की उपलब्धता सुनिश्चित करना, दर्शनार्थियों के बैठने की व्यवस्था और पूरे मैदान में दूधिया रोशनी (लाइटिंग) के पुख्ता इंतजाम इत्यादि का चयन पर चर्चा की गई

अनुशासन और भव्यता पर जोर

महासमिति के अध्यक्ष संतोष यादव ने कहा कि इस वर्ष का रामनवमी पर्व न केवल भव्य होगा, बल्कि पूर्णतः अनुशासित और ऐतिहासिक भी होगा। निरीक्षण दल में शामिल विक्की यादव, मिलन शाहबादी, चंदन चक्रवर्ती और विशाल भदानी सहित अन्य सदस्यों ने संकल्प लिया कि आयोजन में आने वाले किसी भी श्रद्धालु को असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

बंद पड़े पत्थर खदानों की घेराबंदी कराए सरकार- डॉ नीरा

- डोमचांच में दर्ज प्राथमिकी वापस लेने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के डोमचांच इलाके में बंद पड़े पत्थर खदानों में पानी भरा हुआ है। बंद पड़े खदानों के कारण कई हादसे हुए हैं और लोगों की जान गयी है। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने विधानसभा में इस मामले को रखते हुए खदानों का पटवन में उपयोग करने, घेराबंदी करने या फिर खदान को भर दिए जाने की मांग की है। उन्होंने शून्यकाल में कहा कि आए दिन इन खदानों में डूबने से लोगों की मौत हो रही है। काराखूट गांव में 28 फरवरी 2026 को एक महिला की मौत हो गई। मृतका संगीता देवी कपड़े धोने खदान के पास गई थीं। इसी दौरान महिला का पैर फिसल गया और वह पानी भरे गहरे खदान में गिर गईं। पानी बहुत गहरा होने की वजह से वह बाहर नहीं निकल सकीं और तीन दिन बाद महिला का शव निकाला जा सका। 2024 में डोमचांच थाना क्षेत्र के कुदरा श्मशान घाट के समीप बंद पड़े पत्थर खदान में डूबे काली मंडा निवासी रविंद्र कुमार मेहता का शव 7 दिन बाद निकाला जा सका था। इसके पहले नवलशाही थाना क्षेत्र के नवलशाही तुरिया टोला स्थित एक बंद पड़े पत्थर खदान में जमे पानी मे रामदेव तुरी की डूबने से मौत हो गयी थी। इसके साथ ही विधायक डॉ नीरा यादव ने डोमचांच में प्रदर्शन और आंदोलन को लेकर दर्ज मामले को भी वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कोडरमा जिले के डोमचांच नगर पंचायत स्थित वार्ड 5 और वार्ड 13 को फिर से ग्राम पंचायत में शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलन और धरना प्रदर्शन हुआ। इस दौरान वहां के तीन सामाजिक कार्यकताओं देवेंद्र कुमार मेहता, शैलेंद्र सिंह और प्रेमांशु कुमार सहित कई अन्य पर प्राथमिकी दर्ज की गई। जबकि लोगों का विरोध अत्यधिक होल्डिंग टैक्स और विकास योजनाओं में भ्रष्टाचार के खिलाफ था। ऐसे में सरकार उक्त प्राथमिकी को वापस लेकर जन भावना के अनुरूप निर्णय ले।

भुरकुंडा में रामनवमी की भव्य तैयारी: 14 मार्च से क्षेत्र में सहयोग अभियान होगा शुरू

दुर्गा मंदिर से एला एंग्लाइज स्कूल तक सजेगा मार्ग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़): आगामी रामनवमी पर्व को लेकर भुरकुंडा क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी सिलसिले में मंगलवार को लक्ष्मी टॉकीज के समीप स्थित हनुमान अखाड़ा मंदिर परिसर में श्री श्री महा रामनवमी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मनोज राम और प्रदीप मांझी ने संयुक्त रूप से की, जबकि संचालन अजय साहू ने किया। बैठक में रामनवमी पर्व को भव्य, आकर्षक और सुव्यवस्थित ढंग से मनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान विशेष रूप से आयोजन की रूपरेखा, क्षेत्र में रोशनी की व्यवस्था तथा सहयोग अभियान को लेकर विचार-विमर्श किया गया। समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि रामनवमी के अवसर पर दुर्गा मंदिर से लेकर एला एंग्लाइज स्कूल तक पूरे मार्ग में आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था समिति के माध्यम से की जाएगी। इस दौरान पूरे इलाके को सजाया जाएगा, ताकि रामनवमी के पावन अवसर पर क्षेत्र में उत्सव और भक्ति का माहौल बन सके और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि रामनवमी आयोजन को सफल बनाने के लिए 14 मार्च 2026 से समिति के सदस्य क्षेत्र में भ्रमण कर सहयोग अभियान चलाएंगे। इसके तहत घर-घर जाकर लोगों से सहयोग लिया जाएगा, ताकि आयोजन को भव्य रूप दिया जा सके। साथ ही यह भी तय किया गया कि समिति के प्रत्येक सदस्य द्वारा न्यूनतम 1100 रुपये का सहयोग दिया जाएगा, जबकि इच्छानुसार सदस्य इससे अधिक राशि भी दे सकेंगे।

इसके अलावा बैठक में रामनवमी के अवसर पर निकलने वाले पारंपरिक मंगला जुलूस को लेकर भी चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने इस वर्ष जुलूस को और अधिक भव्य एवं अनुशासित तरीके से निकालने का संकल्प लिया। मंगला जुलूस के आयोजन को लेकर शंकर यादव की विशेष रूप से सक्रिय उपस्थिति दर्ज की गई और उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग देने की बात कही।

बैठक में मुकेश राउत, वीरेंद्र यादव, राजेंद्र मुंडा, योगेश कुमार दांगी और अमित कुमार साहू सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर रामनवमी पर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाने का संकल्प लिया तथा क्षेत्र के लोगों से भी इस धार्मिक आयोजन में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर युवती से दुष्कर्म का प्रयास ग्रामीणों ने आरोपी को किया पुलिस के हवाले

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चितरपुर (रामगढ़) : जिले के गोला अंचल क्षेत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से युवती को झांसा देकर सुनसान स्थान पर ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला सामने आया है। घटना बरलंगा थाना क्षेत्र के घसियागढ़ा के पास की बताई जा रही है। युवती के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आरोपी युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रांची जिले के अनगड़ा थाना क्षेत्र के अंबाझरिया की रहने वाली एक युवती पढ़ाई के सिलसिले में हॉस्टल में रहती है। कुछ समय पहले उसकी पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से एक युवक से हुई थी। युवक ने सोशल मीडिया पर राकेश कुमार नाम से फर्जी आईडी बनाकर युवती से संपर्क किया और धीरे-धीरे बातचीत बढ़ाते हुए उसका विश्वास जीत लिया।

बताया जाता है कि आरोपी युवक ने युवती को मिलने के लिए सिल्ली बुलाया था। युवती उसके झांसे में आकर वहां पहुंच गई। इसके बाद युवक उसे बहला-फुसलाकर बरलंगा थाना क्षेत्र के घसियागढ़ा के समीप स्थित अपनी पंचर दुकान पर ले गया। आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद युवक ने युवती के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की और दुष्कर्म का प्रयास किया। इस दौरान युवती ने हिम्मत दिखाते हुए जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। उसकी आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थिति को समझते ही ग्रामीणों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और पुलिस को इसकी सूचना दी। बाद में ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज की तीन छात्राओं ने नेशनल वेल्डिंग लीग फॉर वूमेन 2026 में लिया हिस्सा

भुरकुंडा (रामगढ़): पतरातु स्थित ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज की छात्राओं ने तकनीकी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। कॉलेज से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी तीन छात्राएं—नैंसी उरांव, नंदनी कुमारी और तनु कुमारी—ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित नेशनल वेल्डिंग लीग फॉर वूमेन 2026 में हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन फ्रोनियस इंडिया और सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 6, 7 और 8 मार्च को किया गया। देशभर से आई महिला प्रतिभागियों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में वेल्डिंग तकनीक से जुड़ी कौशल और दक्षता का प्रदर्शन किया गया।

सुरक्षा रैली और सामूहिक टूल बॉक्स टॉक का आयोजन

कोडरमा : 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह के तत्वावधान में, जो 4 से 10 अप्रैल 2026 तक पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है, आज औद्योगिक परिसर में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित कार्य पद्धतियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक विशाल सुरक्षा रैली एवं सामूहिक टूल बॉक्स टॉक का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमन ज्योति, महाप्रबंधक रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कर्मियों का उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यस्थल पर 'जीरो टॉलरेंस' सुरक्षा नीति और आधुनिक सुरक्षा मानकों को अपनाने पर जोर दिया।टीम वर्क और समन्वय कार्यक्रम का कुशल संचालन और सफल समन्वयन लक्ष्मी कांत मंडल, उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) एवं उनकी समर्पित सुरक्षा टीम द्वारा किया गया। टीम ने रैली के माध्यम से सुरक्षा संदेशों को कर्मचारियों तक पहुँचाने और टीबीटी के दौरान कार्यस्थल के खतरों से बचाव के व्यावहारिक गुर सिखाए।

ऊंचाई से गिरकर मौत से जूझ रहा मजदूर, गंभीर हालत में मेदांता रेफर; सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

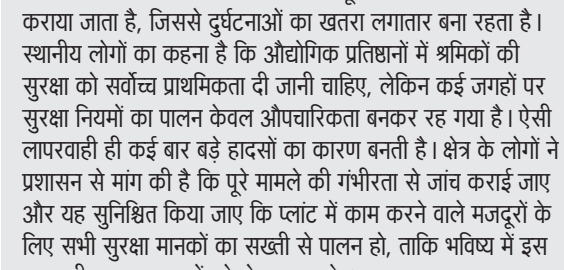

कुजू (रामगढ़): कुजू क्षेत्र स्थित श्रीराम पावर एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड प्लांट में मंगलवार को काम के दौरान हुए एक गंभीर हादसे ने औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। प्लांट में कार्यरत एक मजदूर ऊंचाई से गिरकर बुरी तरह घायल हो गया, जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है और वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार घायल मजदूर की पहचान विकास चौहान के रूप में हुई है, जो ठेकेदार राज चौहान के अधीन प्लांट में कार्यरत था। बताया जाता है कि वह प्लांट परिसर में ऊंचाई पर चल रहे कार्य में लगा हुआ था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह ऊंचाई से नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद मजदूरों के बीच हड़कंप मच गया और प्लांट परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही प्लांट प्रबंधन ने आनन-फानन में एंबुलेंस की व्यवस्था कर घायल मजदूर को रामगढ़ के होप अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए मेदांता अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार मजदूर को सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। इस घटना के बाद प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मजदूरों और स्थानीय लोगों के बीच नाराजगी और चर्चा तेज हो गई है। कई मजदूरों का कहना है कि प्लांट में ऊंचाई पर काम करने के बावजूद कई बार पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जाते। सुरक्षा बेल्ट, हेलमेट और अन्य आवश्यक उपकरणों की कमी के बीच मजदूरों से जोखिम भरा कार्य कराया जाता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि औद्योगिक प्रतिष्ठानों में श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, लेकिन कई जगहों पर सुरक्षा नियमों का पालन केवल औपचारिकता बनकर रह गया है। ऐसी लापरवाही ही कई बार बड़े हादसों का कारण बनती है। क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्लांट में काम करने वाले मजदूरों के लिए सभी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन हो, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

एक नजर

सेना के जवान ने की खुदकुशी

रांची : राजधानी के धुर्वा थाना क्षेत्र के स्मार्ट सिटी में एक सेना के जवान के खुदकुशी करने का मामला सोमवार को प्रकाश में आया है। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। घटनास्थल से एक बाइक भी बरामद की गई है। मृत युवक की पहचान जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र निवासी अमन कुमार के रूप में हुई है। वह सेना का जवान था और दिल्ली में पोस्टेड था। वहीं, मृतक के पिता प्रमोद कुमार और पत्नी ने हत्या कर खुदकुशी दिखाने का आरोप लगाया है। धुर्वा थाना प्रभारी विमल किंडो ने बताया कि अमन यादव ने किस वजह से खुदकुशी की है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच पूरी होने के बाद ही सही कारण का पता चल पायेगा। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

झारखंड के तीन विश्वविद्यालयों में नये कुलपति नियुक्त

रांची : झारखंड के तीन विश्वविद्यालयों में नये कुलपतियों की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में मंगलवार को राजभवन की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई। जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रोफेसर राजीव मनोहर को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। इसी तरह डॉ.एला कुमार को जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया है। वह फिलहाल इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वीमेन (आईजीडीटीयूडब्ल्यू), दिल्ली में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। वहीं अभय कुमार सिंह को झारखंड राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (जेएसओयू), रांची का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे वर्तमान में नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर (बिहार) में प्रोफेसर एवं डीन के पद पर कार्यरत हैं। अधिसूचना के अनुसार, तीनों कुलपति पदभार ग्रहण करने की तिथि से अधिकतम तीन वर्ष की अवधि तक या कुलाधिपति की इच्छा के अनुसार अपने पद पर कार्य करेंगे।

भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का सरकार पर लगाया आरोप

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है, भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि यह सरकार संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का सुनियोजित षड्यंत्र कर रही है। झारखंड हाई कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद भी सरकार लोकायुक्त, सूचना आयोग, महिला आयोग और बाल संरक्षण आयोग जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर नियुक्ति करने में लगातार टालमटोल कर रही है। यह न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति सरकार की असंवेदनशीलता को भी दर्शाता है। प्रतुल शाह देव ने कहा कि इन संस्थाओं को चलाने के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपये का खर्च किया जा रहा है, लेकिन पद रिक्त रहने के कारण जनता को इनका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। कार्यालय, भवन, कर्मचारी और अन्य व्यवस्थाओं पर जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा खर्च हो रहा है, लेकिन न्याय और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाली संस्थाएं पूरी तरह निष्क्रिय पड़ी हैं।

श्री हनुमान मंडल का 48वां वार्षिकोत्सव 29 मार्च को

रांची : धार्मिक और सामाजिक संस्था श्री हनुमान मंडल का एक दिवसीय 48वां वार्षिक महोत्सव 29 मार्च को मनाया जाएगा। यह महोत्सव श्री राणी सती मंदिर परिसर रातू रोड के हनुमान बक्स पोद्दार सत्संग भवन के सभागार में धूमधाम से मनाया जाएगा।

झारखंड विधानसभा में मैक्लुस्कीगंज मुद्दे पर सत्ता पक्ष-विपक्ष में हुआ जोरदार बहस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दसवें दिन मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हल्की बहस देखने को मिली। मामला मैक्लुस्कीगंज को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और क्षेत्र में ईंट-भट्टों तथा क्रेशरों से हो रहे प्रदूषण से जुड़ा था। सदन में यह मुद्दा विधायक प्रकाश राम ने उठाया। उन्होंने सरकार से पूछा कि ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध मैक्लुस्कीगंज को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में चल रहे ईंट-भट्टों और क्रेशर से फैल रहे प्रदूषण पर भी चिंता जताई।

इस पर खान विभाग के मंत्री योगेंद्र महतो ने जवाब देते हुए कहा कि मैक्लुस्कीगंज को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विषय उनके विभाग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मामला अन्य विभागों से जुड़ा हुआ है, जबकि खान विभाग केवल क्रेशर और ईंट-भट्टों से संबंधित मामलों पर ही जवाब दे सकता है।

मंत्री के जवाब पर विधायक प्रदीप यादव ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सदस्यों के सवाल जिस विभाग से संबंधित हों, उन्हें सही विभाग तक पहुंचाने की जिम्मेदारी विधानसभा सचिवालय की होनी चाहिए, ताकि सदन में स्पष्ट और सटीक जवाब मिल सके।

इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्रियों को सदन में आने से पहले पूछे गए सवालों को लेकर पूरा होमवर्क करके आना चाहिए। इससे सदस्यों को स्पष्ट जानकारी मिलती है और सदन की कार्यवाही भी सुचारु रूप से चलती है। सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकार के सभी मंत्री पूरी जिम्मेदारी के साथ सदन में आते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इस प्रश्न को पर्यटन विभाग को भेजा जा सकता है और इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया जा सकता है, ताकि संबंधित विभाग इस पर विस्तृत जवाब दे सके।

सुदीप गुड़िया ने विधानसभा में उठाया जंगली हाथियों के आतंक का मुद्दा

रांची : झारखंड विधानसभा में मंगलवार को शून्यकाल के दौरान तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने सदन में तोरपा क्षेत्र अंतर्गत बानो प्रखंड सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली हाथियों के बढ़ते आतंक का मामला प्रमुखता से उठाया। विधायक ने सदन को बताया कि इन दिनों बानो प्रखंड एवं आसपास के कई गांवों में जंगली हाथियों का झुंड लगातार उत्पात मचा रहा है। हाथियों द्वारा किसानों की फसलों, घरों तथा अन्य संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस वजह से ग्रामीणों के सामने आजीविका के साथ-साथ सुरक्षा की भी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। कई गांवों में लोग भय के माहौल में जीवनयापन करने को मजबूर हैं। उन्होंने राज्य सरकार और वन विभाग का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकृष्ट करते हुए मांग की कि प्रभावित गांवों के ग्रामीणों को हाथियों से बचाव के लिए तत्काल मशाल, टॉर्च एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही जिन किसानों और ग्रामीणों की फसल, घर या संपत्ति को नुकसान हुआ है, उन्हें जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिया जाए।

रांची सिविल कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची सिविल कोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। ई-मेल के जरिए मिली इस धमकी के बाद रांची पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई और अदालत परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार इस बार धमकी में साइनाइड बम से अदालत को उड़ाने की बात कही गई है। मेल में यह भी दावा किया गया कि अदालत परिसर में 14 बम लगाए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और पूरे परिसर की गहन जांच की गई।

कोतवाली पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) प्रकाश सोय ने मंगलवार को बताया कि बम निरोधक दस्ते की टीम द्वारा पूरे अदालत परिसर की बारीकी से जांच कराई गई, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है और धमकी देने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी 6 फरवरी और 28 फरवरी को रांची सिविल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। इसके अलावा समाहरणालय भवन और पासपोर्ट कार्यालय को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। हालांकि हर बार जांच के दौरान पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी।

पुलिस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए ई-मेल के स्रोत का पता लगाने और जिम्मेदार लोगों की पहचान के लिए तकनीकी जांच कर रही है।

झारखंड में मनरेगा कर्मियों की हड़ताल के दूसरे दिन जिला मुख्यालयों में किया गया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के आह्वान पर लंबित मांगों के समर्थन में चल रही तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के दूसरा दिन मंगलवार को संपन्न हो गया। इस दौरान राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में मनरेगा कर्मियों ने शांतिपूर्ण एवं संगठित तरीके से धरना-प्रदर्शन किया।

धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्राम रोजगार सेवक, कनीय अभियंता, लेखा सहायक, कम्प्यूटर सहायक, सहायक अभियंता और प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सहित मनरेगा से जुड़े अन्य कर्मियों ने भाग लिया और अपनी एकजुटता का परिचय दिया।

धरना को संबोधित करते हुए संघ के पदाधिकारियों और कर्मियों ने कहा कि पिछले छह माह से अधिक समय से मानदेय भुगतान लंबित है। साथ ही नियमितीकरण नीति के अभाव, राज्य मनरेगा कोषांग में कार्यरत पदाधिकारियों के समरूप वेतन संरचना लागू नहीं होने और समुचित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के अभाव के कारण मनरेगा कर्मियों को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद कर्मी दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में लगातार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।

वक्ताओं ने कहा कि यह आंदोलन किसी टकराव की भावना से नहीं बल्कि अपने न्यायसंगत अधिकारों की प्राप्ति के लिए लोकतांत्रिक तरीके से किया जा रहा है। संघ ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि मनरेगा कर्मियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द सकारात्मक पहल की जाए और लंबित मुद्दों का समाधान किया जाए।

7 वर्ष कानूनी लड़ाई लड़कर डॉ मनोज कच्छप बने आरयू के अस्सिटेंट प्रोफेसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा 2018 में बैकलॉग व नियमित असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकाला गया था। जिसमें नागपुरी विषय के अभ्यर्थी डॉ.मनोज कच्छप ने भी आवेदन किया था। डॉ मनोज कच्छप ने बताया कि फरवरी 2020 में नागपुरी विषय का एकेडेमिक मार्क्स निकाला गया। जिसमें नागपुरी विषय के अभ्यर्थी डॉ। मनोज कच्छप को सबसे ज्यादा मार्क्स 85 में 72.10 दिया गया। 23 नवंबर 2021 को नागपुरी विषय का साक्षात्कार सूची जारी किया गया।

लेकिन अत्यधिक मार्क्स, गोल्ड मेडलिस्ट, नेट जेआरएफ शिक्षण अनुभव होते हुए भी अभ्यर्थी का नाम सूची में शामिल नहीं किया गया। इसके बाद अभ्यर्थी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार सूची में शामिल किया गया। जिसमें 15 मार्क्स के साक्षात्कार में उन्हें 9.5 मार्क्स दिया गया। इस प्रकार कुल 100 मार्क्स में से 81.6 मार्क्स प्राप्त हुआ। जो कि नागपुरी विषय में सबसे अधिक अंक था।

हाई कोर्ट के द्वारा 6 मार्च 2024 को अभ्यर्थी के पक्ष में फैसला सुनाया गया। कोर्ट ने चार सप्ताह के भीतर नियुक्ति करने का आदेश दिया। लेकिन जेपीएससी नियुक्ति नहीं कराकर छढअ कर मामले को डबल बेंच में ले गई। फिर हाईकोर्ट के डबल बेंच ने भी अभ्यर्थी के पक्ष में फैसला सुनाया और जेपीएससी को एक लाख का जुमार्ना लगाया। दो सप्ताह के अंदर जॉइनिंग कराने का आदेश दिया।

बिरसा मुंडा चिड़ियाघर में मांस आपूर्ति का टेंडर निकला, वर्तमान सप्लायर फरार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड चिड़ियाघर प्राधिकरण ने भैंस के मांस के लिए टेंडर प्रकाशित किया है। मांस की आपूर्ति बिरसा मुंडा चिड़ियाघर के मांसाहारी जानवरों के लिए की जानी है। इस चिड़ियाघर के लिए प्रति दिन 118.750 किलोग्राम बगैर हड्डी वाला और 30 किलोग्राम हड्डी वाले मांस की जरूरत बतायी गयी है। टेंडर में सफल उम्मीदवार को एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक मांस की आपूर्ति करना होगा।

चिड़ियाघर में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान भैंस के मांस की आपूर्ति करने वाला सप्लायर आजाद बस्ती मांसकांड में फरार चल रहा है। उसने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। लेकिन बाद में इस वापस ले लिया।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में चिड़ियाघर में खालिद रजा नाम के व्यक्ति चिड़ियाघर में मांस सप्लाई करता था। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रकाशित टेंडर में सिर्फ दो ही व्यक्तियों द्वारा टेंडर डालने की वजह से टेंडर रद्द कर दिया गया था। साथ ही खालिद रजा नाम के व्यक्ति से ही मांस की आपूर्ति लेने का फैसला किया गया था। अक्टूबर 2025 में आजाद बस्ती मांस कांड में पुलिस ने उसे अभियुक्त बनाया। इसके बाद से वह पुलिस से बचने के लिए फरार चल रहा है।

डीएसपीएमयू का आंदोलन हुआ उग्र, प्रशासनिक कामकाज व मिड-सेम परीक्षाएं हो रही प्रभावित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में नॉन-टीचिंग कर्मचारियों का आंदोलन अब उग्र हो गया है। पिछले करीब 15 दिनों से चल रहे आंदोलन के बाद कर्मचारियों ने पूरे विश्वविद्यालय में तालाबंदी कर दी है। इससे विश्वविद्यालय का प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्य पूरी तरह ठप हो गया है।

कर्मचारियों की मुख्य मांग एमएससीपी का भुगतान है, जो अप्रैल 2025 से लंबित बताया जा रहा है। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि इस मुद्दे को लेकर वे पिछले एक साल से लगातार पत्राचार और अनुरोध कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

कर्मचारियों ने चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू किया था। 16 फरवरी से 14 दिनों का 'पेन डाउन' आंदोलन शुरू किया गया था और 7 मार्च तक मांगें पूरी करने की समय-सीमा दी गई थी। जब मांगें पूरी नहीं हुईं तो 9 मार्च से विश्वविद्यालय में पूर्ण तालाबंदी कर दी गई।

प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का आरोप है कि कुलपति ने पिछले 10 दिनों से उनसे वार्ता नहीं की है। कर्मचारियों का कहना है कि जिस फाइल पर चर्चा होनी चाहिए थी, कुलपति उस पर बात करने के बजाय केवल 15-20 दिनों का समय देने का आश्वासन देते रहे हैं। कर्मचारियों ने इसे 'अराजकता' करार देते हुए कहा कि प्रशासन नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ा रहा है।

इस तालाबंदी के कारण विश्वविद्यालय का शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य पूरी तरह ठप हो गया है।

छात्रों की चल रही परीक्षाएं इस आंदोलन से काफी प्रभावित हुई हैं। वित्तीय कार्य शिक्षकों का वेतन, इनकम टैक्स का भुगतान और अन्य जरूरी प्रशासनिक कार्य बाधित हो रहे हैं।

हालांकि, कर्मचारियों का दावा है कि छात्र और शिक्षक उनकी मांगों के प्रति सहानुभूति रखते हैं और उनके समर्थन में कक्षाओं से बाहर आ गए।

कर्मचारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह तालाबंदी तब तक जारी रहेगी जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विभाग खाली होने के बाद सुरक्षा कारणों से गार्ड्स द्वारा ताला लगाया गया है और वे चाहते हैं कि कुलपति खुद आकर उनसे बात करें और समाधान निकालें।

संक्षिप्त खबरें

रांची में हल्की बारिश से मौसम सुहाना, 12 मार्च तक गर्जन के साथ बारिश के आसार

रांची : झारखंड की राजधानी रांची सहित आसपास के कई इलाकों में मंगलवार को रिमझिम फुहारों के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण मौसम सुहाना हो गया, हालांकि कुछ देर बाद ही बारिश थम गई और आसमान फिर से साफ हो गया। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी। मौसम विभाग के अनुसार, 12 मार्च तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। इसके बाद 13 मार्च से मौसम साफ होने की उम्मीद है। विभाग ने बताया कि 15 और 16 मार्च को भी राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। 15 मार्च को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा को छोड़कर बाकी जिलों में बारिश होने की संभावना है। वहीं 16 मार्च को भी राज्य के कुछ स्थानों पर हल्के दर्जे की वर्षा हो सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 36.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 17.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में दिनभर बादल छाए रहे और दोपहर बाद हल्की बारिश हुई। राजधानी में अधिकतम तापमान 32.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी प्रकार जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री और न्यूनतम 21.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 35.4 डिग्री और न्यूनतम 21.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 27.1 डिग्री और न्यूनतम 21.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

श्री श्याम मंदिर में 194वां श्री सुंदरकांड व श्री हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 194 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मंदिर के आचार्य ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया, उपाध्यक्ष अशोक लड़िया, रिषभ कुमार, हर्ष कृष्णा, अंकित कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

सेल सुरक्षा संगठन ने उत्साह के साथ मनाया 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

रांची : मंगलवार को सेल सुरक्षा संगठन (एसएसओ) द्वारा 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए कर्मचारियों को सुरक्षा बैज प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ एसएसओ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. रामाकृष्णा द्वारा सुरक्षा ध्वज फहराने के साथ हुआ। इस अवसर पर आरडीसीआईएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस. के. कर, एसडीटीडी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक जैन, कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईटी) एस. पी. दास और सेल की रांची इकाईयों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। 150 से अधिक कर्मचारियों ने सुरक्षा की शपथ ली, जिसे एसएसओ के महाप्रबंधक (सुरक्षा) सुरेश कुमार ने हिंदी में और सीईटी के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस. पी. दास ने अंग्रेजी में दिलाई। इस अवसर पर एसएसओ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. रामाकृष्णा, आरडीसीआईएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस. के. कर और एसडीटीडी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक जैन ने सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एसएसओ के वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा) मुकेश कुमार ने किया, जिन्होंने सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

पुलिस ने 41 पशुओं के साथ चार वाहन किए जब्त

रांची : रांची जिले के ओरमांझी इलाके में पुलिस ने पशु तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। पुलिस ने पशु लदे चार वाहनों को जब्त करते हुए उनमें से 41 पशुओं को बरामद किया है। पुलिस को देर रात गुप्त सूचना मिली थी कि इरबा इलाके से पशु लदे चार वाहन बंगाल की ओर भेजे जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई और मौके पर पहुंचकर वाहनों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही तस्कर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने सभी वाहनों की तलाशी ली, जिसमें 41 पशु पाए गए। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चारों वाहनों को जब्त कर लिया और बरामद किए गए सभी पशुओं को सुरक्षित रूप से गौशाला में रखवा दिया। ओरमांझी थाना प्रभारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पशु लदे चार वाहनों को जब्त किया गया है। सभी पशुओं को गौशाला में सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पशु तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है और जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विपक्ष की भूमिका पर उठते सवाल

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है। यही वह मंच है जहाँ जनता के प्रतिनिधि देश के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करते हैं, सरकार से जवाबदेही मांगते हैं और राष्ट्रीय हित में नीतियों का निर्माण करते हैं। लोकतंत्र में संसद देश की सामूहिक चेतना का प्रतीक भी होती है, यहाँ होने वाली बहसें सरकार की नीतियों को दिशा देती हैं और जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं को भी राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाती हैं। यही कारण है कि संसद से यह अपेक्षा की जाती है कि यहाँ होने वाली हर बहस का केंद्र भारत और उसके नागरिकों की समस्याएँ हों। वस्तुतः हाल ही में संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन जो दृश्य सामने आया, उसने अवश्य आज लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष तथा पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसद में चर्चा की मांग को लेकर इतना हंगामा कर दिया कि लोकसभा की कार्यवाही चल ही नहीं सकी। यह स्थिति तब पैदा हुई जब सरकार की ओर से विदेश मंत्री पहले ही इस विषय पर संसद में विस्तृत जानकारी दे चुके थे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में जनहित का मुद्दा था या फिर राजनीतिक विरोध के लिए संसद को बाधित करने की रणनीति? विदेश मंत्री ने राज्यसभा और लोकसभा दोनों में पश्चिम एशिया की स्थिति पर विस्तार से सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौजूदा संघर्ष भारत के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय काम करते हैं। इसके अलावा भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी काफी हद तक इसी क्षेत्र पर निर्भर है। भारत सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है और अब तक हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया जा चुका है। संबंधित मंत्रालयों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा जा रहा है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि संघर्ष के कारण वैश्विक सप्लाई चेन और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है इसलिए भारत स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि ईरान की मौजूदा परिस्थितियों में नेतृत्व स्तर पर संपर्क करना कठिन हो गया है, किंतु भारत हमेशा शांति, संवाद और कूटनीतिक समाधान का पक्षधर रहा है। जब सरकार इस विषय पर संसद को जानकारी दे चुकी थी, तब भी विपक्ष का लगातार "वी वांट डिस्कशन" के नारे लगाना और सदन की कार्यवाही बाधित करना कई प्रश्नों को जन्म देता है। क्या विपक्ष को यह ज्ञात नहीं कि भारत एक विशाल और जटिल देश है, जहाँ 140 करोड़ से अधिक लोगों की आकांक्षाएँ और समस्याएँ हैं? रोजगार, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता, बुनियादी ढाँचे का विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण और जल संकट जैसे अनेक विषय हैं, जिन पर संसद में गहन और गंभीर चर्चा की आवश्यकता है। यह एक गहन तथ्य है कि भारत की अर्थव्यवस्था आज लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर के आकार तक पहुँच चुकी है और सरकार इसे आने वाले वर्षों में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह लक्ष्य तभी हासिल किया जा सकता है जब उद्योगों में निवेश बढ़े, रोजगार सृजन की गति तेज हो और युवाओं को व्यापक अवसर मिलें। हर वर्ष लगभग एक से सवा करोड़ युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। यदि इतने बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध नहीं हुए तो बेरोजगारी और सामाजिक असंतोष दोनों बढ़ सकते हैं। इसका एक कारण यह भी है कि वर्तमान में देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत को एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ प्रदान करती है, जिसे "डेमोग्राफिक डिविडेंड" कहा जाता है, किंतु इसका लाभ तभी लिया जा सकता है जब युवाओं को पर्याप्त शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। यदि ऐसा नहीं हुआ तो यही जनसांख्यिकीय लाभ भविष्य में चुनौती भी बन सकता है। इसी तरह किसानों की आय, ग्रामीण विकास, शिक्षा व्यवस्था का सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और बुनियादी ढाँचे का विकास जैसे विषय सीधे भारत के भविष्य से जुड़े हुए हैं।

सूडोकु नवताल- 7730

***** कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7729 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारतीय दल ने पराक्रम और कौशल से टी-20 विश्वकप पर अधिकार कर दिखाया

आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय

8 मार्च की तारीख भारतीय क्रिकेट की दृष्टि से देश को गौरवान्वित करने वाली थी और सबकी निगाहें गुजरात के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की पिच पर संध्या 7 बजे स्थिर हो गयी। तमाम अटकलों को खारिज करते हुए, जब भारत ने टी-20 विश्वकप के फाइनल में न्यूजीलैण्ड को एकतरफा से दिख रहे मुकाबले मे 16 रनों से मात देकर भारतीय दल लगातार दूसरी बार विश्वकप को चूमा तब मानो घड़ी भी कुछ देर के लिए ठिठक कर रह गयी थी।

अभिषेक शर्मा की लगातार विफलता को देखते हुए, उन्हें फाइनल मे रखा जाये वा नहीं, इस पर बहुत मन्थन किया गया था; अन्ततः, उन्हें मौका दिया गया और उन्होंने अतीत के पृष्ठों को नजरअन्दाज करते हुए, एक ऐसे पृष्ठ पर अपने पराक्रम और कौशल के हस्ताक्षर कर दिये, जो अमिट हो गया है और स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया है। टी-20 विश्वकप के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि प्रारम्भिक तीनों बैटर अर्द्धशतक बनाये। इतना ही नहीं, पॉवर-प्ले में बिना किसी क्षति के 12 रनों का स्कोर खड़ा करना भी एक कीर्तिमान बन गया है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया जो कुछ हद तक सही नहीं लग रहा था। भारतीय दल ने इस मौके को हाथोंहाथ लिया। जब संजू सैम्सन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन बल्लेबाजी कर रहे थे तब गेंदबाजी बहुत सामान्य स्तर की दिख रही थी। आरम्भ के एक-दो ओवर तक भारतीय बैटरों ने गेंदों के स्वभाव को समझा, उसके बाद उनके तेवर बदले और छक्के-चौके से दर्शकों और श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन होता रहा।

संजू सैम्सन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और शिवम दुबे के बल्ले का कमाल था कि भारतीय दल का स्कोर 250 से पार चला गया था। एक समय वह भी था, जब भारत का स्कोर 300 रन के लगभग दिख रहा था। चारों ने उम्दा प्रदर्शन किये, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आते ही लापरवाही भरा शॉट खेलकर भारत को लगभग 50 रन पीछे खींच लिये; क्योंकि उसके बाद 'आया राम-गया राम' का नजारा दिखता रहा।

16 वें ओवर में 204 की रन संख्या पर भारत के 4 विकेट गिर चुके थे। समझ मे नहीं आ रहा था कि न्यूजीलैण्ड के गेंदबाज नीशम ने भारतीय बैटरों पर कौन-सा जादू कर दिया है, जो अचानक एक-के-बाद-एक तीन विकेट- संजू सैम्सन, ईशान और सूर्यकुमार यादव के गिरते रहे। उसके बाद उसी स्कोर पर डफी की गेंद पर हार्दिक पाण्ड्या का कैच छूटा था। तीनों ने अनावश्यक शॉट लगाये थे। थोड़ा ठहर लेना था क्योंकि रन तो बन ही रहे थे। संजू सैम्सन ने भी अपने पिछले अन्दाज में फाइनल में भी अर्द्धशतकीय पारी (46 गेंदों में 81 रन) खेली थी। अभिषेक ने 21 गेंदों में अर्द्धशतक बनाये थे। ईशान ने भी अर्द्धशतक (25 गेंदों में 54 रन) बनाकर अपनी काबिलियत बता और दिखा दी थी। तीनों की बिन्दास बल्लेबाजी का ही नतीजा था कि भारतीय दल का स्कोर वहाँ तक पहुँच चुका था, जिसकी किसी ने उम्मीद तक नहीं की थी।

हार्दिक को आक्रामक प्रदर्शन करने के लिए पहले ही भेजा गया था; परन्तु वे निष्क्रिय दिखते रहे, जिसका परिणाम रहा कि आखिरी 14 गेंदों में तीन विकेट की क्षति पर मात्र 9 रन बने। जो स्कोर 300० रन तक दिख रहे थे, पूरी तरह से सिकुड़ गये। तीनों के आउट होते ही रनों के लाले पड़ते दिखते रहे। न्यूजीलैण्ड के गेंदबाजों ने 15वें ओवर से रनों पर अंकुश लगा दिये थे। एक समय था, जब भारतीय दल का रन-औसत 15-16 का था। गेंदबाजी में न्यूजीलैण्ड की अप्रत्याशित वापसी दिख रही थी। तीनों को संयमित रहना था; पर बहक गये थे। हेनरी ने हार्दिक को चलता कर दिया था। गेंदबाज यॉर्कर से दूर रहकर गेंदों पर तरह-तरह से अँगुलियाँ फेरते हुए कमाल की गेंदबाजी करते दिख रहे थे। पिछले चार ओवरों (16 से 19) में मात्र 28 रन आये थे।

बारी शिवम दुबे की थी, जिन्होंने आखिरी ओवर में चार गेंदों में 24 रन (दो छक्का और तीन चौका) बनाकर भारत को 255 रनों तक पहुँचा दिया था, जो पिछले चार ओवर पहले बना पाना बहुत मुश्किल दिख रहा था। इस प्रकार शिवम ने मात्र 8 गेंदों में अविजित 26 रन बनाकर अपने होने को सिद्ध कर दिखाया है।

बेशक, भारत ने 255 रनों का स्कोर बनाकर मनोवैज्ञानिक लाभ ले लिया था। न्यू जीलैण्ड की पारी शुरू हो चुकी थी। भारतीय गेंदबाज उनपर प्रभावी दिख रहे थे। भारतीय दल को तब जोरदार झटका लगा था जब अर्शदीप सिंह के पहले ओवर के पाँचवीं गेंद पर शिवम दुबे ने साइफर्ट का एक आसान-सा कैच छोड़ दिया था। साइफर्ट खतरनाक बैटर हैं, जिन्हें जीवनदान का परिणाम था कि साइफर्ट ने हार्दिक पाण्ड्या की गेंद पर लगातार दो छक्के लगा दिये थे। हार्दिक के पहले ओवर में 21 रन बनाकर न्यूजीलैण्ड के बैटरों, विशेषकर साइफर्ट ने अपना इरादा जाहिर कर दिया था। एलन जिस बल्ले से आकर्षक प्रदर्शन कर रहे थे, उसे बदल कर दूसरा बल्ला ले लिया और अक्षर पटेल की अगली ही गेंद पर तिलक वर्मा को कैच थमा बैठे। जो रचिन रवीन्द्र उद्घाटक बैटर के लिए जाने जाते रहे हैं, पहले विकेट गिरने के बाद आये; परन्तु जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर उनका जोरदार कैच लॉंग-ऑन पर खड़े ईशान किशन ने लपक लिया था, यद्यपि गेंद छिटका था तथापि ईशान ने उसे दूसरे प्रयास में जकड़ लिया।

पाँचवें ओवर की पाँचवीं गेंद पर अक्षर पटेल ने खतरनाक दिख रहे फिलिप्स को पैवेलियन का रास्ता दिखा दिया था। 'पॉवर-प्ले' में बड़ी संख्या में रनों का बनना और विकेट बचाये रखना बहुत महत्त्वपूर्ण होता है; परन्तु न्यूजीलैण्ड पॉवर-प्ले में भारत की तुलना में बहुत पीछे दिख रहा था। उसके पॉवर-प्ले में 52 रनों में 3 विकेट गिर चुके थे। साइफर्ट का कैच छोड़ना महँगा रहा; क्योंकि साइफर्ट ने मात्र 23 गेंदों मे 50 रन बना लिये थे। हार्दिक पाण्ड्या बल्लेबाजी में कुछ खास नहीं कर पाये; परन्तु उन्होंने चैपमैन को क्लीन बोल्ड कर दिया था; यद्यपि उनका पहला ओवर बहुत महँगा रहा। अपने पहले ओवर में 15 रन देनेवाले वरुण चक्रवर्ती भी महँगे रहे; परन्तु उन्होंने भी आक्रामक दिख रहे साइफर्ट को ईशान किशन के हाथों कैच कराकर बहुमूल्य विकेट ले लिया था। इस तरह न्यूजीलैण्ड के आधे बैटर 8 ओवरों के खेल में 83 रनों के स्कोर पर पैवेलियन मे पहुँच चुके थे। जब न्यूजीलैण्ड के पाँच विकेट गिर चुके थे तब टीवी स्क्रीन पर महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, कपिल देव और जय शाह के चेहरे दिखाये गये।

ग्यारहवें ओवर की पाँचवीं गेंद पर उस समय अप्रिय दृश्य दिखा, जब डैरिक मिचेल की बल्लेबाजी करते समय उनके शॉट लगाने के बाद अर्शदीप ने ऑफ स्टम्प पर खड़े मिचेल की ओर अनावश्यक रूप से तेजी में गेंद फेंका, जिसे लेकर मिचेल ने अम्पायर से शिकायत की थी, फिर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और अर्शदीप ने मिचेल से हाथ मिलाकर विवाद को शान्त कराया।

जब न्यूजीलैण्ड के महारथी 'आयाराम-गयाराम' की भूमिका में दिख रहे थे तब कप्तान सैण्टनर ने कप्तानी पारी खेली; परन्तु तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

तेरहवाँ ओवर बहुत रोचक था, जिसमें अक्षर की पहले गेंद पर हार्दिक ने डैरिक मिचेल का आसान-सा कैच छोड़ा और दूसरे में एक खराब क्षेत्ररक्षण करके चार रन दे दिये; परन्तु ईशान किशन ने नहीं बख़्शा था। उन्होंने अक्षर की गेंद पर मिचेल के कैच को लपक लिया। अक्षर पटेल की गेंदबाजी शानदार रही, जिन्होंने तीन ओवरों में 27 रन देकर 3 विकेट झटके थे।

इस तरह उन्नीसवें ओवर में न्यूजीलैण्ड के 6 विकेट गिर चुके थे और भारतीय दल अपने देश में पहली बार टी-20 विश्वकप जीतने की ओर अग्रसर दिख रहा था।

सोलहवें ओवर की तीसरी गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने सातवें विकेट के रूप में नीशम को और चौथे गेंद पर मैथ्यू हेनरी को यॉर्क करा कर भारत की जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। वही नीशम थे, जो तीन आक्रामक प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाजों को लगातार आउट करते रहे।

इस प्रकार न्यूजीलैण्ड ने सत्रहवें ओवर में 8 विकेटों पर 146 रन बना लिये थे। उन्नीसवें ओवर में न्यूजीलैण्ड के 9 विकेट गिर चुके थे। अन्ततः न्यूजीलैण्ड उन्नीसवें ओवर में मात्र 159 रनो पर ऑल-आउट हो चुका था और भारत लगातार दो बार विश्वकप जीतनेवाला विश्व का प्रथम देश बन चुका था; मगर अब तीसरी बार (वर्ष 2007, 2024 और 2026) टी-20 विश्वकप जीतकर विश्व का प्रथम देश होने का गौरव अर्जित कर लिया है।

यदि दो आसान कैचों के छोड़ने को अलग करके देखें तो कुल मिलाकर भारतीय खेलाड़ियों का क्षेत्ररक्षण प्रभावकारी था। ईशान किशन का क्षेत्ररक्षण देखते ही बन रहा था। बुमराह की गेंदबाजी कह्र ढा रही थी, जिन्होंने टी-20 विश्वकप में पहली बार 4 विकेट ले लिये थे। उन्होंने मात्र 15 गेंदों में 4 विकेट लेकर भारतीय चौखट पर विश्वकप को सरका दिया था।

उन्नीसवाँ ओवर अभिषेक शर्मा को दिया गया था, जिसे उन्होंने न्यूजीलैण्ड का अन्तिम विकेट लेकर भारतीय दल को विजयश्री के द्वार पर विश्वकप को चूमते हुए दिखा दिया, तब न्यूजीलैण्ड ने उन्नीसवें ओवर में आलआउट होकर मात्र 159 रन बना पाये थे। इस विश्वकप पर अधिकार कर लेने के बाद भारतीय दल की यशस्विता का परचम विश्व-क्रिकेट मे लहरा तो रहा ही है, खेलाड़ियों को मालामाल भी कर रहा है।

जेडीयू में निशांत की एंट्री परिवारवाद या सियासी जरूरत?

अजय कुमार

बिहार की राजनीति में कभी-कभी ऐसे मोड़ आते हैं जो केवल एक व्यक्ति की एंट्री नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक ढांचे की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। जनता दल यूनाइटेड में निशांत कुमार का औपचारिक प्रवेश भी ऐसा ही एक क्षण है। लंबे समय तक राजनीति से दूरी बनाए रखने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे का पार्टी की सदस्यता लेना महज पारिवारिक घटना नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक युग के अंत और दूसरे युग की शुरूआत का संकेत भी माना जा रहा है जिसमें जेडीयू की पहचान पूरी तरह नीतीश कुमार के व्यक्तित्व से जुड़ी रही है। करीब दो दशकों तक बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार निर्णायक भूमिका में रहे। 2005 में जब उन्होंने सत्ता संभाली तो राज्य की पहचान अव्यवस्था, अपराध और कमजोर बुनियादी ढांचे से जुड़ी हुई थी। उसके बाद सड़क, बिजली, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में कई योजनाएं लागू की गईं। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, साइकिल योजना और छात्रवृत्ति कार्यक्रम जैसे फैसलों ने उन्हें "सुशासन बाबू" की छवि दी। 2010 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने 115 सीटें जीतकर अपने राजनीतिक चरम को छुआ था। लेकिन समय के साथ समीकरण बदले। 2020 के चुनाव में पार्टी 43-45 सीटों तक सिमट गई। हालांकि 2025 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने लगभग 85 सीटें जीतकर वापसी की, फिर भी यह स्पष्ट हो गया कि पार्टी की ताकत अब पहले जैसी नहीं रही।इसी पृष्ठभूमि में निशांत कुमार का राजनीति में आना महत्व रखता है। 40 वर्ष के इंजीनियर निशांत अब तक सार्वजनिक जीवन से दूर रहे। उनका स्वभाव अंतमुर्खी बताया जाता रहा है और वे लंबे समय तक आध्यात्मिक रुचियों में व्यस्त रहने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसे व्यक्ति का अचानक सक्रिय राजनीति में उतरना स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा और संदेह दोनों पैदा करता है। लेकिन राजनीति में अक्सर परिस्थितियां व्यक्ति को आगे धकेल देती हैं। जेडीयू भी उसी दौर से गुजर रही है जहां संगठन को भविष्य का चेहरा चाहिए।

बिहार की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का अनुभव बताता है कि जब कोई पार्टी लंबे समय तक एक नेता पर निर्भर रहती है तो उसके बाद नेतृत्व का संकट पैदा हो जाता है। राष्ट्रीय जनता दल में लालू प्रसाद यादव के बाद तेजस्वी यादव का उभार इसी कारण हुआ। समाजवादी पार्टी में मुलायम सिंह यादव के बाद अखिलेश यादव का नेतृत्व सामने आया। तमिलनाडु में करुणानिधि के बाद एम. के. स्टालिन ने पार्टी संभाली। इन उदाहरणों से यह भी स्पष्ट है कि पारिवारिक उत्तराधिकार भारतीय राजनीति की एक स्वीकृत वास्तविकता बन चुका है। यही वजह है कि नीतीश कुमार, जो वर्षों तक परिवारवाद की आलोचना करते रहे, अंततः उसी रास्ते पर चलते दिखाई दिए।जेडीयू का सामाजिक आधार भी इस निर्णय को समझने में मदद करता है। पार्टी की ताकत मुख्यतः कुर्मी, कोइरी और अति पिछड़ा वर्ग के वोटों पर टिकी रही है। 2010 के चुनाव में जेडीयू-भाजपा गठबंधन को लगभग 39 प्रतिशत वोट मिले थे, जिसमें जेडीयू का बड़ा हिस्सा इन वर्गों से आया। लेकिन पिछले कुछ चुनावों में यह आधार धीरे-धीरे खिसकने लगा। भाजपा का प्रभाव बढ़ा और कई इलाकों में उसका संगठन जेडीयू से ज्यादा मजबूत होता गया। राजनीतिक विश्लेषण बताते हैं कि बिहार में भाजपा का वोट प्रतिशत 2010 के लगभग 16-17 प्रतिशत से बढ़कर हाल के वर्षों में 25 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। ऐसे में जेडीयू के सामने दोहरी चुनौती है अपना सामाजिक आधार बचाना और गठबंधन की राजनीति में अपनी पहचान बनाए रखना।यहीं पर निशांत कुमार की भूमिका अहम हो सकती है। जेडीयू के भीतर यह धारणा बन रही है कि अगर पार्टी के पास नीतीश कुमार के परिवार से कोई चेहरा रहेगा तो संगठन में एकजुटता बनी रहेगी। क्षेत्रीय दलों के इतिहास में यह अक्सर देखा गया है कि करिश्माई नेता के बाद पार्टी बिखर जाती है। बिहार में भी कई छोटे दल इसी कारण खत्म हो गए। इसलिए जेडीयू के नेताओं को लगता है कि निशांत की मौजूदगी कम से कम पार्टी को एक धुरी दे सकती है।

हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। बिहार की राजनीति में गठबंधन की प्रकृति बेहद जटिल है। भाजपा और जेडीयू का रिश्ता पिछले डेढ़ दशक में कई बार टूटा और जुड़ा है। 2013 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर दोनों दल अलग हुए। 2017 में फिर साथ आए। 2022 में जेडीयू ने महागठबंधन का रास्ता चुना और 2024 में एक बार फिर एनडीए में लौट आई। इन उतार-चढ़ावों ने जेडीयू के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भी असमंजस पैदा किया। अगर भविष्य में भाजपा बिहार में अपना मुख्यमंत्री चेहरा आगे बढ़ाती है तो जेडीयू का राजनीतिक महत्व और घट सकता है।निशांत कुमार को इसी परिस्थिति में अपनी पहचान बनानी होगी। उनके सामने पहला काम संगठन को मजबूत करना होगा। जेडीयू के पास आज भी कई अनुभवी नेता हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश की पहचान क्षेत्रीय स्तर तक सीमित है। यदि युवा नेतृत्व को आगे लाकर संगठन में नई ऊर्जा भरी जाती है तो पार्टी को लाभ हो सकता है। बताया जा रहा है कि युवा विधायकों और करीबी सहयोगियों की एक टीम पहले से तैयार की जा रही है जो राजनीतिक प्रशिक्षण और रणनीति में निशांत की मदद करेगी। इतिहास बताता है कि राजनीति में शुरूआती छवि अंतिम नहीं होती। ओडिशा के नवीन पटनायक इसका उदाहरण हैं। 1997 में जब वे राजनीति में आए थे तो उन्हें भी अनुभवहीन और संकोची कहा जाता था। लेकिन कुछ ही वर्षों में उन्होंने अपनी शैली विकसित की और 24 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बिहार की परिस्थितियां अलग जरूर हैं, पर यह भी सच है कि राजनीति में धैर्य और समय बहुत कुछ बदल देते हैं।

फिलहाल निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी कसौटी यही है कि वे खुद को केवल "नीतीश कुमार के बेटे" से आगे साबित करें। अगर वे संगठन में संवाद बढ़ा सके, सामाजिक आधार को मजबूत कर सके और गठबंधन की राजनीति में संतुलन बना सके तो जेडीयू को नई दिशा मिल सकती है। लेकिन अगर वे केवल प्रतीकात्मक नेता बनकर रह गए तो पार्टी के भीतर खींचतान बढ़ना तय है। बिहार की राजनीति हमेशा व्यक्तित्वों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और अब तेजस्वी यादव इन सभी ने अपने-अपने दौर में राज्य की राजनीति को दिशा दी है। निशांत कुमार का राजनीतिक सफर अभी शुरू हुआ है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि वे अपने पिता की विरासत संभाल पाएंगे या नहीं। लेकिन इतना तय है कि उनकी एंट्री ने बिहार की राजनीति में एक नई बहस और नई प्रतीक्षा जरूर पैदा कर दी है। आने वाले वर्षों में यह साफ होगा कि यह कदम जेडीयू को स्थिरता देगा या पार्टी को एक नए संघर्ष के दौर में ले जाएगा।

पश्चिम एशिया युद्ध के बीच भारत की रसोई गैस सुरक्षा पर बड़ा संकट

अजय कुमार

पश्चिम एशिया में भड़का युद्ध अब केवल भू-राजनीति का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह सीधे भारत की रसोई और अर्थव्यवस्था तक पहुंच चुका है। अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पैदा हुई अस्थिरता ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। इसी खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने रसोई गैस यानी एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए असाधारण कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं और अतिरिक्त उत्पादन को घरेलू खपत के लिए आरक्षित करने का फैसला किया है। यह कदम बताता है कि संकट की स्थिति में सरकार की पहली प्राथमिकता आम नागरिकों की रसोई को सुरक्षित रखना है। भारत की ऊर्जा संरचना का एक बड़ा सच यह है कि देश अपनी जरूरतों के मुकाबले एलपीजी का पर्याप्त उत्पादन नहीं करता। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में भारत में कुल 31.3 मिलियन टन एलपीजी की खपत हुई, जबकि घरेलू उत्पादन केवल 12.8 मिलियन टन रहा। यानी देश की कुल जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात के सहारे पूरा होता है। यही वजह है कि जब भी खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती है तो उसका असर सीधे भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ता है।भारत के लिए यह निर्भरता इसलिए भी जोखिमपूर्ण है क्योंकि एलपीजी का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। अनुमान है कि भारत के एलपीजी आयात का लगभग 85-90 प्रतिशत हिस्सा सऊदी अरब, कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से आता है। इन सभी देशों से आने वाली ऊर्जा आपूर्ति का मुख्य मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज है, जो विश्व ऊर्जा व्यापार की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री गलियों में से एक है। जब यह मार्ग युद्ध या तनाव के कारण बाधित होता है तो पूरी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो जाती है। मौजूदा संघर्ष में भी यही स्थिति पैदा हुई है।ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण इस समुद्री मार्ग में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे वैश्विक तेल और गैस बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है और कई देशों ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। भारत ने भी इसी पृष्ठभूमि में एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन प्रावधानों का सहारा लिया है।

सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर नियंत्रित करने का फैसला किया है। इसके तहत घरेलू रसोई गैस की सप्लाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। साथ ही पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी की आपूर्ति को भी 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।इसके अलावा उर्वरक संयंत्रों को लगभग 70 प्रतिशत और उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराने की व्यवस्था तय की गई है।इन कदमों का उद्देश्य स्पष्ट है अगर ऊर्जा संकट गहराता है तो सबसे पहले घरों और परिवहन क्षेत्र को गैस मिलेगी, उसके बाद उद्योगों और अन्य क्षेत्रों को। सरकार ने एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए 25 दिन का इंटर-बुकिंग नियम भी लागू किया है, ताकि कोई भी उपभोक्ता तय समय से पहले सिलेंडर बुक न कर सके।लेकिन इस नीति का असर व्यावसायिक क्षेत्रों पर दिखने लगा है। देश के कई शहरों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति घटने लगी है। होटल और रेस्टोरेंट उद्योग से जुड़े संगठनों का कहना है कि कई स्थानों पर कमर्शियल गैस की सप्लाई 10 से 20 प्रतिशत तक कम हो गई है। इससे खासतौर पर छोटे और मध्यम आकार के होटल-रेस्टोरेंट पर बड़ा दबाव पड़ा है, जो रोज मिलने वाली गैस सप्लाई पर ही निर्भर रहते हैं।कुछ शहरों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि होटल संगठनों ने कारोबार बंद होने की चेतावनी तक दे दी है। उनका कहना है कि अगर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति नहीं होती तो कई रेस्टोरेंट अगले कुछ दिनों में बंद होने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसका असर केवल कारोबारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन लाखों कर्मचारियों और ग्राहकों पर भी पड़ेगा जो रोजमर्रा के भोजन के लिए इन प्रतिष्ठानों पर निर्भर हैं।सरकार ने इस समस्या को देखते हुए तेल विपणन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति भी बनाई है। यह समिति होटल, रेस्टोरेंट और अन्य उद्योगों की गैस जरूरतों की समीक्षा करेगी और तय करेगी कि सीमित संसाधनों के बीच इन क्षेत्रों को कितनी आपूर्ति दी जा सकती है।

दरअसल यह संकट केवल तत्कालीन आपूर्ति का नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति का भी सवाल है। पिछले एक दशक में देश में एलपीजी की खपत तेजी से बढ़ी है। उज्ज्वला योजना और शहरीकरण के कारण करोड़ों नए परिवार गैस पर निर्भर हो गए हैं। यही वजह है कि एलपीजी की मांग लगातार बढ़ रही है और आयात पर निर्भरता भी बढ़ती जा रही है।ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को भविष्य में ऐसे संकटों से बचने के लिए कई स्तरों पर तैयारी करनी होगी। सबसे पहला कदम घरेलू उत्पादन बढ़ाने का है। इसके लिए नई रिफाइनरियों, गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों और पेट्रोकेमिकल ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। दूसरा महत्वपूर्ण कदम ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाना है, ताकि खाड़ी क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके।इसके अलावा एलपीजी के रणनीतिक भंडार तैयार करने की जरूरत भी लंबे समय से महसूस की जा रही है।

दैनिक पंचांग

11 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.28 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	07.58 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.38 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.37 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.50 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.06 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.18 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.29 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.43 ब.से
राहुकाल		धनु	00.59 बजे से
12.00 से 1.30		मकर	03.05 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.51 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 70 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 04.20 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 22.00 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 09.12 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.09 बजे तदनन्तर कौलव 04.20 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 48' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872645 **जूलियन दिन** 2461110.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 21 **विशेष** शीतला अष्टमी, कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सात साल की कानूनी लड़ाई के बाद डॉ. मनोज कच्छप को न्याय, रांची विश्वविद्यालय में बने असिस्टेंट प्रोफेसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली सात वर्षों तक चले लंबे कानूनी संघर्ष के बाद नागपुरी विषय के अभ्यर्थी डॉ. मनोज कच्छप को आखिरकार न्याय मिल गया। सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट के फैसले के बाद उनकी नियुक्ति रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर नागपुरी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कर दी गई है। यह मामला एक बार फिर साबित करता है कि सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। वही 2018 में जारी हुआ था विज्ञापन झारखंड लोक सेवा आयोग ने वर्ष 2018 में बैकलॉग और नियमित असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस प्रक्रिया में नागपुरी विषय के अभ्यर्थी डॉ. मनोज कच्छप ने भी आवेदन किया था। फरवरी 2020 में आयोग द्वारा जारी एकेडेमिक अंक में डॉ कच्छप को अपने विषय में 85 में

से 72.10 अंक मिले, जो नागपुरी विषय में सबसे अधिक थे। साक्षात्कार सूची में नहीं था नाम उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के बावजूद 23 नवंबर 2021 को जारी साक्षात्कार सूची में उनका नाम शामिल नहीं किया गया। जबकि वे गोल्ड मेडलिस्ट, नेट-जेआरएफ योग्यताधारी और शिक्षण अनुभव वाले अभ्यर्थी हैं। न्याय की मांग को लेकर उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की। अदालत के हस्तक्षेप के बाद उनका नाम साक्षात्कार सूची में जोड़ा गया। हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामले की सुनवाई के बाद 6 मार्च 2024 को झारखंड हाईकोर्ट ने डॉ. कच्छप के पक्ष में फैसला सुनाते हुए चार सप्ताह के भीतर नियुक्ति देने का आदेश दिया। इसके बाद भी जेपीएससी ने इस आदेश को चुनौती देते हुए मामला हाईकोर्ट की डबल बेंच में ले गया। डबल बेंच ने भी सिंगल बेंच के फैसले को बरकरार रखते हुए आयोग पर एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया और दो सप्ताह के भीतर जॉइनिंग कराने का निर्देश दिया। बाद में मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां 24 नवंबर 2025 को सर्वोच्च न्यायालय ने भी हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए अभ्यर्थी के पक्ष में निर्णय सुनाया। रांची विश्वविद्यालय में मिली नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जेपीएससी ने परिणाम अधिसूचित किया और डॉ. मनोज कच्छप की नियुक्ति रांची विश्वविद्यालय के नागपुरी पीजी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कर दी गई। विभाग को मिलेगी नई ऊर्जा फिलहाल नागपुरी पीजी विभाग में केवल एक स्थायी सहायक प्राध्यापक डॉ. उमेशनंद तिवारी जो विभागाध्यक्ष भी हैं, कार्यरत हैं। इसके अलावा दो नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बीरेंद्र कुमार महतो और डॉ. रिझू नायक कार्य कर रहे हैं। विभाग में पीजी छात्रों के साथ लगभग 40 शोधार्थी शोध कार्य कर रहे हैं। ऐसे में डॉ. मनोज कच्छप जैसे योग्य और संघर्षशील असिस्टेंट प्रोफेसर के आने से विभाग में शिक्षण और शोध कार्य को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। मौके पर विभाग के सहायक प्राध्यापक, शोधार्थी और छात्रों ने डॉ. मनोज कच्छप को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इनके ज्वाइनिंग से सभी लोग काफी खुश हुए।

पटमदा में मनाया गया सरहुल पर्व, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा बाजार में प्रकृति का पर्व सरहुल काफी उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान त्यौहार में कार्यक्रम की शुरूवात पारंपरिक नृत्य के साथ किया गया। सरहुल में मुखिया परमेश्वर सिंह, गोपाल सिंह, मनोज सिंह ,साधन सिंह, दीपक माहली,चंद्र शेखर सिंह,पूर्ण सिंह, नरेंद्र सिंह, धनंजय सिंह, सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, WATER WAYS DIVISION NO.2, HAZARIBAG

Very Short e-Procurement Tender Notice No.- 05/2025-26- UNTIED FUND

Group No	Scheme Name	Estimated Cost (In Rs.)	Time of Completion
1.	Upgradation Work of New Primary School Palma Under Chalkusha Block	60,96,335.00	08 Months
2.	Upgradation Work of New Primary School Torar Under katkamsandi Block	57,57,053.00	08 Months

1.	Date of Publication of e-Tender on website	13.03.2026 at 3:00 P.M
2.	Last date/Time for Submission of e-Tender bids Online	19.03.2026 up to 4:00 P.M (e-Procurement Portal- http://jharkhandtenders.gov.in)
3.	Last Date for Online Submission of Tender Fee and EMD	19.03.2026 up to 4:00 P.M
4.	Date of opening of e-Tender	20.03.2026 at 05:00 P.M
5.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, Water Ways Division No.2, Hazaribag
6.	Contact no. of eProcurement officer	06546-298163, 7903709450
7.	E-mail of e- Procurement officer	eewwdchak2-cer-jhr@nic.in

Note:- 1.) Only e-Tender will be accepted.
2.) Published Estimated Cost may be increased or decreased.
3.) Further details can be seen and Mode of Submission of Online Tender/Tender Fee/EMD through http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Water Ways Division No.2,

PR.NO.374672 Water Resource(25-26):D

सविता महतो ने सदन के शून्य काल में उठाया टीकर में नए पुल निर्माण की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : विधानसभा क्षेत्र की विधायक सविता महतो ने विधानसभा सदन के शून्य काल में रंगामाटी से सिल्ली जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित टीकर पुल की जर्जर स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि टीकर पंचायत के पास स्थित यह पुल लगभग 30 वर्ष पूर्व बना था और वर्तमान में इसकी स्थिति काफी खराब हो चुकी है।विधायक ने सदन को अवगत कराया कि इस पुल से प्रतिदिन सैकड़ों भारी वाहनों का आवागमन होता है, जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द टीकर में नए पुल के निर्माण की मांग की, ताकि क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। विधायक सविता महतो ने कहा कि पुल की जर्जर हालत के कारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए जनहित को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में त्वरित कार्रवाई आवश्यक है। मालूम हो कि टीकर पुल काफी दिनों से जर्जर हो गया था जो चलने लायक नहीं था। विधायक के प्रयास से जर्जर सड़क का मरम्मत कराया था उन्होंने पुनः टीकर पुल की जर्जर स्थिति का मुद्दा सदन में उठाया और नया पुल निर्माण का मांग किया।

सड़क हादसा: खड़ी ट्रेलर से टकराई स्कूटी, युवक की मौत, शादी के एक माह बाद ही उजड़ गया परिवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंड : बासल थाना क्षेत्र के बलकुदरा में मंगलवार शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी घायल हो गई। यह दुर्घटना उस समय हुई जब स्कूटी सवार युवक सड़क किनारे खड़ी एक अज्ञात ट्रेलर से पीछे से टकरा गया। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भुरकुंडा मस्जिद कॉलोनी निवासी हलीम अंसारी के छोटे पुत्र 25 वर्षीय मुमताज अंसारी अपनी पत्नी साइना परवीन के साथ रांची से भुरकुंडा लौट रहे थे। स्कूटी संख्या खल24ख-5411 से आ रहे थे। इसी दौरान बलकुदरा स्थित पेट्रोल पंप के सामने सड़क किनारे खड़ी एक अज्ञात ट्रेलर से उनकी स्कूटी पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मुमताज अंसारी के सिर में गंभीर चोट लग गई, जबकि उनकी पत्नी साइना परवीन के पेट में भी चोट आई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स अस्पताल भेजा। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद मुमताज अंसारी को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनकी पत्नी का इलाज जारी है। बताया जाता है कि मुमताज अंसारी और साइना परवीन की शादी अभी एक माह पहले ही 8 फरवरी को हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। अभी पत्नी के हाथों की मेहंदी भी पूरी तरह फीकी नहीं पड़ी थी कि यह हादसा हो गया और परिवार की खुशियां अचानक मातम में बदल गईं। घटना की खबर मिलते ही भुरकुंडा और आसपास के इलाके में शोक की लहर फैल गई। परिजन और स्थानीय लोग इस घटना से काफी दुखी हैं।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,खूँटी

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

T. Reference No. :- DWSD/KH-14/2025-26 (1ST Call) Date-10.03.2026

Sl. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Cost of BOQ (Rs.)	Time of Completion
1	Construction of 200mm x 165mm x 210.00 M deep High Yield Drilled Tube Well with installation of India Mark -II (IS:15500 Part-2/2004) hand pump with platform and drain in Upgareded Middle Government School, Jaranga, Panchayat- Sosokuti, Block- Arki under D.W. & S. Division, Khunti for the Year 2025 -26.	3,27,773.00	6600.00	750.00	15 Days
2	Construction of D/TW of 125 x 115 mm dia x 120 Mtr. Extra deep Drilled Tube Well with Installation of Imdia Mark- II (IS:15500 Part-2/2004) Hand Pump with Platform & Drain in Village- Tuyu (Niche Toli), Panchayat- Jurdag, Block- Karra under D.W. & S. Division, Khunti for the Year 2025 -26.	1,19,199.00	2400.00	500.00	15 Days

A)	Date of Publication Tender	11.03.2026/ upto 10.00 AM.
B)	Date & Time for Sale of Tender Doc.	11.03.2026/ 10:00 A.M. to 17.03.2026/02:30 PM
C)	Last date /Time for receipt Earnest Money & Cost of BOQ & Tender Doc. (Hard Copy)	17.03.2026/ 03.00 PM to 04.00 PM
D)	Place for receiving tender fee & EMD (Hard Copy)	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Khunti.
E)	Date of Opening of Tender	18.03.2026/02.30 PM.
F)	Place of Opening Tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Khunti.
G)	Name & Address of Tender inviting Authority	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Khunti.
H)	Contact No. of Procurement Office	06528-299928

नोटः– विशेष जानकारी के लिये वेबसाईट – http://dwsdjharkhand.gov.in या विभागीय Linc http://103.107.59.103/dwsdtenders/Home.aspx पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,खूँटी

PR 374669 Drinking Water and Sanitation(25-26).D

सोशल मीडिया की भ्रामक खबरों पर न करें विश्वास अफवाह फैलाने पर होगी कानूनी कार्रवाई : संतन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नीमडीह : सरायकेला-खरसावां जिले में सोशल मीडिया पर बच्चों की चोरी, गुमशुदगी और अपहरण से जुड़ी अफवाहों के तेजी से फैलने के बीच पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। नीमडीह थाना प्रभारी संतन कुमार तिवारी ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली किसी भी सूचना पर बिना सत्यता की जांच किए विश्वास न करें। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चा चोरी से संबंधित कई तरह की खबरें और संदेश तेजी से प्रसारित किए जा रहे हैं जिससे लोगों के बीच भय और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। पुलिस जांच में ऐसे अधिकांश मामलों को अफवाह पाया गया है। थाना प्रभारी संतन कुमार तिवारी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाह फैलाना कानूनन अपराध है। वहीं इन अफवाहों के आधार पर किसी व्यक्ति के साथ मारपीट, प्रताड़ना या भीड़ द्वारा हिंसा करना भी गंभीर दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि इस तरह की कोई संदिग्ध सूचना या घटना सामने आती है तो तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करें या आपातकालीन नंबर 112 पर संपर्क करें। साथ ही नीमडीह थाना के हेल्पलाइन नंबर 9431706545 पर भी सूचना दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अफवाहों से बचना और सही जानकारी साझा करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने व मारपीट करने वालों पर सख्त कार्रवाई किया जाएगा।

डीसी कार्यालय प्रकोष्ठ में डीसी-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में डीसी हेमंत सती ने जनता दरबार लगाकर जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही डीसी द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक–एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनने के बाद डीसी ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें।साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि डीसी कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़

–: अति आवश्यक सूचना :–

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 36 / 2025–26 जिसका PR 373907 Building (25-26).D के ग्रुप सं0 32 को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल, रामगढ़

PR 374638 Building(25-26)#D

कार्यालय,
विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्यप्रमंडल, इन्जीनियर्स हॉस्टल,धुर्वा, राँची

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग सं0– Energy/EWD/Ranchi/109/2025-26 दिनांक–10 / 03 / 2026

	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	स्मार्ट सिटी, राँची स्थित 11 अदद् मंत्री बंगला में अधिष्ठापित 11 अदद् लिफ्ट (Make- TK Elevator) के वार्षिक सम्पोषण का कार्य।	35,39,646=00	5,000=00	71,000=00	तीन वर्ष
II	मान्नीय झारखण्ड उच्च न्यायालय, धुर्वा राँची के विभन्न सेक्शन, एडवोकेट हॉल, एडवोकेट जेनरल ऑफिस में अधिष्ठापित स्पलीट टाईप एवं टावर टाईप वातानुकूलित संयंत्र के वार्षिक सम्पोषण का कार्य।	24,55,193=00	5,000=00	50,000=00	एक वर्ष
III	विद्युत कार्य प्रशाखा, राजभवन, राँची अन्तर्गत विभिन्न भवनों पूर्व मुख्य मंत्री आवास, मुख्य न्यायाधिश आवास, पी0 आर0डी सूचना भवना एवं मंत्री आवास, मुख्य सचिव आवास इत्यादि में अधिष्ठापित वातानुकूलित संयंत्र के वार्षिक सम्पोषण का कार्य।	17,58,732=00	5,000=00	36,000=00	एक वर्ष
IV	धुर्वा राँची स्थित विभिन्न भवनों प्रोजेक्ट भवन, एफ0 एफ0 पी0 भवन, एम0 डी0 आई0 भवन, राजस्व पर्षद में अधिष्ठापित वातानुकूलित संयंत्र के वार्षिक सम्पोषण का कार्य।	30,16,085=00	5,000=00	61,000=00	एक वर्ष
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	18.03.2026			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	19.03.2026 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 27.03.2026 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	28.03.2026 को 3.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0/ई0 मेल	0651–2490069 / electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल,राँची

PR 374670 Energy(25-26).D

काम के दौरान दूसरी मंजिल से गिरकर ठेका मजदूर की मौत

पूर्वी सिंहभूम : परसुडीह थाना क्षेत्र के सरजमदा में मंगलवार को निर्माण कार्य के दौरान एक दर्दनाक हादसे में 35 वर्षीय ठेका मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान सरजमदा निवासी रवि लोहार के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि सरजमदा स्थित रेणु देवी के घर में छत की सेंट्रिंग का काम चल रहा था। दोपहर के समय काम खत्म होने के बाद मजदूर भोजन करने के लिए सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे।

ऑटो-रिक्शा पलटने से एक शिशु सहित एक दर्जन यात्री घायल, अस्पताल में इलाज जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : झारखंड के खूंटी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे एक दुधमुंहे बच्चे सहित लगभग एक दर्जन यात्री घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज तोरपा के रेफरल अस्पताल में चल रहा है। घायलों में तुरीगड़ा गांव की सोमारी सांई मुर्गा और उनकी दुधमुंही बच्ची आशियान सांई मुर्गा, ज्योति तोपनो और राहिल तोपन, कुंती सांई मुर्गा, सपना सांई मुर्गा तथा ऑटो चालक आमोन तोपनो सहित अन्य यात्री शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑटो रनिया प्रखंड के तुरीगड़ा गांव से यात्रियों को लेकर तोरपा बाजार की ओर आ रहा था। इसी दौरान कूल्डा जंगल के समीप सड़क पर पांच साइकिल सवार बच्चे स्टंट कर रहे थे। बच्चों को बचाने के प्रयास में चालक ने अचानक ऑटो मोड़ दिया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना के बाद ऑटो में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई और कई लोग घायल हो गए। घायलों में एक दुधमुंहा बच्चा भी शामिल है, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में चिंता का माहौल बन गया।

सिविल सर्जन कार्यालय, सिमडेगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत विज्ञापन संख्या 01/NHM/2025 के तहत पद कोड–12 स्टाफ नर्स–एस0एन0सी0यू0 एवं पद कोड–23 ए0एन0एम0–आर0सी0एच0 के अभ्यर्थियों से दावा आपत्ति उपरान्त योग्य एवं अयोग्य अभ्यर्थियों की सूची तथा योग्य अभ्यर्थियों का लिखित परीक्षा में भाग लेने हेतु आम सूचनाः–

सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सिमडेगा जिला अन्तर्गत विभिन्न पारा मेडिकल कर्मी के पदों हेतु विज्ञापन संख्या 01/NHM/2025 प्रकाशित किया गया था।

तद् के आलोक में पद कोड–12 स्टाफ नर्स–एस0एन0सी0यू0 एवं पद कोड–23 ए0एन0एम0– आर0सी0एच0 का स्क्रूटनी पश्चात दावा आपत्ति की मांग की गयी थी, जिसमें संबंधित अभ्यर्थियों के द्वारा दावा आपत्ति समर्पित करने के उपरान्त योग्य एवं अयोग्य अभ्यर्थियों का समेकित सूची तैयार करते हुए जिला के वेबसाईट http//www.simdega.nic.in एवं सिविल सर्जन कार्यालय, सिमडेगा के सूचनापट्ट पर प्रकाशित किया गया है।

उक्त योग्य अभ्यर्थियों का लिखित परीक्षा दिनांक 13.03.2026 दिन शुक्रवार को अपराह्न 2.00 बजे से **संत जॉन्स स्कूल इंग्लिस मीडियम, फरसाबेडा, सिमडेगा (वेलांकनी माता कैथोलिक चर्च के नजदीक)** मे अवस्थित है पर आयोजित किया गया है। उक्त सभी संबंधित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि को अपराह्न 01.00 बजे परीक्षा केन्द्र पर रिर्पोटिंग करेंगे।

उक्त योग्य अभ्यर्थियों का लिखित परीक्षा में भाग लेने हेतु सिविल सर्जन कार्यालय, सिमडेगा के प्रतिक्षाकक्ष से दिनांक 10.03.2026 से 12.03.2026 तक कार्यालय अवधि में तथा 13.03.2025 के पूर्वाह्न 12.00 बजे तक एडमिट कार्ड प्राप्त किया जा सकता है जिसके लिए आधार कार्ड या फोटोयुक्त पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। बिना एडमिट कार्ड के लिखित परीक्षा में अभ्यर्थी का प्रवेश वर्जित रहेगा।

ह0 / –
सिविल सर्जन,
सिमडेगा।

PR 374548 (Simdega) 25-26 (D)

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय,खूँटी
(खेल शाखा)
(Email ID – dsokhunti2017@gmail.com)

(सूचना)

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि सरकार के सचिव, कला संस्कृति खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग झारखण्ड सरकार के अधिसूचना संख्या–2 / खेल–1 कला– 15 / 2005 (अंश्स–2)–28 दिनांक–24.10.2014 के आलोक में खूँटी जिलान्तर्गत स्वीकृत डे बोर्डिंग हॉकी प्रशिक्षण केन्द्र में से 1. **डे बोर्डिंग हॉकी प्रशिक्षण केन्द्र (बालक) तोरपा, 2. डे बोर्डिंग हॉकी प्रशिक्षण केन्द्र (बालक), खूँटी, 3. डे बोर्डिंग हॉकी प्रशिक्षण केन्द्र (बालिका), उम्बुलबाहा, अड़की, एवं 4. डे बोर्डिंग हॉकी प्रशिक्षण केन्द्र (बालिका), मारंगहादा** में अस्थाई प्रशिक्षक (दैनिक परिश्रमिक) के रिक्त पद हेतु विज्ञापन खूँटी जिला के वेबसाईट एवं विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी। प्रकाशित विज्ञापन के आलोक में उक्त पद हेतु निम्न आवेदकों का दिनांक 18.03.2026 को प्रमाण पत्र सत्यापन एवं Coaching Skill Test निर्धारित है:–

क्र0	आवेदक का नाम	जन्म तिथि	ग्राम	अभ्युक्ति
1	ऐनम डोडराय	11-01-1992	ग्राम–बालो, पोस्ट–बम्हनी, थाना–मुरहू, जिला–खूँटी।	
2	राजेश कुमार रंजन	11-05-1988	नावा टोली, कर्रा रोड खूँटी, पोस्ट + थाना–खूँटी, जिला–खूँटी।	
3	अनिमा तिडू	18-06-1998	ग्राम–कुँजला, पोस्ट–बिचना, थाना–मुरहू, जिला–खूँटी।	
4	चमन होरो	20-01-1989	खूँटी टोली, पोस्ट + थाना–खूँटी, जिला–खूँटी।	
5	सिबीयन धान हेरेंज	18-07-1986	शान्ति नगर तोरपा, पोस्ट–कोचांग, थाना–अड़की, जिला–खूँटी।	
6	कमलेश गुड़िया	06-05-1988	ग्राम–जरिया महादेव टोली, पोस्ट–पाटपुर, थाना–तोरपा,जिला–खूँटी।	
7	रेशमा मीन्जूर	16-01-1989	ग्राम–हेसेल, पोस्ट–हस्सा, थाना–मुरहू, जिला–खूँटी।	
8	अनिता तिडू	02-03-1991	ग्राम–पेलौल, पोस्ट–बिचना, थाना–मुरहू, जिला–खूँटी।	
9	नेहा तोपनो	15-03-1995	ग्राम–पतरा टोली, पोस्ट + थाना–नामकुम, जिला–राँची।	

अतः उक्त सभी आवेदक दिनांक 18.03.2026 के पूर्वाह्न 11:00 बजे अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्र, खेल उपलब्धि संबंधित प्रमाण पत्र, स्थानीय प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड (सभी के मूल एवं स्व अभिप्रमाणित छायाप्रति) के साथ जिला खेल कार्यालय, खूँटी में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

ह०/–
जिला खेल पदाधिकारी,खूँटी

PR 374624 District(25-26).D

एक नजर

तेज रफ्तार बाइक के धक्के से बाइक चालक सहित तीन घायल, रेफर

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलहाट–साहिबगंज मुख्य मार्ग पर टपुआ, सरकंडा के पास मंगलवार को सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार साहिबगंज थाना क्षेत्र के मजहर टोला निवासी नसीम शेख (25) बाइक लेकर साहिबगंज की ओर जा रहा था तभी मंगल हाट, पत्थरचट्टी के सूदन मंडल (50), और मीना देवी (40) सड़क 'पार कर रही थी। बाइक चालक काफी तेज रफ्तार में रहने के कारण अनियंत्रित होकर दोनों को धक्का मार दिया। जिससे तीनों बिच सड़क पर गिरकर बुरी तरह से घायल हो गया। आस पास के लोगों के द्वारा एंबुलेंस को कोल कर बुलाया। तीनों घायलों को इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना के एसआई ओम प्रकाश चौहान दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गए थे।

महाविद्यालय की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण अनिवार्य : विधायक

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान तारांकित प्रश्न के तहत साहिबगंज महाविद्यालय के क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवॉल यास तूफान के दौरान क्षतिग्रस्त होने एवं बाउंड्री वॉल नहीं होने के कारण महाविद्यालय परिसर असुरक्षित होने व असामाजिक तत्वों के प्रवेश को लेकर मामला सदन में उठाए हैं। उन्होंने सदन को अवगत कराया है कि साहिबगंज महाविद्यालय साहिबगंज जिला के लिए एक विशेष गौरव का प्रतीक है और उच्च स्तरीय शिक्षा का संस्थान केंद्र बिंदु है इसलिए यहां की सुरक्षा अनिवार्य है। विधायक के प्रश्न पर झारखंड सरकार उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने उत्तर देते हुए कहा है कि झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड रांची के माध्यम से बाउंड्री वॉल निर्माण का भौतिक निरीक्षण करते हुए डीपीआर यथाशीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया गया है जिस पर प्राथमिकता के आधार पर प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करते हुए बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाएगा।

बाइक शोरूम और कोरियर सेंटर में हुई चोरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात अज्ञात चोरों ने बाइक शोरूम और कोरियर सर्विस के कार्यालय को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। बैंक मोड़ के समीप स्थित जीएम बजाज बाइक शोरूम और डिलीवरी कोरियर सर्विस के कार्यालय से चोर लगभग ढाई लाख रुपये मूल्य की संपत्ति लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

ग्रिल काटकर कोरियर ऑफिस में घुसे चोर

मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार की रात रोज की तरह कर्मचारी कार्यालय बंद कर घर चले गए थे। इसी बीच देर रात करीब 1:30 से 2:30 बजे के बीच तीन नकाबपोश चोर मौके पर पहुंचे। सबसे पहले चोरों ने डिलीवरी कोरियर सर्विस के कार्यालय को निशाना बनाया। उन्होंने खिड़की में लगे लोहे के ग्रिल को कटर से काटकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद चोरों ने कार्यालय में रखे लिनोवो कंपनी के दो लैपटॉप चुरा लिए। इतना ही नहीं, उन्होंने गोदरेज की अलमारी को भी तोड़ दिया और उसमें रखे करीब एक लाख रुपये नकद निकाल लिए। चोरी के दौरान कार्यालय का सामान भी इधर-उधर बिखेर दिया गया। बाइक शोरूम से भी ले गए नकदी कोरियर कार्यालय में चोरी करने के बाद चोरों ने पास में स्थित जीएम बजाज बाइक शोरूम को भी निशाना बनाया। पहले उन्होंने शोरूम के पीछे का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा मजबूत होने के कारण नहीं टूट सका। इसके बाद चोरों ने दरवाजे के ऊपर लगे लोहे के ग्रिल को कटर से काट दिया और उसी रास्ते शोरूम के अंदर घुस गए। अंदर प्रवेश करने के बाद चोरों ने वहां रखे करीब 87 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए और फरार हो गए।

सुबह खुला मामला, बिखरा मिला सामान

चोरी की घटना की जानकारी तब हुई जब मंगलवार सुबह कर्मचारी डिलीवरी कोरियर सर्विस का कार्यालय खोलने पहुंचे। अंदर का दृश्य देखकर वे हैरान रह गए। पूरा सामान बिखरा पड़ा था और टेबल पर रखे लैपटॉप गायब थे। जब कर्मचारियों ने अलमारी की जांच की तो वह भी टूटी हुई मिली। इसके बाद तुरंत घटना की सूचना तीनपहाड़ थाना पुलिस को दी गई।

सीसीटीवी में कैद हुए नकाबपोश चोर

सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने डिलीवरी कोरियर सर्विस और बाइक शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। सीसीटीवी फुटेज में तीन नकाबपोश युवकों को चोरी की घटना को अंजाम देते हुए देखा गया है। फिलहाल, पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है।

पुलिस ने शुरू की जांच

इस संबंध में थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। दोनों संस्थानों के संचालकों से लिखित आवेदन मांगा गया है। आवेदन मिलने के बाद केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, शोरूम और कोरियर सर्विस के मालिक चोरी हुए सामान का मिलान कर रहे हैं। घटना के बाद आसपास के व्यवसायियों में भी भय का माहौल है और लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जता रहे हैं।

गंगा नदी के संरक्षण व संवर्धन को लेकर एनजीटी में सुनवाई आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर द्वारा साहिबगंज जिले से गुजरनें वाली गंगा नदी व जलीय जीव जंतू व संरक्षित डाल्फिन के संरक्षण व संवर्धन हेतू व गंगा नदी के आस-पास व गंगा नदी से स्टोन बोल्डर, चिप्स, मेटल के परिवहन व भंडारण के रोकथाम हेतु व गंगा नदी को प्रदुषण से बचाने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, ईस्टर्न जोन, कोलकाता में दायर याचिका संख्या-162/23 की सुनवाई एनजीटी के जस्टिस अरूण कुमार त्यागी व एनजीटी के एक्सपर्ट मेंबर डॉ.ए.संथील वेल आज दिन के 10.30 बजे से करेगें। 14 महीने पर जेल से बाहर आने के बाद अरशद सुनवाई में भाग लेने के लिए कोलकाता पहुंच गए हैं। इस मामले में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली के निदेशक, झारखंड के खान सचिव व निदेशक, झारखंड प्रदुषण के सदस्य सचिव व जिले के डीसी, डीएमओ व डीटीओ व जीके एंटरप्राइजेज कंपनी, मालदा, मां तारा एंटरप्राइजेज कंस्ट्रक्शन कंपनी, मुजफ्फरपुर को काउंटर एफिडेविट व स्थलीय जांच रिपोर्ट दाखिल करना है। आज की सुनवाई पर पत्थर माफियाओं से लेकर पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी की नजर बनी हुई।

नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न आरओ प्लांट का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के नगर परिषद क्षेत्र में संचालित आरओ वाटर प्लांट्स में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी, अंचलाधिकारी अरविन्द कुमार बेदिया तथा सहायक अभियंता अभिजीत किशोर द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न आरओ प्लांट्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में शीतल जल शीलता मंदिर रोड, मारवाड़ी मोहल्ला आरओ प्लांट, निर्मल जल मिशन गेट, पप्पू भगत आईसक्रीम एंड आरओ प्लांट तथा ब्लू एक्वा प्लांट सहित अन्य वाटर आरओ प्लांट्स का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा पानी की गुणवत्ता, टीडीएस वैल्यू, पीएच वैल्यू, साफ-सफाई की स्थिति, रजिस्ट्रेशन एवं अन्य आवश्यक मानकों की जांच की गई। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार चौधरी ने सभी प्लांट संचालकों को निर्देश दिया कि वे वाटर कमर्शियल सप्लाई से संबंधित सभी निर्धारित मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा उपभोक्ताओं को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराएं। साथ ही नियमित रूप से पानी की जांच कराने एवं परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि यदि किसी आरओ प्लांट में मानकों का उल्लंघन या पानी की गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण अभियान में नगर परिषद के रेवेन्यू इंस्पेक्टर, सैनेटरी इंस्पेक्टर, पीएचईडी के लैब टेक्नीशियन सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

विवाह में भोज खाने जा रहे दो दोस्तों की सड़क हादसे में मौके पर मौत, पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौके पर मौत हो गई। दोनों युवक एक विवाह समारोह में भोज खाने जा रहे थे, तभी उनकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकरा गई। इस हादसे के बाद दोनों परिवारों में मातम का माहौल है और पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार यह घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शोभनपुर डेरा के पास सोमवार देर रात करीब 12:30 बजे हुई। बताया जा रहा है कि दोनों युवक तेज गति से बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे सड़क किनारे खड़े पीपल के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार कि दूर जा गिरे युवक प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पेड़ से टकराने के बाद दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। देर रात हुए इस हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने घायल युवकों को देखने की कोशिश की, लेकिन उनकी हालत बेहद गंभीर थी। पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की रात्रि गश्ती टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। मृतकों की हुई पहचान पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान सनोज कुमार यादव , पिता कुंवर यादव, निवासी तालबन्ना व बादल यादव, पिता देवानंद यादव, निवासी शोभनपुर भट्ठा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक आपस में अच्छे दोस्त थे और पास के ही एक विवाह समारोह में भोज खाने के लिए जा रहे थे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से नानी की मौत, घायल नाती रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में नानी की मौत हो गई, जबकि उनका नाती गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा दक्षिण पियारपुर स्थित आकुनबन्ना नाशघाट के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

उधवा जा रहे थे नानी-नाती

मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पियारपुर निवासी आरिफ शेख (30) अपनी नानी हविलान बीबी (50) को बाइक से किसी काम से उधवा ले जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे मिट्टी लदे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

चालक मौके से फरार

घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने मानवीय पहल दिखाते हुए दोनों घायलों को तुरंत सड़क से उठाया और इलाज के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल से हायर सेंटर किया गया रेफर

राजमहल अनुमंडल अस्पताल में डॉक्टर सौरभ कुमार ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हालांकि उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार दोनों को इलाज के लिए भागलपुर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बोरियो के पास हविलान बीबी की हालत बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया।

पचुवाड़ा नॉर्थ कोल ब्लॉक में दूसरे दिन भी खनन और कोयला परिवहन ठप्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड अंतर्गत पचुवाड़ा नॉर्थ कोल ब्लॉक के बिशनपुर क्षेत्र में मंगलवार को दूसरे दिन भी कोयला खनन, परिवहन और भंडारण का काम पूरी तरह बंद रहा। अनुसरण एवं नियंत्रण कार्य समिति के नेतृत्व में विस्थापित ग्रामीण अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन पर डटे हुए हैं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना प्रभावित और विस्थापित परिवारों को अब तक बुनियादी नागरिक सुविधाएं नहीं मिल सकी हैं। क्षेत्र में बेहतर शिक्षा व्यवस्था, सुसज्जित अस्पताल, आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान, योग्यतानुसार रोजगार और उचित वेतनमान की व्यवस्था करने की मांग की जा रही है। इसके अलावा बिशनपुर मौजा में जहां-जहां कोयला खनन किया गया है, वहां की जमीन को समतल कर उसे फिर से खेती योग्य बनाने की भी मांग ग्रामीणों द्वारा उठाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इन मांगों को लेकर पहले भी कई बार कोयला खनन और परिवहन कार्य को रोका गया है। पिछले चक्का जाम के दौरान क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों ने जिला प्रशासन से भूमि अधिग्रहण से संबंधित दस्तावेज और मुआवजा भुगतान के प्रमाण भी मांगे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक सिर्फ आश्वासन ही दिया गया है, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं विस्थापित परिवार पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नियम, माइनिंग एक्ट और अन्य सरकारी प्रावधानों के तहत मिलने वाली सुविधाओं की भी मांग कर रहे हैं।

झारखंड मनरेगा कर्मचारी संघ का जिला मुख्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड मनरेगा कर्मचारी संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन मंगलवार को किया।धरना में जिले के बोरियो, उधवा, बरहरवा, पतना, मंडरो सहित विभिन्न प्रखंडों से आए मनरेगा कर्मियों ने भाग लिया और सरकार से अपनी लंबित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। धरना को संबोधित करते हुए संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि मनरेगा कर्मी लंबे समय से अपनी समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मनरेगा कर्मियों को नियमितीकरण, मानदेय में बढ़ोतरी, सेवा सुरक्षा सहित अन्य सुविधाएं दी जानी चाहिए। कर्मचारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की। इस मौके पर मनोज कुमार दुबे, सुबोध कुमार, सुनील कुमार सिंह, जॉन बेसरा, अखिलेश सिंह, बबीता कुमारी, सोनी कुमारी, अग्नेश मुर्मू, जावेद, रेहान, नीलिमा टुडू सहित जिला पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में मनरेगा कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़-सैंथिया 4 लाइन रेल प्रोजेक्ट को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी, यात्रियों और माल ढुलाई को मिलेगा लाभ

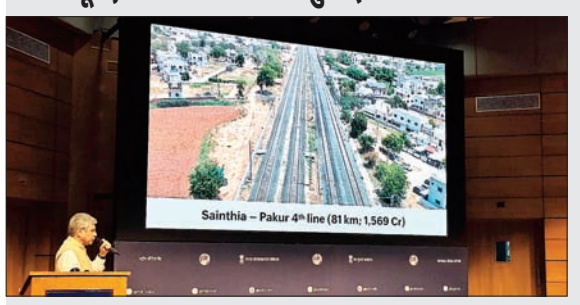

पाकुड़ : केंद्र सरकार ने झारखण्ड और पश्चिम बंगाल के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे पाकुड-सैंथिया चार लाइन रेल प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इस परियोजना को स्वीकृति दी गई, जिसकी जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। रेल मंत्री ने बताया कि इस परियोजना के पूरा होने से इस रेलखंड पर यात्रियों की आवाजाही अधिक सुगम होगी और माल ढुलाई की क्षमता में भी काफी वृद्धि होगी। इससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार पाकुड़ से सैंथिया रेलखंड पूर्व रेलवे के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इस रूट पर यात्री ट्रेनों के साथ-साथ बड़ी मात्रा में मालगाड़ियां भी चलती हैं, खासकर पत्थर, खनिज और अन्य औद्योगिक सामान की ढुलाई होती है। मौजूदा लाइन पर बढ़ते ट्रैफिक के कारण अक्सर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होती है। चार लाइन बनने से इस समस्या का समाधान होगा और ट्रेनों की गति तथा समयबद्धता में सुधार आएगा। साथ ही मालगाड़ियों की आवाजाही भी तेज होगी, जिससे उद्योग और व्यापार को सीधा फायदा मिलेगा। रेल मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना के तहत ट्रैक का विस्तार, आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम और आवश्यक रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के पूरा होने से झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच रेल कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने इस फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इस परियोजना के शुरू होने से क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

व्यावसायिक प्रशिक्षक आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे

पाकुड़ : जिले के झारखण्ड व्यावसायिक प्रशिक्षक संघ ने मानदेय में वृद्धि एवं अन्य समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। इस संबंध में संघ की ओर से जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, पाकुड़ को ज्ञापन सौंपा गया। संघ के अध्यक्ष इस्माइल अंसारी, कोषाध्यक्ष मोजाहिद अंसारी एवं उपाध्यक्ष शमीम अंसारी ने बताया कि जिले के सरकारी +2 उच्च विद्यालयों में कार्यरत करीब 65 व्यावसायिक प्रशिक्षक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं। बावजूद इसके उन्हें पिछले कई महीनों से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। प्रशिक्षकों ने बताया कि करीब 2 से 10 माह तक का मानदेय लंबित है, जिससे सभी प्रशिक्षकों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पूर्व में भी 9 दिसंबर 2025 को राज्य परियोजना कार्यालय को पत्र भेजकर समस्याओं के समाधान का अनुरोध किया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। यदि जल्द ही लंबित मानदेय का भुगतान और मानदेय वृद्धि को लेकर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 11 मार्च 2026 से जिले के सभी व्यावसायिक प्रशिक्षक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को बाध्य होंगे। इस दौरान सुमन कुमारी, सबा परवीन, अथिया बातुल, दीपशिखा कुमारी, शिवम कुमार, अंसारी तथा ब्रैनटियस मरांडी सहित कई व्यावसायिक प्रशिक्षक मौजूद थे।

कानून से भागना पड़ा महंगा, एन.बी.डब्ल्यू के चार वारंटी गिरफ्तार

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी एन.बी.डब्ल्यू वारंट के तहत कार्रवाई करते हुए चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में सिमोन बास्की, समियल बास्की, लुकस बास्की एवं कुनिश बास्की शामिल हैं। सभी ग्राम शिवनगर, थाना हिरणपुर, जिला पाकुड़ के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने चारों अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार कर चिकित्सीय जांच एवं अंगुलांक की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद उन्हें उचित मार्ग रक्षा दल के साथ माननीय न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया गया। हिरणपुर थाना पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर सख्त संदेश गया है। पुलिस का कहना है कि न्यायालय से जारी वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर अभियान आगे भी जारी रहेगा।

टाटानगर रेलवे स्टेशन पर सखुशल मिला लापता नाबालिग इस्माइल प्रधान, पुलिस ने परिजनों को सौंपा

पूर्वी सिंहभूम : सरायकेला-खरसावां जिले के सीनी ओपी क्षेत्र से लापता हुआ नाबालिग इस्माइल प्रधान मंगलवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन पर सकुशल मिल गया। लोगों की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बच्चे के मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस तथा स्थानीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। दरअसल, सीनी ओपी क्षेत्र निवासी इस्माइल प्रधान सोमवार सुबह बिना किसी को बताए साइकिल लेकर घर से निकल गया था। काफी समय बीत जाने के बाद जब वह घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता होने लगी और उसकी तलाश शुरू की गई। खोजबीन के दौरान उसकी साइकिल महाली मुरुप रेलवे स्टेशन के पास लावारिस हालत में खड़ी मिली। इसके बाद आशंका जताई जाने लगी कि वह वहां से किसी ट्रेन में बैठकर कहीं चला गया होगा। इसी बीच टाटानगर रेलवे स्टेशन पर मौजूद कुछ लोगों को बच्चा संदिग्ध स्थिति में घूमता दिखाई दिया। शक होने पर लोगों ने उससे पूछताछ की, जिसमें उसने बताया कि वह सीनी क्षेत्र का रहने वाला है। इसके बाद सतर्क लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दे दी। सूचना मिलते ही सीनी ओपी प्रभारी विनय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ टाटानगर रेलवे स्टेशन पहुंचे और बच्चे को अपने संरक्षण में ले लिया। इसके बाद देर रात उसे सरायकेला लाया गया, जहां आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद नाबालिग को उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया।

एक नजर

योजनाओं में गड़बड़ी पर प्रखंड प्रमुख नाराज विभागीय लापरवाही पर धरना की चेतावनी

ठेठईटांगर : प्रखंड अंतर्गत चल रहे कई योजनाओं में गड़बड़ी पाए जाने की शिकायत पर पिछले 15-18 फरवरी को प्रखंड प्रमुख निरीक्षण किया था इसमें कई गड़बड़ियां पाई गई थी आज पुणः योजनाओं का निरीक्षण करने प्रखंड प्रमुख गए हुए थे जिसमें गड़बड़ी को सुधारने के लिए कहा गया था परन्तु संवेदक एवं विभाग के लापरवाही के कारण इस गड़बड़ कार्य को आगे बढ़ते हुए पुर्ण कर दिया गया है विभाग को लिखित दिया गया था, ना विभाग उसका एस्टीमेट दिया ना कोई जानकारी दिया, नाहीं वहां सुचना पट लगा है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि जिले के अधिकारी जनप्रतिनिधियों का उपेक्षा कर रहे हैं। इस पर ठेठईटांगर प्रखंड प्रमुख सह जिला अध्यक्ष प्रमुख संघ विपिन पंकज मिंज ने काफी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा इस तरह का अपेक्षा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा समय आने पर इसके लिए धरना दिया जाएगा, साथ ही कल एक लिखित माननीय विधायक कोलेबिरा एवं सिमडेगा के साथ उपायुक्त महोदया को भी लिखित ज्ञापन सौंपकर उन्हें गड़बड़ियों से अवगत कराया जाएगा।

सिकरियाटांड इंद मैदान में विराट हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन

पाकरटांड : प्रखंड के सिकरियाटांड इंद मैदान में मंगलवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. सुमन कुमार, प्रधान संरक्षक रामरेखा धाम दुर्गविजय सिंह देव, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष कौशल राज सिंह देव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष किरण चौधरी, श्याम सुंदर मिश्रा, हिंदू जागरण मंच के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम शर्मा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के देवी सिंह, संत उमाकांत जी सहित कई लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दुर्गविजय सिंह देव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रामरेखा धाम के क्षेत्र में इस तरह का सम्मेलन हिंदू चेतना को जगाने का काम कर रहा है और सभी लोगों को संगठन में संगठित रहने की आवश्यकता है।मुख्य वक्ता डॉ. सुमन कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यात्रा तमाम चुनौतियों और परेशानियों के बीच रही है, लेकिन संघ ने हमेशा अपने मूल्य और लक्ष्यों को कायम रखा है। 100 वर्ष की यात्रा में पांच परिवर्तन के लक्ष्यों के साथ समाज में एक नई दिशा देने के लिए संघ प्रतिबद्ध है। आज संघ समरसता और समाज की एकजुटता का संदेश दे रहा है। इसका उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों का निराकरण करते हुए राष्ट्रप्रथम की भावना को बढ़ावा देना है।स्वतंत्रता के बाद से समाज में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए संघ ने भारतीय नागरिकों में राष्ट्रप्रेम और समर्पण का भाव जगाया है। आज क्षेत्र में धर्मांतरण, लव जिहाद, भूमि जिहाद, जनसंख्या जिहाद के अलावा अलग-अलग प्रकार के षड्यंत्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश कर सिमडेगा जैसे सुदूरवर्ती वनवासी क्षेत्र में यह फल-फूल रहा है, जिसे रोकने के लिए हम सभी लोगों को संगठित रहने की आवश्यकता है। सभी लोगों को अपने घर में संस्कारयुक्त शिक्षा देने तथा गौ, गीता, गंगा, गायत्री की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक, स्वास्थ्य सहायता, कृषि योजनाओं व ट्रैक्टर वितरण प्रस्तावों को मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विभिन्न विभागों की जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, कृषि, भूमि संरक्षण सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान आईटीडीए विभाग अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत प्राप्त आवेदनों पर विचार किया गया। इसमें अनुसूचित जनजाति के 13, अनुसूचित जाति के 1 तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के 23 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई। विभिन्न बीमारियों के उपचार के लिए सरकार के निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुसार 3 हजार से 10 हजार रुपये तक की सहायता राशि स्वीकृत की गई, वहीं कैंसर पीड़ित मरीजों के लिए 25 हजार रुपये तक की सहायता प्रदान की गई। कुल मिलाकर 1 लाख 38 हजार 500 रुपये की राशि स्वीकृत की गई। उपायुक्त ने योजना के अंतर्गत शेष आवंटन की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को लाभ पहुंचाते हुए उपलब्ध राशि का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। कृषि विभाग अंतर्गत जिला संचालक समिति की बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन तथा आत्मा शासकीय निकाय के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस दौरान किसानों के प्रशिक्षण, अंतरराज्यीय एवं राज्य स्तरीय भ्रमण, कृषक मेला, कृषक गोष्ठी, बीज वितरण और कर्मियों के मानदेय भुगतान से संबंधित कार्यों की जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रस्तावों पर भी चर्चा करते हुए आवश्यक अनुमोदन प्रदान किया गया। भूमि संरक्षण विभाग अंतर्गत राज्य योजना के तहत वर्ष 2023-24 और 2024-25 के द्वितीय वर्ष में कृषक समूहों, महिला स्वयं सहायता समूहों, पानी पंचायतों, जलसाजन समितियों, लैम्प्स-पैक्स सहित अन्य कृषक संगठनों को मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत लाभुकों की सूची का अनुमोदन किया गया। वहीं वर्ष 2025-26 में पंप सेट वितरण योजना के लिए प्रखंडों द्वारा प्रस्तावित लाभुकों की सूची को भी स्वीकृति दी गई। इसके अलावा केंद्र प्रायोजित आरकेवीवाई एवं रफ्तार योजना के अंतर्गत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के तहत कृषि उपकरण बैंक के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों, उद्यमियों, लैम्प्स-पैक्स, एफपीओ और ग्राम संगठनों के जरिए लघु एवं सीमांत किसानों, अनुसूचित जाति-जनजाति तथा महिला किसानों को 50 से 60 प्रतिशत अनुदान पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में कृषक पाठशाला में संचालित कार्यों की भी समीक्षा की गई।

वरिष्ठ नागरिक आयुष शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुरडेग : जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुभद्रा कुमारी के निदेर्शानुसार मंगलवार को खालिजोर बाजार में वरिष्ठ नागरिक आयुष शिविर" का आयोजन किया गया। शिविर में आयुष डॉ आशीष उरांव व डॉ अरविन्द विश्वकर्मा के देख रेख में 126 मरीजों का सुगर,बी पी जांचकर रोगानुसार निः शुल्क दवा वितरण किया गया।कैम्प में मरीजों को योग, आयुर्वेद की दैनिक जीवन में महत्व एवं उचित आहार विहार पर योग शिक्षक घनश्याम जी एवं जयशीला जी के द्वारा जागरूक किया गया। मौके पर उपस्थित जिला आयुष के हेड क्लर्क मीरा मैम के साथ हरि प्रसाद ने आवश्यक निर्देश दिए। शिविर में आयुष डॉ आशीष उरांव, डॉ अरविन्द विश्वकर्मा, योग शिक्षक घनश्याम जी, जयशीला जी, सहिया साथी जसवन्ती जी, दुलमती जी, प्रतिभा जी, झुलनी जी, सलोमी जी, असुन्ता जी का प्रमुख भूमिका रहा।

भूमि बैंक को लेकर सिमडेगा में सियासत तेज अमृत चिराग तिर्की ने विधायकों से मांगा जवाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड में वर्ष 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा राज्य में भूमि बैंक की व्यवस्था शुरू की गई थी। उस समय सरकार ने उद्योग और विकास परियोजनाओं के लिए जमीन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूरे राज्य में सरकारी और चिन्हित जमीन को ऑनलाइन भूमि बैंक पोर्टल में दर्ज करना शुरू किया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उस दौरान पूरे झारखंड में लगभग 21 लाख एकड़ से अधिक जमीन भूमि बैंक में दर्ज की गई थी। इसमें सिमडेगा जिला भी प्रमुख रूप से शामिल रहा, जहां लगभग 1 से 2 लाख एकड़ के आसपास जमीन को भूमि बैंक में चिन्हित कर डाला गया बताया जाता है। भारत आदिवासी पार्टी के सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने इस मुद्दे को लेकर कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी और सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भूमि बैंक की शुरूआत भाजपा सरकार ने की थी, लेकिन जब राज्य में सरकार बदली और हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी, तब चुनाव के दौरान यह वादा किया गया था कि भूमि बैंक में डाली गई पारंपरिक और सामुदायिक जमीनों की समीक्षा कर उन्हें वापस किया जाएगा। अमृत चिराग तिर्की ने आरोप लगाया कि सिमडेगा जिले में कई जगहों पर आदिवासी समाज की पारंपरिक उपयोग की जमीन और सामुदायिक भूमि भी भूमि बैंक में दर्ज कर दी गई थी, जिससे क्षेत्र में व्यापक असंतोष पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस के नेताओं और स्थानीय विधायकों ने जनता से वादा किया था कि सरकार बनने के बाद भूमि बैंक में डाली गई पारंपरिक जमीनों को वापस किया जाएगा, लेकिन आज कई वर्ष बीत जाने के बावजूद सिमडेगा जिले में भूमि बैंक से एक इंच जमीन भी वापस होने की स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आई है। अमृत चिराग तिर्की ने कड़ा बयान देते हुए कहा, ह्लजब चुनाव आता है तो कुछ नेता धर्म और संविधान खतरे के नाम पर आदिवासी समाज को डराकर वोट लेते हैं और खुद को धर्म और जल जंगल जमीन का ठेकेदार बताते हैं।

बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन अभियान के तहत प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार सिमडेगा की सचिव मरियम हेमरोम के मार्गदर्शन में जिले में बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन हेतु अखिल भारतीय बचाव एवं पुनर्वास अभियान के तहत लगातार जागरूकता एवं निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार,बाल कल्याण समिति एवं श्रम अधीक्षक कार्यालय की संयुक्त टीम द्वारा सलडेगा क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने दुकानों,होटलों एवं अन्य प्रतिष्ठानों में जाकर बाल श्रम की स्थिति की जांच की तथा संचालकों को बाल श्रम निषेध कानून के बारे में जानकारी दी। निरीक्षण के क्रम में किसी भी प्रतिष्ठान में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे काम करते हुए नहीं पाए गए,जिसे टीम ने संतोषजनक बताया। अधिकारियों ने प्रतिष्ठान संचालकों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में बच्चों से मजदूरी या कार्य नहीं कराया जाए तथा यदि कहीं बाल श्रम की जानकारी मिले तो इसकी सूचना प्रशासन को दें। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव मरियम हेमरोम ने कहा कि बाल श्रम एक सामाजिक बुराई है,जिसे समाप्त करने के लिए प्रशासन के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और उनका सुरक्षित बचपन सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से जिले में समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम एवं निरीक्षण अभियान चलाए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान श्रम अधीक्षक कार्यालय व बाल कल्याण समिति के अधिकारी तथा पारा लीगल वोलेंटियर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सरकारी योजनाओं से वंचित दिव्यांग युवती पेंशन और प्रमाण पत्र के लिए तरस रहा परिवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जलडेगा : सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए कई तरह की योजनाएं चलाने और उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का दावा किया जाता है, लेकिन कई मामलों में जमीनी हकीकत इन दावों से अलग नजर आती है। ऐसा ही एक मामला जलडेगा प्रखंड के कुटुंगिया पंचायत अंतर्गत एक गांव से सामने आया है, जहां 19 वर्षीय दिव्यांग युवती शांति जोजो आज भी सरकारी योजनाओं से वंचित होकर गरीबी और लाचारी में जीवन बिताने को मजबूर है। शांति जोजो स्वर्गीय सोमा जोजो की पुत्री है और कई वर्षों से दिव्यांगता की मार झेल रही है। युवती के भाई अमृत जोजो ने बताया कि शांति पहले गांव के स्कूल में पढ़ने जाती थी और उस समय कक्षा दो में पढ़ रही थी। इसी दौरान वह गंभीर रूप से बीमार पड़ गई, जिसके बाद उसका पूरा शरीर विकलांग हो गया और वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गई। परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर होने के कारण उसका समुचित इलाज नहीं हो सका। अमृत जोजो ने बताया कि उस समय उन्हें किसी भी प्रकार की सरकारी सहायता नहीं मिली और न ही किसी ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। समय बीतता गया, लेकिन आज तक शांति जोजो को किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि शांति जोजो का अब तक दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी नहीं बन पाया है, जबकि वह पूरी तरह से दिव्यांग और असहाय अवस्था में है।

मानव-हाथी संघर्ष पर विधानसभा में गूंजा सिमडेगा का मुद्दा, विधायक भूषण बाड़ा ने मांगा ठोस समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष का मुद्दा मंगलवार को विधानसभा में जोरदार तरीके से उठा। सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र के विधायक भूषण बाड़ा ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से राज्य के कई जिलों में बढ़ रही हाथी-मानव संघर्ष की घटनाओं को लेकर सरकार से जवाब मांगा। विधानसभा में दिए गए जवाब में सरकार ने स्वीकार किया कि राज्य में मानव-हाथी संघर्ष एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। वर्ष 2019 से 2026 तक हाथियों के हमले में 474 से अधिक लोगों की मौत दर्ज की जा चुकी है, जो चिंता का विषय है। विधायक ने सत्र के माध्यम से सरकार को बताया कि रामगढ़, पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, पलामू, लातेहार, सिमडेगा, गुमला और खूंटी सहित कई जिलों में हाथियों के गांवों में घुसने और फसल को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। रात के समय हाथियों के झुंड खेतों और बस्तियों में पहुंच जाते हैं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना रहता है। जंगलों की कटाई, खनन, शहरीकरण और कृषि विस्तार के कारण हाथियों के प्राकृतिक गलियारे प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों का चौड़ीकरण, रेलवे लाइन का विस्तार और अन्य विकास परियोजनाओं के कारण भी हाथियों के आवागमन के रास्ते बाधित हुए हैं। भोजन और पानी की तलाश में हाथी आबादी वाले क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकार ने विधानसभा को बताया कि वर्तमान में झारखंड में लगभग 600 हाथियों की मौजूदगी है। इस समस्या से निपटने के लिए वन विभाग द्वारा कई स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। संवेदनशील इलाकों में त्वरित प्रतिक्रिया दल (दफ्ळ) की तैनाती की गई है। जो हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने और ग्रामीणों को सतर्क करने का काम करता है। इसके अलावा कई गांवों में वॉच टावर का निर्माण, मशाल, टॉर्च और अन्य सामग्री का वितरण किया गया है। ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए एफएम रेडियो और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचना साझा की जा रही है। साथ ही हाथियों की गतिविधियों की जानकारी देने के लिए हमर हाथी ऐप भी विकसित किया गया है। हाथियों को नियंत्रण करने के लिए कर्नाटक से प्रशिक्षित कुमकी हाथियों को लाएगी सरकार सरकार ने बताया कि भविष्य में इस समस्या के समाधान के लिए कर्नाटक से प्रशिक्षित कुमकी हाथियों को लाने की योजना है। जिससे जंगली हाथियों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही थर्मल ड्रोन, नाइट विजन बाइनाकुलर, रेडियो कॉलर और एआई आधारित अलर्ट सिस्टम जैसे आधुनिक तकनीकों के उपयोग की भी तैयारी की जा रही है। मानव-हाथी संघर्ष से हो रही जनहानि को देखते हुए मुख्यमंत्री स्तर पर भी इस विषय पर उच्चस्तरीय बैठक की गई है। सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि हाथियों के हमले से आम लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग त्वरित और प्रभावी कदम उठाए।

संक्षिप्त खबरें

जलडेगा में मासिक गुरुगोष्ठी आयोजित, शिक्षकों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

जलडेगा : प्रखंड सभागार में मंगलवार को प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनमोहन कुमार गोस्वामी की अध्यक्षता में मासिक गुरुगोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में शिक्षा विभाग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए शिक्षकों को कई आवश्यक निर्देश दिए गए। गुरुगोष्ठी के दौरान उल्लास कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को अपने-अपने विद्यालय के पोषक क्षेत्र से नवसाक्षरों को 15 मार्च 2026 को होने वाले मूल्यांकन में अनिवार्य रूप से उपस्थित कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत प्रतिदिन एसएमएस को ऑनलाइन करने, स्कूलों में ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः विद्यालय से जोड़ने तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में छात्राओं के नामांकन बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। इस मौके पर रॉबर्ट समद, राजेश कुमार, सत्यवान साहू, भरत महतो, विद्याधर सिंह, जयप्रकाश सिंह, भूपेंद्र बड़ाइक, शमीम अंसारी सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

लोमबोई राजस्व गांव में ग्राम सभा का किया गया पुनर्गठन

जलडेगा : प्रखण्ड के लोमबोई राजस्व गांव में शिशिर लुगुन की अध्यक्षता में ग्राम सभा का पुनर्गठन किया गया, सर्वसहमति से ग्राम सभा के अध्यक्ष पद के लिए राजा जुनूल तोपनो, उपाध्यक्ष पद के लिए प्रदीप कंडुलना,सचिव पद के लिए मुकुट बागे, सहसचिव पद के लिए जयधर नागेश्वर कोषाध्यक्ष पद के लिए सुगड़ समद, सुनील समद, संगीता देवी तथा कार्यकारिणी सदस्य में हिरामति देवी, शरण सिंह, उदय समद, सागेन कंडुलना, प्रभु सहाय समद, जयनाथ बेसरा, मधुर कंडुलना, मोनिका लुगुन,सैयुन तोपनो, विश्राम होरो, नमलेन तोपनो,प्रदीप होरो, जानकी देवी, सरिता देवी, प्यारी तोपनो सहित अन्य बनाएं गये, इसके साथ ही ग्राम विकास समिति, सार्वजनिक संपदा समिति, कृषि समिति, स्वास्थ्य समिति, आधारभुत संरचना समिति, शिक्षा समिति, निगरानी समिति सहित कई समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य चयनित किए गए। मौके पर गुलाब सिंह, मेघनाथ नागेश्वर, निमन समद, पिंकी देवी, लीलावती देवी, अर्जुन गोड़,नमन तोपनो,सुरसेन जोजो, सालमोन लुगून, अर्जुन बेसरा,सिलधर गोड़, राजु मांझी, इमानुएल तोपनो, सागेन कंडुलना, गलोरिया कंडुलना, भिमसेंट कंडुलना, सुजीत तोपनो सहित काफी संख्या में लोमबोई राजस्व ग्राम से आने वाले ग्रामीण उपस्थित रहे।

बंगाल चुनाव की तैयारी तेज, कोलकाता में कांग्रेस की बैठक में शामिल हुए विधायक भूषण बाड़ा

सिमडेगा : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की तैयारियों को धार देने के लिए मंगलवार को कोलकाता में कांग्रेस की एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई पदाधिकारी सहित सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा भी प्रमुख रूप से शामिल हुए। विधायक भूषण बाड़ा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्बा मेदिनीपुर-कजिले का जिला पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने के बाद यह उनकी पहली आधिकारिक सांगठनिक बैठक थी। कोलकाता के सीआईटी रोड स्थित पीसीसी कार्यालय में आयोजित इस बैठक में नवनियुक्त सभी जिला पर्यवेक्षकों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करना और चुनावी रणनीति तैयार करना था। सुबह 11 बजे के बाद शुरू हुई इस बैठक में चुनावी तैयारियों की समीक्षा की गई। भूषण बाड़ा ने बैठक के दौरान कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे उस पर खरा उतरेंगे और जल्द ही अपने आवंटित जिले का दौरा कर कार्यकताओं में नया जोश भरेंगे। बैठक में पश्चिम बंगाल के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पार्टी के शीर्ष नेता धीरज प्रसाद साहू, राजेश ठाकुर, प्रदीप बलमुचू आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत किसानों का दल ग्रेटर नोएडा रवाना, डीसी ने दिखाई हरी झंडी

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड सरकार के जिला कृषि कार्यालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय बागवानी मिशन (ठल्ट) योजना के अंतर्गत आयोजित अंतरराज्यीय प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण कार्यक्रम के तहत चयनित किसानों के दल को ग्रेटर नोएडा, दिल्ली एनसीआर के लिए रवाना किया। उपायुक्त ने बस को हरी झंडी दिखाकर किसानों को शुभकामनाएं देते हुए उन्नत कृषि तकनीकों को सीखकर जिले में लागू करने की अपील की। यह प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण कार्यक्रम 10 मार्च से 17 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान किसान ग्रेटर नोएडा और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत संचालित आधुनिक बागवानी तकनीकों, उन्नत खेती के तरीकों और सफल कृषि मॉडल का अध्ययन करेंगे तथा विशेषज्ञों से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी श्रीमती माधुरी टोप्पो भी उपस्थित रहीं।

कला, संस्कृति और शिक्षा का संगम आयरलैंड

योरप के पश्चिमी छोर पर स्थित नन्हा-सा देश रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड जहां अपने सुदीर्घ इतिहास और कला-संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहीं शिक्षा के लिहाज से भी यह विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। आयरलैंड की कला और संस्कृति को योरप क्या, संपूर्ण विश्व में आदर के साथ देखा जाता है। बड़े-बड़े साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में यहां के जीवन, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति एवं सभ्यता का बखूबी बखान किया है। आयरिश संगीत एवं नृत्य को भला कौन नहीं जानता! यहां के प्राचीन किले वास्तुकला का बखान करते हैं।

आयरलैंड को उसकी उन्नात शिक्षा प्रणाली के लिए भी जाना जाता है। दीर्घकाल से यहां विदेशी विद्यार्थियों की उपस्थिति रही है। यहां सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के अलावा बड़ी संख्या में गैर-सरकारी कॉलेज एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूट मौजूद हैं। डबलिन का ट्रिनिटी कॉलेज आयरलैंड का प्राचीनतम विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1592 में की गई थी।

शोध में शीर्ष पर

विश्व के सभी देशों में आज शोध कार्यों को वरीयता दी जा रही है। आयरलैंड भी इससे अछूता नहीं है। शोध कार्यों को यहां प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण संस्थानों का प्रयास रहता है कि इस काम में किसी भी तरह की अड़चन न आए। यहां से शोध कार्य करके निकले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष मुकाम हासिल करने में सफल हुए हैं। आयरलैंड के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धात्मक माहौल स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके अपने आप को शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में बनाए रखना होता है।

विषयों की बहुलता

आयरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के सामने विषय का चयन कोई आसान काम नहीं है। विषयों की अधिकता और सभी में उत्कृष्ट शिक्षा उन्हें अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है। मसलन, आयरलैंड और साहित्य के बीच गहरा नाता है। यहां का लगभग प्रत्येक नागरिक कहीं-न-कहीं साहित्य के प्रति गहरी आस्था रखता है। यहां के कई साहित्यकारों ने विश्व साहित्य पर अपनी छाप छोड़ी है। विदेशी विद्यार्थी हों या स्थानीय, दोनों ही लिटरेचर कोर्सेस में खासी दिलचस्पी दिखाते हैं। आयरलैंड ने एक ओर जहां आधुनिक तकनीक को अपनाया है, वहीं अपनी प्राचीन परंपराओं को भी सहेजकर रखा है। शिक्षण संस्थानों में गौरवशाली प्राचीन संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं हर आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को मुहैया कराई जाती है। यहां के समस्त शिक्षण संस्थानों में कम्प्यूटर एजुकेशन पर विशेष जोर दिया जाता है। साहित्य एवं टेक्नोलॉजी तो स्थानीय एवं विदेशी विद्यार्थियों की वरीयता सूची में हैं ही, लेकिन अब कम्यूनिकेशन और इतिहास विषय भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। इन विषयों में विद्यार्थियों को आधुनिकतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

अन्य सुविधाएं

अगर आप आयरलैंड में पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको उस संस्थान की अनुमति लेनी होगी, जहां आपने प्रवेश लिया है। निर्धारित नियमों के अंतर्गत सोच-विचार करके आपको सप्ताह में कुछ घंटे तक जॉब करने की अनुमति मिल सकती है।

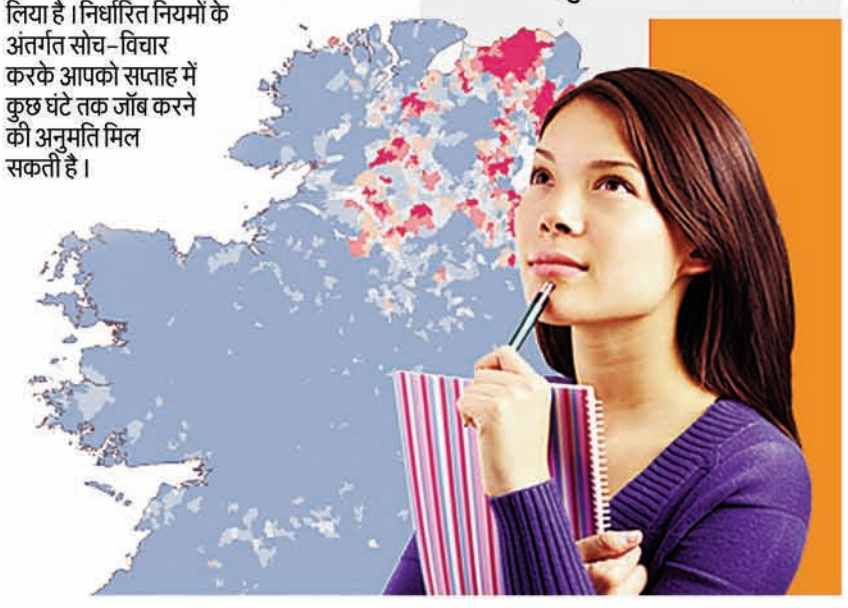

दवा मार्केटिंग के मास्टर

फार्मास्युटिकल उद्योग तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। शानदार ग्रोथ की वजह से इसमें नौकरियां भी तेजी से बढ़ी हैं। अगर आप साइंस बैकग्राउंड के हैं और सेल्स तथा कस्टमर को मैनेज करने का हुनर रखते हैं, तो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में करियर की बेहतरीन शुरूआत कर सकते हैं। भारत का फार्मा सेक्टर 13-14 फीसदी सालाना की दर से ग्रो कर रहा है। मेडिकल फील्ड में हो रही गतिविधियों के कारण मेडिसिन मार्केट भी कमर्शियल रूप से काफी आगे बढ़ रहा है। एफडीआई के बाद से इसमें और विस्तार होने की उम्मीद की जा रही है। कई विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों का पेटेंट कराकर भारत में कारोबार करने आ रही हैं। इससे घरेलू फार्मा इंडस्ट्री और तेजी से विकसित हो रही है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में इस फील्ड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए जॉब्स की कमी नहीं होगी।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स फार्मास्युटिकल कंपनीज और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच की कड़ी होते हैं। वे उत्पादों को एक रणनीति के साथ बाजार में प्रमोट करते हैं। वन-टु-वन के अलावा वे ग्रुप इवेंट्स ऑर्गेनाइज कर दवाइयों के प्रति जागरूक करते हैं। फार्मास्युटिकल कंपनीज मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को नियुक्त करती हैं, ताकि वे कस्टमर्स और डॉक्टर्स को अपने प्रोडक्ट की उपयोगिता के प्रति संतुष्ट कर सकें। इस तरह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव दवाइयों की मार्केटिंग में एक अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-अलग दवा कंपनियां अपने यहां नियुक्ति के बाद कैंडिडेट्स को स्पेशल स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देती हैं। उन्हें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, सेल्समैनशिप की ट्रेनिंग के अलावा डॉक्टर्स की प्रोफाइल, उत्पादों की जानकारी और फील्ड ट्रेनिंग दी जाती है, जिसके तहत सैलिंग टेक्नीक्स बताई जाती हैं। फील्ड ट्रेनिंग के दौरान फ्रैश ग्रेजुएट्स को किसी सीनियर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अधीन काम करना होता है।

जरूरी स्किल्स

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनने के लिए आपके पास मेडिकल फील्ड, मैनेजमेंट और मेडिसिन की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। आपको मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की भी जानकारी रखनी होगी। ऐसे में आपके पास कम्युनिकेशन स्किल्स के साथ-साथ अंग्रेजी-हिंदी की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इस फील्ड में काम के कोई तय घंटे नहीं होते हैं, इसलिए आपको इसके लिए पहले से तैयार रहना होगा। खुद को फिजिकली भी फिट रखना होगा।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

फार्मा बिजनेस मैनेजमेंट में बीबीए या एमबीए, फार्मास्युटिकल एंड हेल्थकेयर मार्केटिंग में पीजी डिप्लोमा, फार्मा मार्केटिंग में डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आप इस फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सेलिंग और मार्केटिंग की स्किल रखने वाले साइंस ग्रेजुएट्स भी एंट्री ले सकते हैं। आज कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इससे संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मार्केटिंग से संबंधित कोर्स भी शुरू हो चुके हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आपको साइंस के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश के लिए स्टूडेंट्स के पास बीएससी, बीफार्मा की डिग्री होनी चाहिए। 12वीं (मैथ्स और बायोलॉजी) के बाद बीबीए (फार्मा बिजनेस) में दाखिला लिया जा सकता है।

सैलरी पैकेज

सामान्य तौर पर शुरूआती वेतन 10 से 20 हजार रुपए तक होता है लेकिन अनुभव के आधार पर आमदनी में इजाफा होता रहता है। कुछ अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। पांच या सात साल के अनुभव के बाद वेतन लाखों में हो सकता है। इसके अलावा, आपके परफॉर्मेंस के आधार पर समय-समय पर इंसेंटिव सहित कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। सेल्स टारगेट अचीव करने वालों को कई बार ब्रांड मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी तक सौंप दी जाती है। इससे आपकी आमदनी बढ़ने के साथ-साथ मार्केट में एक अलग पहचान बनती है।

तरक्की की संभावनाएं

सेल्स परफॉर्मेंस और कस्टमर्स को मैनेज करने का हुनर रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में शानदार करियर बना सकते हैं। जो लोग कंपनी के टारगेट को समय-समय पर अचीव करते चलते हैं, उन्हें प्रमोशन मिलने में भी देर नहीं लगती है। आप एरिया मैनेजर, रीजनल या जोनल मैनेजर, डिवीजनल सेल्स मैनेजर, डिवीजनल कंट्रोलर, डिप्टी मार्केटिंग मैनेजर के अलावा मार्केटिंग मैनेजर के रूप में प्रमोशन पा सकते हैं। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अलावा, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव, बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने का पूरा अवसर है। एमबीए या फार्मेसी की डिग्री रखने वाले एरिया मैनेजर, सर्कल मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर, क्वॉलिटी कंट्रोल मैनेजर, ब्रांड मैनेजर या मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में दवा कंपनियों के साथ जुड़ सकते हैं। इन कंपनियों में एक-दो साल का अनुभव रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को इंटरव्यू के आधार पर नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा, समय-समय पर अखबारों में और वेब साइट्स पर भी विज्ञापन निकलते रहते हैं।

यूं बढ़ रही है स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग

आज भारतीय उपभोक्ताओं के पास हर उत्पाद के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए ग्राहक को आकर्षित करने की कोशिश करती है। इस पूरी प्रक्रिया में ब्रांडिंग की बड़ी भूमिका होती है।

उपभोक्ता के मन में एक प्रोडक्ट की स्थायी जगह बनाने में ब्रांडिंग का बड़ा हाथ होता है। हर बड़ी कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को बाजार में प्रमोट करने के लिए ब्रांड मैनेजर्स को हायर करती है। ब्रांडिंग प्रक्रिया में नए उत्पाद के लॉन्च होने से लेकर उसे उपभोक्ता की जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने तक की रणनीति शामिल होती है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज की ब्रांडिंग के लिए ऐसे लोगों को हायर करना चाहती है, जिनके पास प्रमोशन के विभिन्न आइडियाज हों। अगर आप भी इस तरह के करियर ऑप्शन की तलाश में हैं, तो ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए आदर्श करियर बन सकता है।

कैसे करें शुरूआत?

ब्रांड मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आप ग्रेजुएशन के बाद ब्रांड मैनेजमेंट से एमबीए करके स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा एमबीए-मार्केटिंग से स्पेशलाइजेशन करके इस करियर को शुरू किया जा सकता है।

करियर की संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद फ्रेशर्स को एंट्री लेवल पर असिस्टेंट ब्रांड मैनेजर की जॉब मिल सकती है। अपने अच्छे आइडियाज, परफॉर्मेंस और इनोवेशन से उम्मीदवार मिड लेवल तक पहुंच सकते हैं यानी ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं।

किस एरिया में जॉब?

प्रतिभाशाली और स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग फार्मास्यूटिकल, मोबाइल, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर कंपनियों, मीडिया हाउसेस, ऑटोमोबाइल कंपनीज वगैरह में काफी है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए हर कंपनी अपने प्रोडक्ट की ब्रांडिंग आकर्षक तरीके से करनी चाहती है।

कितना पैकेज?

इस इंडस्ट्री में फ्रेशर्स का स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज तीन से साढ़े तीन लाख प्रति वर्ष हो सकता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कौन-से संस्थान में और किस शहर में काम कर रहे हैं।

ये गुण जरूरी

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए एक व्यक्ति को न मोटिवेटेड और बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहना जरूरी होता है।

- अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी चाहिए।
- सुपरविजन, प्रॉब्लम सॉल्विंग और प्लानिंग स्किल्स में भी आगे होने चाहिए।
- उम्मीदवार किस तरह के आइडियाज के साथ प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कितने क्रिएटिव तरीके से करते हैं और उसका कैसा रिस्पांस मिलता है, यह भी बहुत मायने रखता है।

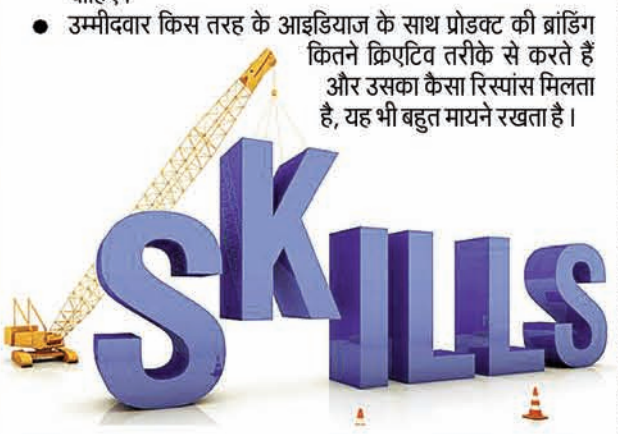

टी20 विश्व कप : 131 करोड़ से भी खुश नहीं भारतीय क्रिकेटर, कहा- इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद Board of Control for Cricket in India (BCCI) ने भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि की घोषणा की है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। हालांकि इस बड़ी घोषणा के बावजूद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए इनाम की राशि और अधिक होनी चाहिए थी।

बीसीसीआई ने किया 131 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए कुल 131 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की। भारतीय क्रिकेट में यह इनाम हाल के वर्षों में घोषित की गई सबसे बड़ी रकमों में से एक माना जा रहा है। बोर्ड ने यह फैसला टीम के शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धि को सम्मान देने के लिए लिया। इस जीत ने न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि भारतीय क्रिकेट की ताकत को भी एक बार फिर दुनिया के सामने साबित किया।

हरभजन सिंह को थी और ज्यादा उमीद

इनामी राशि की घोषणा के बाद पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि टीम की उपलब्धि को देखते हुए उन्हें इससे भी बड़ी इनामी राशि की उम्मीद थी। हरभजन का मानना है कि जब कोई टीम इतने बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करती है और इतिहास रचती है, तो उसे मिलने वाला पुरस्कार भी उसी स्तर का होना चाहिए।हालांकि उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की खुलकर तारीफ की और कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में दबदबा बनाकर दुनिया को दिखा दिया कि भारतीय क्रिकेट कितनी मजबूत स्थिति में है।

भारत की ऐतिहासिक जीत

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद यादगार रहा। भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम कई नए रिकॉर्ड बनाने में सफल रही। भारत अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके अलावा भारत टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम भी बन गया।

तीसरी बार जीती टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी

इस जीत ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप

इतिहास की सबसे सफल टीमों में शामिल कर दिया। भारतीय टीम ने इससे पहले 2007 और 2024 में भी यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी। 2026 में मिली जीत के साथ भारत तीन बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गया। यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद गर्व का विषय है और इससे टीम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अर्शदीप के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

-फाइनल में कीवी बल्लेबाज की ओर फेंकी थी गेंद

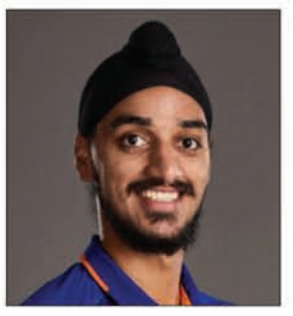

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है। अर्शदीप ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर आक्रामक अंदाज में गेंद फेंकी थी जिससे शिकायत मिचेल ने अंपायर से भी की थी। आईसीसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।

फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने अपने दूसरे ओवर के दौरान गेंद को आक्रामक अंदाज में मिचेल की ओर फेंक दिया। यह गेंद सीधे मिचेल के कंधे पर जाकर लगी। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। मिचेल इस घटना से नाराज नजर आए और उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से शिकायत की। दोनों खिलाड़ियों के बीच स्थिति तनातनी बढ़ती देखकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच में आना पड़ा। उन्होंने किसी प्रकार से मामले को हल कराया। यह मामला आईसीसी आचार संहिता के तहत जांच के दायरे में आ सकता है। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा बल्लेबाज की ओर खतरनाक तरीके से गेंद फेंकी जाती है, तो इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है। ऐसे मामलों को आमतौर पर लेवल-1 अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में यदि अर्शदीप दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर मैच फीस का अधिकतम 50 फीसदी तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उनके खाते में एक या दो नकारात्मक अंक पॉइंट भी जोड़े जा सकते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, अगर किसी खिलाड़ी के खाते में 24 महीनों के भीतर चार नकारात्मक अंक जमा हो जाते हैं, तो उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को एक टेस्ट मैच या दो सीमित ओवरों के मैचों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए मैदान पर अनुशासन बनाए रखना चाहिये। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप ने खेल भावना दिखाते हुए मिचेल से माफी मांग ली। मिचेल ने भी उनकी माफी स्वीकार कर ली, जिससे मामला मैदान पर शांत हो गया। इसके बावजूद आईसीसी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकता है।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड की स्वदेश वापसी पर दी सफाई

-एयरस्पेस की उपलब्धता के आधार पर हुआ फैसला

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप के लिए भारत पहुंची वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड के स्वदेश लौटने पर लगे भेदभाव के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इसके पीछे एयरस्पेस और उड़ानों की उपलब्धता बड़ा कारण रही है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई यातायात प्रभावित होने से 20 विश्व कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान कुछ टीमें भारत में ही फंस गयी थी। इनमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल थी। 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने वाली वेस्टइंडीज और 4 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम काफी समय भारत में ही फंसी रही जबकि 5 मार्च को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड इनसे पहले स्वदेश लौट गयी। इससे विवाद खड़ा हो गया है और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर भेदभाव का आरोप लगा दिया है। इन टीमों ने इंग्लैंड के जल्दी स्वदेश लौटने पर सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी आईसीसी पर खास ध्यान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। आईसीसी टेबल पर किसी टीम का ताकतवर होना अहम नहीं होना चाहिए।

वहीं इस मामले में आईसीसी ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया। रवाना होने के क्रम पर फैसले सिर्फ एयरस्पेस की उपलब्धता, एयरक्राफ्ट रूटिंग अनुमति, वीजा की जरूरतों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिए गये। यह कहना कि टीमों को इन बाधाओं के अलावा किसी और वजह से प्राथमिकता दी गई है, सही नहीं है।

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। सूर्यकुमार ने कहा कि है भारतीय टीम की जीत का राज आक्रामक रवैया अपनाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि साल 2024 में मिली जीत के बाद से ही टीम आक्रामक अंदाज में खेलती आई है। सूर्या ने कहा कहा कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत का रात एकजुट होकर खेलना रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में बाधाएं आईं थीं पर, टीम ने सभी को हटाते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी और पूरे टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले एक महीने का सफर बेहद शानदार रहा है, हालांकि शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी हम चाहते थे पर खेल में ऐसा ही होता है। इस पूरे सफर में एक टीम के रूप में हमने काफी कुछ सीखा है। ऐसे में अब अगला लक्ष्य निश्चित रूप से ओलंपिक है, और उसके बाद होने वाला टी20 विश्व कप रहेगा।

सूर्या ने कहा कि पिछले विश्वप के बाद से ही टीम ने अधिक आक्रामक और आधुनिक शैली अपनाई, जिससे हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2024 में एक अलग तरह का क्रिकेट खेला और वहीं से हमें समझ आया कि इस टीम को आगे कैसे बढ़ना है, कैसे खेलना है। और तब से यह एक शानदार सफर रहा है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का मनोबल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मिली सफलता से बढ़ा जिससे उसकी रणनीति सही साबित हुई और इसके बाद से ही ये सिलसिला बढ़ता गया है। । उन्होंने आगे कहा कि हमने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जब जीती थी तब अलग तरह से क्रिकेट खेला और वहीं 2026 की जीत खास अंदाज में दर्ज की है।

इसलिए इस सिलसिले को बनाये रखना चाहिये।

इरफान पठान ने भारतीय टीम सफलता का श्रेय कोच और कप्तान को दिया

अहमदाबाद । पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम अभी विश्व की सीमित ओवरों के प्रारुप की सबसे अच्छी टीम है। पठान ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन दोनो ने ही टीम को यहां तक पहुंचाया है। पठान के अनुसार भारतीय टीम की लगातार सफलता के का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम बेहद आत्मविश्वास के साथ खेल रही है। वहीं गंभीर ने खिलाड़ियों को सही भूमिका देकर टीम को संतुलित बनाया है।

पठान ने यह भी कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत उनकी विनम्रता है। वे टीम की सफलता का श्रेय हमेशा खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को देते हैं, जिससे टीम का माहौल सकारात्मक बना रहता है और खिलाड़ी खुलकर प्रदर्शन करते हैं। पठान के अनुसार टीम निडर होकर खेलती है, कोच और कप्तान अपने खिलाड़ियों का समर्थन भी करते हैं। टीम कठिन फैसले भी लेती है।

कृष्णा नागर को राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में दोहरी सफलता

हैदराबाद । पैरालंपिक चैंपियन कृष्णा नागर ने मंगलवार को यहां सातवीं सीनियर राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप के एसएच 6 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। कृष्णा ने पुरुषों के एकल एसएच 6 फाइनल में सुदर्शन एमएस को 21-10, 21-19 से हराकर खिताब अपने नाम किया। कृष्णा ने इसके बाद मिश्रित एसए 6 वर्ग में नित्या श्री सुमति सिवन के साथ मिलकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक मेडल जीता। इस जोड़ी ने सुदर्शन एमएस और श्रेया कुमारी को 21-7, 21-11 से हराया। एसएच 6 पैरा बैडमिंटन में छोटे कद के खिलाड़ियों के लिए एक वर्ग है जो आमतौर पर बौनेपन जैसी स्थिति के कारण होता है।

टी20 विश्वकप इतिहास में पांड्या सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने, युवराज दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या टी20 विश्वकप इतिहास में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। पांड्या ने अब तक विश्वकप में कुल 34 छक्के लगाये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम था। युवराज ने कुछ 3 छक्के लगाये थे। अब पांड्या टी20 विश्वकप में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं युवराज दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। पांड्या ने इस बार विश्वकप में कुल 15 छक्के लगाये हैं। इससे पहले खेले गये टी20 विश्व कप में पांड्या ने कुल 19 छक्के लगाये थे। ये छक्के उन्होंने नंबर 4 से नंबर 7 तक बल्लेबाजी करते हुए लगाये थे। इस तरह कुल 34 छक्के उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए लगाये हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के नंबर 4 से लेकर नंबर 7 के बीच सबसे ज्यादा छक्के हैं। इस सूची में 33 छक्कों के साथ युवराज दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस सूची में तीसरे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल हैं, जिन्होंने 28 पारियों में 32 छक्के मध्यक्रम में लगाये हैं। वहीं सूर्यकुमार के नाम 31 छक्के हैं और वह चौथे नंबर पर हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ने 28 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं।

महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर : भारत को सेमीफाइनल में जगह के लिए ड्रॉ की जरूरत

हैदराबाद(एजेंसी)। भारत को एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूल चरण के अपने अंतिम मैच में बुधवार को यहां वेल्स के खिलाफ कम से कम ड्रॉ हासिल करने की कोशिश करनी होगी। भारत फिलहाल पूल बी में दो मैचों में चार अंकों के साथ शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर मौजूद स्कॉटलैंड के भी चार अंक हैं, लेकिन भारत का गोल अंतर बेहतर है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और भारत को अगर-मगर के बिना अंतिम चार में पहुंचने के लिए ड्रॉ या जीत की आवश्यकता होगी।

भारतीय टीम इस मुकाबले में अगर हार का सामना करती है तो उसके चार अंक ही रहेंगे और उसका क्वालीफिकेशन स्कॉटलैंड और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच पर निर्भर करेगा। भारतीय महिला टीम का अब तक का अभियान शानदार रहा है। उसने आठ मार्च को

उरुग्वे पर 4-0 की बड़ी जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की और फिर सोमवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 2-2 से ड्रॉ खेला।

युवा फॉरवर्ड सुनेलिता टोप्पो बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने दोनों मैचों में गोल किए हैं। अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी लालरेम्सियामी, नवनीत कौर और रुतुजा दादासो पिसाल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल दागे हैं और गोल करने के कई मौके बनाए हैं। भारतीय रक्षापंक्ति भी मजबूत रही है। गोलकीपर बिचु देवी ने लगातार महत्वपूर्ण बचाव किए हैं। हैदराबाद में अपने घरेलू दर्शकों के उत्साह से भरे माहौल में खेलने से मेजबान टीम को जबरदस्त ऊर्जा मिली है। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे अब तक टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'शुरुआती दो मैचों के बाद टीम में सकारात्मक माहौल है। युवा खिलाड़ी मौके का पूरा फायदा उठा रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टीम बेहतरीन तरीके से खेल रही है और यह हमारे लिए बहुत अच्छी बात है।' टेटे ने कहा, 'हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं और चैंपियन बनना चाहते हैं। जब टीम एक साथ होती है तो हम इसी बारे में बात करते हैं और यही हमारा लक्ष्य है।'

वेल्स के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड शानदार है। भारत ने दोनों देशों के बीच छह मुकाबलों में से पांच में जीत दर्ज की है। वेल्स हालांकि इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए कड़ी टक्कर देगा, इसलिए भारत को अति आत्मविश्वास से बचते हुए एकाग्रता के साथ खेलना होगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें इस साल के अंत में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। दिन के अन्य मैचों में इंग्लैंड ऑस्ट्रिया से, इटली कोरिया से और स्कॉटलैंड उरुग्वे से भिड़ेगा।

चीनी ताइपे के खिलाफ हार के साथ भारत एएफसी महिला एशियाई कप से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम मंगलवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के अपने आखिरी मैच में चीनी ताइपे से 1-3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय टीम को मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहने की भारी कीमत चुकानी पड़ी। मैच के बड़े हिस्से में हावी रहने और कई मौके बनाने के बावजूद भारतीय टीम को मौकों को भुनाने में नाकामी का खामियाजा भुगतना पड़ा और टीम पहली बार मेरिट के आधार पर इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के बाद जल्दी बाहर हो गई। भारत के लिए एकमात्र गोल मनीषा कल्याण ने 39वें मिनट में किया। इस विंगर ने लगभग 30 यार्ड की दूरी से दमदार शॉट लगाकर गोल दागा। चीनी ताइपे ने 12वें मिनट में बढ़त बनाई जब वाईएच सु ने गोल दागा। भारतीय गोलकीपर एलांगबाम पंथोई चानू विरोधी खिलाड़ी जेडब्ल्यू चेन को रोकने के लिए आगे बढ़ीं। चेन ने हालांकि चानू को छकाते हुए गेंद सु को दी जिन्होंने इसे गोल में पहुंचा दिया। भारत ने मनीषा के गोल से स्कोर बराबर किया लेकिन मध्यांतर से ठीक पहले (45+नौवें मिनट) वाईवाई सू का शॉट पोस्ट के कोने से टकराया और फिर चानू टकराकर गोल में चला गया। यह तब हुआ जब प्यारी खाखा ने बॉक्स के अंदर गेंद को हाथ लगा दिया और रैफरी ने 'हैंडल्ड द बॉल' के लिए पेनल्टी किक दी। चीनी ताइपे के लिए 77वें मिनट में यू चिन चेन ने तीसरा गोल दाग। भारत इससे पहले वियतनाम और जापान से हार चुका था और टूर्नामेंट के अगले चरण में पहुंचने के लिए उसे चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल से हराना था और वियतनाम पर जापान की जीत की उम्मीद करनी थी। जापान ने वियतनाम को 4-0 से हराया।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले, बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्कप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया। हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है। हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले हैं, इसलिए हमें लगा कि बांग्लादेश दौरे में युवाओं को उतारना चाहिये। हेसन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि किसी को बाहर किया गया। हम केवल इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अपने को साबित करने का अवसर दे रहे हैं।

लक्ष्य सेन थोड़े निराश, लेकिन अब ध्यान चोट से उबरने और बड़े टूर्नामेंटों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में मिली शिकस्त से 'थोड़े निराश' भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने स्वीकार किया है कि आधुनिक पुरुष एकल मुकाबलों की बढ़ती शारीरिक मांगों के कारण उन्हें अपनी रिकवरी (चोट और थकान से उबरने की प्रक्रिया) और तैयारी की रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। लक्ष्य दूसरी बार ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे।

उन्होंने बर्मिंघम में शारीरिक तौर पर थका देने वाले सप्ताह के दौरान कई कड़े और अधिक समय वाले मुकाबले खेले। उन्हें फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से हार का सामना करना पड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के इस 24 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'कुल मिलाकर यह सप्ताह अच्छा लेकिन भावनात्मक रहा। दूसरी बार फाइनल में पहुंचकर भी खिताब नहीं जीत पाना मैच के बाद थोड़ा निराशाजनक लगता है। पूरे टूर्नामेंट को देखें तो कुछ अच्छी जीत मिलीं, अच्छा अभियान रहा और जिस तरह मैंने मैच खेले, उससे आने वाले टूर्नामेंटों के लिए उम्मीदें बनी हैं।'

लक्ष्य ने इस सप्ताह कोर्ट पर पांच घंटे से अधिक समय बिताया। इसमें एक बेहद कठिन सेमीफाइनल भी शामिल था। इस मुकाबले में उन्हें गंभीर ऐंठन से जूझना पड़ा। इसके बाद फाइनल में उन्हें करीबी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने यह समझ और मजबूत की है कि टूर्नामेंट कार्यक्रम, रिकवरी और व्यवस्थित प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाना कितना जरूरी है।

इस युवा खिलाड़ी ने कहा, 'मैच और टूर्नामेंट अब बहुत ज्यादा शारीरिक हो गए हैं और उम्र के साथ भी फर्क पड़ता है। मेरा मतलब है कि अब मैं 20 साल का नहीं रहा कि उतनी तेजी से रिकवर कर सकूं। मैं यह नहीं कह रहा कि मेरी उम्र काफी बढ़ गयी है, लेकिन तैयारी, अगले मैचों के लिए रिकवरी और खासकर डाइट (आहार) को लेकर बदलाव करने पड़ते हैं। जब मैं 21-22 साल का था तो जो भी खाता था, उससे वजन नहीं बढ़ता था। लेकिन अब थोड़ा फर्क है और डाइट के प्रति ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है।'

लक्ष्य ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण 'वर्कलोड मैनेजमेंट (अभ्यास और टूर्नामेंट के चयन में सतर्कता)' भी बेहद अहम हो गया है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मुझे कंधे की कुछ चोटें भी लगीं, जिसका असर पड़ा। पहले मैं आक्रामक शॉट बेहतर खेल रहा था, लेकिन समय के साथ यह समझ आता है कि आप कितना जोर लगा सकते हैं, कितने मैच खेल सकते हैं और कब शरीर को आराम की जरूरत है।'

इस सत्र में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप और BWF विश्व चैंपियनशिप को प्रमुख आयोजन बताते हुए लक्ष्य ने कहा कि अब वह अपनी टीम के साथ मिलकर ऑल इंग्लैंड अभियान का विश्लेषण करेंगे। उन्होंने कहा, 'ये दोनों इस साल के बड़े टूर्नामेंट हैं जिनमें मैं खेलूंगा। मैं अपनी टीम के साथ बैठकर विस्तार से विश्लेषण करूंगा कि ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट कैसा रहा और पिछले कुछ महीनों में अभ्यास कार्यक्रम कैसा रहा।' लक्ष्य ने कहा, 'इसके बाद कोर्ट पर खास तौर पर अपने खेल को और बेहतर बनाने की कोशिश करूंगा और पूरे सत्र में फिट रहने पर ध्यान दूंगा क्योंकि आगे कई बड़े

टूर्नामेंट हैं।'

लक्ष्य ने मानसिक प्रशिक्षक मोन ब्रोकमैन को भी श्रेय दिया, जिनकी मदद से उन्हें अंतरराष्ट्रीय सर्किट के दबाव को बेहतर तरीके से समझने और संभालने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, 'करीब एक साल से मैं उनके साथ काम कर रहा हूं और मानसिक प्रशिक्षण के बारे में बहुत कुछ सीखा है। बड़े टूर्नामेंट में उतरने का नजरिया भी बदला है। बड़े टूर्नामेंट को अब अलग तरीके से देखता हूं, जबकि 500 या 300 स्तर के टूर्नामेंट अक्सर तैयारी का हिस्सा होते हैं।'

उन्होंने कहा कि वह अब हार को बहुत गंभीरता से नहीं लेते हैं और कोर्ट पर जमकर मेहनत करते हैं। लक्ष्य ने कहा, 'मोन, कोच और मेरे पिता सभी मेरा समर्थन करते हैं और मुझे बेहतर बनने में मदद करते हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया को देखा है, जहां हर सप्ताह आप जीतते या हारते हैं। कई बार टूर्नामेंट के अंत में लगातार हार भी मिलती है, लेकिन उसे दिल पर नहीं लेना चाहिए और हर मैच से सीखते रहना चाहिए।'

मौजूदा इंडियन वेल्स चैंपियन की शर्मनाक हरकत, हार के बाद तोड़ा रैकेट, दर्शकों पर भी चिल्लाई

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया) । मौजूदा चैंपियन मीरा एंड्रीवा ने बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में हारने के बाद अपना रैकेट कई बार पटका और फिर दर्शकों पर चिल्लाती हुई कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा गैर वरीयता प्राप्त कैटेरीना सिनियाकोवा से 4-6, 6-7(5), 6-3 से हार गई। मैच के दौरान भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं रहा और हारने के बाद वह अपना आपा खो बैठी। दूसरे सेट का टाईब्रेकर हारने के बाद एंड्रीवा ने अपना रैकेट फेंक दिया और फिर उसे तोड़ दिया जो नियमों का उल्लंघन था। उन्होंने मैच प्वाइंट के बाद अपना रैकेट फिर से फेंक दिया। वह सिनियाकोवा से हाथ मिलाने के लिए नेट पर गई। इसके बाद एंड्रीवा दर्शकों की ओर इशारा करते और चिल्लाते हुए कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा ने बाद में कहा, 'मैं अपने व्यवहार से वास्तव में खुश नहीं हूं। मैंने आखिर में जो कुछ किया उस पर मुझे गर्व नहीं है। यह ऐसी चीजें हैं जिन पर मुझे वास्तव में जल्द से जल्द काम करने की जरूरत है।'

पंजाब में बीजेपी के नेता अमित गोसाईं अकाली दल में शामिल

लुधियाना (एजेंसी)। मंगलवार को पंजाब की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर हुआ, जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित गोसाईं ने इस्तीफा दे दिया और कुछ समय बाद अपने समर्थकों के साथ शिरोमणि अकाली दल में शामिल हुए। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने खुद उन्हें पार्टी में शामिल करवाया और साथ ही लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज भी नियुक्त किया। बता दें कि गोसाईं पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सतपाल गोसाईं के पोते हैं। बादल ने अमित गोसाईं का शिरोमणि अकाली दल के परिवार में स्वागत कर कहा कि अमित अपने दादा सतपाल गोसाईं के काम में उनका साथ देते रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के स्पोक्सपर्सन पद से भी इस्तीफा दे दिया है। सुखबीर ने भरोसा जताया कि अमित गोसाईं के आने से शिरोमणि अकाली दल और मजबूत होगा। अकाली दल प्रमुख बादल ने गोसाईं को लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज बनाया और कहा कि अकाली दल में उनके साथ शामिल हुए है उनका भी पूरा सम्मान और अहम जिम्मेदारियां दी जाएगी। इसके पहले सतपाल गोसाईं ने सोशल मीडिया पर कहा था कि वह आज दुखी मन से भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक मेंबरशिप से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि उनसे पार्टी की दुर्दशा देखी नहीं जा रही है, इसलिए वह इस्तीफा दे रहे हैं।

गुमला में हाथी के कहर से मासूम की मौत

गुमला (एजेंसी)। झारखंड के गुमला जिला के पतराटोली गांव में देर रात जंगली हाथी के अचानक घर में प्रवेश से एक चार माह की बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। घटना चंदन उरांव के घर में हुई। बताया गया है कि हाथी ने घर के पास दीवार को जोरदार धक्का दिया, जिससे कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। तब घर में चंदन की पत्नी सुषमा उरांव अपने दो बच्चों के साथ सो रही थी। दीवार गिरने की आवाज सुनकर सुषमा ने अपने पांच वर्षीय बेटे को लेकर भागने में सफल रहीं, लेकिन हड़बड़ी में चार माह की बेटी अमिता कुमारी मलबे में दब गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सुषमा को भी चोटें आईं, जिन्हें ग्रामीणों ने प्राथमिक उपचार दिया। मां अपने बच्चे को खोने के सदमे में बार-बार बेहोश हो रही थीं, और गांव की महिलाएं उन्हें ढांढस बंधाती रहीं। घटना की सूचना मिलने पर करंज थाना पुलिस और बसिया वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। ग्रामीणों में जंगली हाथी के प्रवेश से भय और दहशत का माहौल है; लोग रातभर जागकर पहरा दे रहे हैं। प्रभावित परिवार ने वन विभाग से हाथी को खदेड़ने और मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन से भी परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की जा रही है। इस दुखद घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है और यह जंगली हाथियों और मानव बस्तियों के बीच लगातार बढ़ते संघर्ष की चिंता को उजागर करती है।

नॉर्थ ईस्ट के लोगों के साथ मारपीट, सीएम संगना ने दिल्ली पुलिस सुरक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में एक बार फिर नॉर्थ ईस्ट के लोगों के मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। 8 मार्च को साकेत नगर के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कॉम्प्लेक्स के पास मणिपुर की रहने वाली युवती और उसके दोस्तों से मारपीट की घटना हुई। पुलिस के मुताबिक सभी पीड़ित पार्क में टहल रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर कमेंट किए। युवती और उसके दोस्तों ने इसका विरोध किया। इस पर उन लोगों ने युवती और उसके साथियों पर हमला कर दिया। हमले में युवती घायल हो गई। इस घटना से नाराज मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा ने एक्स पर पोस्ट के जरिए दिल्ली पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीएम संगना की पोस्ट पर दिल्ली पुलिस ने घटना की निंदा करते हुए लिखा- आरोपियों की पहचान की जा रही है, उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमों को तैनात की हैं। मेघालय सीएम संगना ने लिखा कि यह नस्लीय तौर पर डराने-धमकाने वाली घटना है। मुझे मेनलैंड इंडिया में नॉर्थ ईस्ट के लोगों पर बार-बार हो रहे हमलों से नाराजगी है। इसके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

अरुणाचल के जंगलों में लगी भीषण आग पर काबू पाने वायुसेना ने संभाला मोर्चा

-शक्तिशाली हेलिकॉप्टर एमआई-17 वी5 से 66,000 लीटर पानी बरसाया

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट स्थित मेबो और सिगर के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए अब भारतीय वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। मंगलवार को वायुसेना ने एक अभियान चलाते हुए अपने शक्तिशाली हेलिकॉप्टर को तैनात किया, जिसने कई उड़ानों के जरिए रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ती आग की लपटों पर काबू पाया। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए एक तेज़ और दमदार फायरफाइटिंग मिशन शुरू किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग पर काबू पाने के लिए एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है, जिसने आस-पास की बस्तियों को बचाने के लिए कई सॉर्टीज़ में 66,000 लीटर पानी छोड़ा। एक्स पर पोस्ट में आईएएफ ने आग और हवाई फायरफाइटिंग मिशन की शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। पोस्ट में लिखा- अरुणाचल प्रदेश में तेज़ रिस्पॉन्स और ऑपरेशनल सटीकता दिखाई, पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल की बड़ी आग पर काबू पाने के लिए एक एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किया है। यह पहली बार नहीं है जब आईएएफ ने इस साल इस इलाके में जंगल की बड़ी आग में दखल दिया है। 18 फरवरी को आईएएफ के हेलिकॉप्टरों ने नॉर्थ-ईस्ट के मुश्किल इलाकों में लगी दो बड़ी जंगल की आग पर काबू पाया था। अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में, फोर्स ने हेवी-लिफ्ट हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल करके 139,800 लीटर पानी गिराया, जिससे एक बड़ी आग पर काबू पाया जा सका। रिपोर्ट के मुताबिक अपनी आग बुझाने की ड्यूटी के साथ-साथ आईएएफ इंडियन आर्मी के साथ कोऑर्डिनेशन को मजबूत करना जारी रखे हुए है। 8 मार्च को दोनों फोर्स ने उत्तराखंड में टिहरी झील के ऊपर एक जॉइंट एक्सरसाइज की। इस ड्रिल में कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स शामिल थे। एक और पोस्ट में आईएएफ ने कहा कि 8 मार्च को एयरक्राफ्ट ने इंडियन आर्मी के साथ एक जॉइंट एक्सरसाइज में टिहरी झील के ऊपर कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप्स किए। इस एक्सरसाइज ने आसान इंटर-सर्विस सिनर्जी और ऑपरेशनल कैपेबिलिटी दिखाई।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त नसीहत: केवल मीडिया पब्लिसिटी के लिए जनहित याचिकाएं दायर न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निकाय संबंधी कथित लापरवाही के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग वाली एक याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया और युवा अधिवक्ताओं को केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से जनहित याचिकाएं दायर करने के प्रति आगाह किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एक युवा वकील को सलाह देते हुए कहा कि वकालत के शुरुआती वर्षों में उन्हें कानूनी बारीकियों को समझने, अदालती कार्यवाही को करीब से देखने और मसौदा (ड्राफ्टिंग) तैयार करने के कौशल सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग इस पेशे में गंभीरता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें राष्ट्रीय मीडिया या सोशल मीडिया पर छाने की होड़ से दूर रहना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि दफ्तरों में काम करने और कानून सीखने के बजाय निराधार याचिकाएं तैयार करना पेशेवर भविष्य के लिए ठीक नहीं है। पीठ ने याचिका को अस्पष्ट और व्यापक दावों से भरी हुई करार देते हुए कहा कि इसमें ऐसे निर्देश मांगे गए हैं जिनका व्यावहारिक रूप से पालन करना अत्यंत कठिन है, इसलिए इस पर विचार करने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। सुनवाई के दौरान जब सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के रखरखाव में विफलता से होने वाली मौतों का मुद्दा उठा, तो पीठ ने याचिकाकर्ता की वकील से पूछा कि उन्होंने इस विशिष्ट मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफशिकायत दर्ज कराने के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया। इस पर वकील ने तर्क दिया कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। वकील के वकालत के अनुभव (चार वर्ष) की जानकारी मिलने पर प्रधान न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि युवा वकीलों को वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समय बिताना चाहिए, न कि केवल प्रचार पाने के लिए अदालत का समय नष्ट करना चाहिए। इसी कड़ी में, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक ही वकील द्वारा दायर पांच अन्य याचिकाओं को भी निरर्थक बताते हुए खारिज कर दिया। इन याचिकाओं में अजीबोगरीब मांगें की गई थीं, जिनमें से एक में यह वैज्ञानिक अध्ययन कराने का आग्रह था कि क्या प्याज और लहसुन में तामसिक या नकारात्मक ऊर्जा होती है। अन्य याचिकाओं में शराब और तंबाकू उत्पादों की सामग्री पर नियंत्रण, संपत्तियों का अनिवार्य पंजीकरण और शास्त्रीय भाषाओं की घोषणा के लिए दिशा-निर्देशों की मांग की गई थी। न्यायालय ने इन सभी याचिकाओं को कानूनी आधार पर शून्य माना और स्पष्ट किया कि जनहित याचिकाओं का दुरुपयोग न्यायपालिका की गंभीरता को कम करता है।

हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में केंद्र से मांगा रिकॉर्ड, अगली सुनवाई 19 को

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्ड पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी से जुड़े कथित दोहरी नागरिकता विवाद के मामले में केंद्र सरकार से संबंधित केस फाइल तलब की है। यह याचिका निचली अदालत द्वारा एफआईआर दर्ज कराने से इनकार किए जाने के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई है। याचिका पर करीब डेढ़ घंटे तक विस्तृत बहस हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का पक्ष रखने के लिए केंद्रीय स्थायी अधिवक्ता राज कुमार सिंह को भी तलब किया और मामले से जुड़ी मामले से जुड़ी ताजा कार्रवाई की जानकारी मांगी। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 19 मार्च की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने 28 जनवरी 2026 को विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती दी है। उस आदेश में अदालत ने राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की मांग ठुकरा दी थी। विशेष अदालत ने कहा था कि नागरिकता के सवाल पर निर्णय लेना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। याचिका में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच कराने की मांग की गई है। याची ने राहुल पर भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत आरोप लगाए हैं। यह शिकायत पहले रायबरेली की विशेष एमपी/एमएलए अदालत में दायर की गई थी। बाद में शिकायतकर्ता की अर्जी पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने 17 दिसंबर 2025 को मामला रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। लखनऊ की विशेष अदालत ने 28 जनवरी को याचिका खारिज कर दी। इसके बाद याची ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

अपने पूरे परिवार के साथ पीएम मोदी से मिली पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

-प्रधानमंत्री मोदी और पोते विनायक के बीच मुलाकात रही खास

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनका परिवार नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचा। इस दौरान वसुंधरा राजे के साथ उनके परिवार के सदस्य भी

मौजूद थे। यह मुलाकात शिष्टाचार की रूप में देखी जा रही है, लेकिन मरुधार के राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चाएँ शुरू हो गई हैं।

मुलाकात के दौरान विशेष ध्यान विनायक प्रताप सिंह पर गया, जो अपनी दादी की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की संभावनाओं के कारण चर्चा में हैं। विनायक ने 2023 में पहली बार मतदान किया था और कुछ चुनावी कार्यक्रमों में भी दिखाई दिए थे। उनकी फिटनेस के प्रति सजगता और यूट्यूब चैनल पर फिटनेस वीडियो साझा करने के कारण युवा वर्ग में उनकी लोकप्रियता है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और विनायक के बीच मुलाकात में खास बातचीत देखी गई, जिससे यह अटकलें लग रही हैं कि विनायक राजनीति में जल्द ही कदम रख सकते हैं। वर्तमान में वह दिल्ली से कानून की पढ़ाई कर रहे हैं और जिमिंग व ओपन एक्सरसाइज पर विशेष ध्यान देते हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि विनायक की पृष्ठभूमि और युवा छवि उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति बनाने में मदद कर सकती है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह मुलाकात वसुंधरा राजे और उनके परिवार के भविष्य की रणनीतियों का हिस्सा हो सकती है। फिटनेस और कानून की पढ़ाई के साथ विनायक अपनी दादी की विरासत को आधुनिक अंदाज में आगे बढ़ा सकते हैं। मुलाकात के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं, जिससे जनता और समर्थकों में उत्सुकता बढ़ी है। इस तरह, यह मुलाकात सिर्फ औपचारिक नहीं बल्कि भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं का संकेत भी मानी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का बचाव कर शाह ने गोगाई को सुना दिया... इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू होते ही, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधकर कहा कि उन्हें उस केंद्रीय मंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। यह गोगोई के संबोधन के दौरान रिजिजू के उस बयान के जवाब में था, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी सांसदों ने असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया और मैं इसका जबाव दूंगा।

इसके बाद कांग्रेस सांसद ने कहा कि भविष्य में जब संसदीय अभिलेखों और प्रतिलेखों का अध्ययन होगा, तब आंकड़े बताएंगे कि रिजिजू ही वे संसदीय कार्य मंत्री थे जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित

किया। इस पर रिजिजू का बचाव कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस तरह की बाधाएँ तभी आवश्यक होती हैं जब कोई संसदीय नियमों का पालन नहीं करता है, और उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल का उदाहरण दिया।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मैं सहमत हूँ, संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू जी ने सबसे ज़्यादा व्यवधान डाला है। लेकिन हम लोगों ने इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा। जिसका मतलब था कि व्यवधान विपक्ष द्वारा सदन के नियमों का बार-बार उल्लंघन करने के कारण थे। अपने संबोधन में, गोगोई ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा के लिए लाया गया है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए। निचले सदन को संबोधित कर गोगोई ने कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा करने की जिम्मेदारी के रूप में लाया गया है, न कि व्यक्तिगत रूप से ओम बिरला के खिलाफ।

केंद्र सरकार चला रही 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर प्रोजेक्ट, राजस्थान में सर्वाधिक 4

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश भर में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 54 मंदिर-तीर्थ कॉरिडोर परियोजनाएँ चला रही है। ये परियोजनाएँ 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू हैं। इनमें सर्वाधिक 4 राजस्थान में हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन 54 परियोजनाओं में सबसे अधिक चार परियोजनाएँ राजस्थान में हैं, जो राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के केंद्र के प्रयासों को दर्शाती हैं। यह योजना न केवल तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर केंद्रित है, बल्कि मंदिरों और उनके आसपास के बुनियादी ढांचे को भी सशक्त करने का लक्ष्य रखती है।

केंद्र सरकार के अनुसार, यह पहल देश के सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से विकसित करने के लिए अहम कदम है। योजना के अंतर्गत कॉरिडोर के पास यात्रियों के लिए सुविधाएं, मार्गदर्शन और संरचनात्मक सुधार किए जा रहे हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। इस प्रकार, 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली इन परियोजनाओं के माध्यम से देशभर में धार्मिक स्थलों की अहमियत और पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

वीएसआर के मालिक को दुर्घटना के तुरंत बाद कैसे पता चला पायलट की गलती थी?

एनसीपी(एसपी) के विधायक रोहित पवार ने वी के सिंह के बयान पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार और चार अन्य लोगों की विमान दुर्घटना में हुई मौत की जांच अब एक नए विवाद का केंद्र बन गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने इस मामले में विमानन कंपनी वीएसआर वेंचर्स के मालिक वी के सिंह की भूमिका और उनके बयानों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सीआईडी ने हाल ही में वीएसआर वेंचर्स के मालिक से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंह ने इस दुर्घटना के लिए पायलट को जिम्मेदार बताया। इसी दावे पर रोहित ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीआईडी के एक ??अधिकारी ने कोई विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा था कि सीआईडी ने पिछले सप्ताह वी के सिंह से पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सीआईडी ??ने सिंह से पूछताछ के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। वीएसआर वेंचर्स द्वारा

संचालित एक लीयरजेट 45 विमान 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

मीडिया के एक वर्ग ने सीआईडी को दिए सिंह के बयान का जिक्र किया था। रोहित पवार ने मीडिया के एक वर्ग में आए सिंह के इस बयान का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्लैक बॉक्स में वास्तव में क्या रिकॉर्ड हुआ था, यह अब तक सामने नहीं आया है। अगर ऐसा है, तो वीएसआर कंपनी के मालिक को दुर्घटना के कुछ ही समय बाद कैसे पता चला कि यह पायलट की गलती थी? वह खुद को इससे दूर रखते हुए दोष किसी और पर डालने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहित ने बताया कि कभी रिपोर्ट में कहा जाता है कि विमान का 'ब्लैक बॉक्स' जल गया है, जबकि कभी दावा किया जाता है कि डेटा बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां ??इस मामले पर पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी दुर्घटना के बावजूद सीआईडी ने वी के सिंह से हुई पूछताछ को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रोहित का मानना है कि इस चुप्पी से जनता के मन में संदेह पैदा हो रहा है। यह मामला अब एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। क्या ब्लैक बॉक्स का सच कभी सामने आएगा या यह फाइलों में ही दफन हो जाएगा?

एलपीजी संकट पर केजरीवाल का पीएम मोदी पर तंज... अपनी कुछ मजबूरियों के कारण ट्रंप के सामने झुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में संभावित एलपीजी संकट को लेकर केंद्र पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कुछ मजबूरियों के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुक रहे हैं और इसकी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता पैदा हो गई है, इससे तेल और गैस बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इस बीच केजरीवाल ने दावा किया कि देशभर में कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति रोकी गई है। उनके अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर अन्य सभी कारोबारी प्रतिष्ठानों को फिलहाल एलपीजी गैस नहीं दी जा रही है और गैस केवल घरेलू उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने आशंका जाहिर की कि आने वाले दिनों में गैस और तेल

की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

दरअसल, यह बयान उस समय आया जब पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दे दिया है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और वैश्विक आपूर्ति में बाधा को देखकर देश में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। इसलिए अतिरिक्त एलपीजी उत्पादन को विशेष रूप से घरेलू उपयोग के लिए निर्देशित किया गया है। मंत्रालय ने यह भी घोषणा की कि मौजूदा आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित बनाए रखने और जमाखोरी तथा कालाबाजारी को रोकने के लिए एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिनों की इंटर-बुकिंग अवधि लागू की गई है। मोदी सरकार ने रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने तथा प्रमुख हाइड्रोकार्बन स्रोतों को एलपीजी पूल में भेजने का निर्देश दिया है। मोदी सरकार का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य आम नागरिकों को रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और संकट के समय ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर बनाए रखना है। वहीं विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर सवाल उठा रहा है।

राजस्थान में बढ़ते प्रदूषण से लोगों की घटा रहा उम्र, साल में 20 दिन ही मिल रही शुद्ध हवा

-रिपोर्ट में खुलासा जहरीली हवा में खतरनाक कण मौजूद, शरीर को पहुंच रहा नुकसान

श्रीनगर (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजस्थान में बढ़ता प्रदूषण प्रदेशवासियों की औसत उम्र घटा रहा है। जयपुर में तो साल में 20 दिन ही शुद्ध हवा लोगों को मिल रही है। जहरीली हवा में मौजूद बारीक कण सिर्फ फेफड़े ही नहीं दिमाग की नसों तक पहुंच रहे हैं। किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ रहा है। एक ताजा रिपोर्ट में यह चौंकान वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि जयपुर का हर नागरिक अपनी औसत उम्र के 3 साल 10 महीने और 24 दिन सिर्फ जहरीली हवा के कारण कम कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट ने 25 फरवरी 2026 को 'स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरमेंट-2026' नाम से एक रिपोर्ट जारी की थी। प्रदेश के लिए वर्ष 2021 से 2025 के बीच प्रदूषण स्तर एक्यूआई के आंकड़े जुटाए गए फिर प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों की मात्रा के आधार पर आंकलन किया गया कि ये उम्र पर कितना असर डाल रहे हैं। रिपोर्ट में सामने आया कि जहरीली हवा में इतने खतरनाक कण मौजूद हैं, जो सांस से हमारे शरीर में जा रहे हैं। इससे प्रदेश के हर व्यक्ति की उम्र औसतन घट रही है।

प्रदेश की अनुमानित आबादी 8 करोड़ है। सबसे ज्यादा आबादी जयपुर की है। जयपुर में रहने वाले लोग औसत से भी 7 महीने ज्यादा उम्र खो रहे हैं। आंकड़े के मुताबिक 1 जनवरी 2021 से 31 मार्च 2025 के बीच कुल 1,550 दिनों में से करीब 450 दिन एक्यूआई खराब से बहुत खराब श्रेणी में रहा। इसका मतलब यह है कि जयपुर का हर तीसरा दिन प्रदूषण के उस खतरनाक स्तर पर पहुंचा, जिसके संपर्क में लंबे समय तक रहने पर सांस और हार्ट संबंधी रोग हो सकते हैं। इसके विपरीत पूरे साढ़े चार साल में केवल 81 दिन ही ऐसे थे, जब लोगों को अच्छी हवा मिली यानी जयपुर वालों को साल में औसत रूप से 20 दिन भी पूरी तरह शुद्ध हवा नसीब नहीं हुई।

रिपोर्ट से पता चलता है कि जहरीली हवा आपके शरीर के हर हिस्से को छलनी कर रही है। हवा में मौजूद बारीक कण खून के जरिए दिमाग तक पहुंच रहे हैं। इससे ब्रेन फॉग, चिड़चिड़ापन और नींद की कमी हो रही है। लंबे समय में यह अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी बीमारियों का रिस्क बढ़ा रही है। प्रदूषित हवा के कारण बच्चों में एनीमिया यानी खून की कमी और जन्म के समय कम वजन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यह हवा किडनी की कार्य क्षमता को बिगाड़ रही है और डायबिटीज का खतरा बढ़ा रही हैं।

जयपुर के अस्थमा रोग विशेषज्ञ बताते हैं- वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा की समस्याओं वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसके कारण सांस लेने में दिक्कत, ब्रेन फॉग, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और नींद की समस्या से जूझ रहे मरीज ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषित हवा का असर बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा हो रहा है। बच्चों में एनीमिया, फेफड़ों का कमजोर विकास और कम वजन जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, जबकि वयस्कों में किडनी से जुड़ी परेशानी, डायबिटीज और हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता देखा जा रहा है।

डॉक्टर के मुताबिक जिन क्षेत्रों में प्रदूषण ज्यादा है, वहां रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें, पौष्टिक भोजन लेना चाहिए ताकि शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि प्रदूषण का असर इन पर ज्यादा तेजी से होता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**